THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 103 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.14 2082 बुधवार, 9 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

केरल हाईकोर्ट से लाइबेरियाई जहाज की जब्ती का आदेश

तिरुवनंतपुरम, 8 जुलाई (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने सोमवार को लाइबेरियाई जहाज एमएससी अकीकेता 2 को जब्त करने का आदेश दिया। यह शिप लाइबेरियाई जहाज एमएससी एल्सा 3 का सहयोगी था, जो 25 मई को कोच्चि के तट पर डूब गया था। दोनों जहाज एमएससी मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी के हैं। एमएससी एल्सा 3 डूबने से हुए पर्यावरणीय और आर्थिक नुकसान पर केरल सरकार ने 9531 करोड़ रुपये के मुआवजे की याचिका लगाई थी। साथ ही सहयोगी जहाज (एमएससी अकीकेता 2) के भारत से बाहर जाने की आशंका जताते हुए जहाज जब्त करने की मांग की थी। इस पर कोर्ट ने आदेश दिया कि शिपिंग कंपनी जब तक मुआवजे की रकम जमा नहीं कर देती तब तक एमएससी अकीकेता 2 को जब्त रखा जाए।

ट्रम्प ने 14 देशों पर टैरिफ लगाया

> भारत शामिल नहीं जापान-साउथ कोरिया पर 25 प्रतिशत
> म्यांमार पर 40 प्रतिशत टैरिफ > 1 अगस्त से लागू होगा

वॉशिंगटन, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बांग्लादेश-जापान समेत 14 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया है। ट्रम्प प्रशासन ने सभी प्रभावित देशों को औपचारिक रूप से लेटर भेजकर इस निर्णय की जानकारी दी। इस फैसले के तहत कुछ देशों पर 25 प्रतिशत टैक्स लगाया गया है, जबकि कुछ पर 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक का भारी शुल्क लगाया गया है। दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं को ट्रम्प ने सबसे पहले लेटर भेजा और कहा कि उनके देश से आने वाले सामान पर अब 25 प्रतिशत शुल्क लगेगा।

उन्होंने लिखा कि ये टैक्स इसलिए जरूरी हैं, ताकि अमेरिका और इन देशों के बीच व्यापार में जो असंतुलन है, उसे सुधारा जा सके। ये टैरिफ 1 अगस्त से लागू होंगे। इसके साथ ही ट्रम्प ने 1 अगस्त से ग्लोबल टैरिफ लगाने की घोषणा की। पहले ट्रम्प 9 जुलाई को इसका ऐलान करने वाले थे। ट्रम्प ने अप्रैल में पहली बार सभी अमेरिकी आयात पर 10 प्रतिशत बेसलाइन टैक्स और 60 देशों पर अलग-अलग टैक्स लगाने की बात की थी। उस घोषणा के बाद दुनियाभर के शेयर और बॉन्ड बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी, इसलिए उन्होंने टैरिफ को कुछ समय के लिए टाल दिया था और देशों को अमेरिका के साथ नई डील करने का मौका दिया था। पहले उन्हें 8 जुलाई तक का वक्त दिया गया था, ताकि 9 जुलाई से नए टैरिफ लागू हो सकें। अब ये डेडलाइन बढ़ाकर 1 अगस्त कर दी गई है।

भारत, यूरोपीय यूनियन के साथ ट्रेड डील जल्द

अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि ट्रम्प इस हफ्ते कई देशों के साथ ट्रेड डील का ऐलान कर सकते हैं। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील बहुत करीब पहुंच चुकी है। यूरोपीय यूनियन भी अमेरिका के साथ समझौता करने के काफी नजदीक है। इसके साथ ही पाकिस्तान, ताइवान और स्विटजरलैंड जैसे दूसरे देश में अमेरिका के साथ ट्रेड डील करने का रास्ता तलाश रहे हैं।

अब तक अमेरिका ने सिर्फ ब्रिटेन और वियतनाम के साथ दो शुरूआती डील की हैं। हालांकि, इन समझौतों में ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। वियतनाम वाले सौदे में तो किसी भी पक्ष ने यह भी साफ नहीं किया कि वास्तव में किन बातों पर सहमति बनी है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका ने ब्रिटेन पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। इसके अलावा स्टील और एल्युमीनियम पर अलग से अमेरिका 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा।

पुलवामा अटैक के लिए विस्फोटक अमेजन से खरीदा गया था

एफएटीएफ की रिपोर्ट, गोरखनाथ मंदिर पर हमला करने वाले आतंकी को पेपैल से पेमेंट हुआ

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल हुआ विस्फोटक ई-कॉमर्स वेबसाइट अमेजन से खरीदा गया था। दुनियाभर में आतंकी फंडिंग पर नजर रखने वाली संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है।

एफएटीएफ ने इस रिपोर्ट में 2022 में यूपी के गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर पर हुए हमले का भी जिक्र किया है। यहां हमलावर आतंकी को ऑनलाइन मनी ट्रांसफर प्लेटफॉर्म पेपैल के जरिए पैसे दिए गए थे। इन दोनों मामलों को उदाहरण के तौर पर पेश करते हुए संगठन ने आगाह किया है कि ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान सेवाएं अगर गलत हाथों में जाएं तो वे आतंक को बढ़ावा देने का माध्यम बन सकती हैं। एफएटीएफ की इस रिपोर्ट का नाम 'कॉम्प्रिहेंसिव अपडेट ऑन टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क' है। 131 पेज की यह रिपोर्ट बताती है कि कैसे आतंकवाद की फंडिंग के तरीके बदल रहे हैं। रिपोर्ट में यह बताया गया है कि आतंकी संगठन अब पारंपरिक फंडिंग तरीकों के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों जैसे ऑनलाइन पेमेंट, गेमिंग प्लेटफॉर्म्स, सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स साइट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आतंकवाद से जुड़ी फंडिंग (टीएफ) की रणनीतियां एक जैसी नहीं होतीं, बल्कि अलग-अलग जगहों पर, अलग परिस्थितियों के हिसाब से अलग तरीके अपनाए जाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बहुत से देशों में आतंकवाद की फंडिंग को समझने और रोकने की क्षमता में अब भी बड़ी कमियां हैं, और अगर इन्हें समय पर ठीक नहीं किया गया तो आतंकी संगठन मौजूदा कमजोरियों का फायदा उठाते रहेंगे। इसमें यह बताया गया है कि किस तरह आतंकी संगठन अंतर्राष्ट्रीय फाइनेंशियल सिस्टम का इस्तेमाल अपनी गतिविधियों को जारी रखने और हमले करने के लिए करते हैं। एफएटीएफ ने दुनियाभर की सरकारों और डिजिटल कंपनियों को चेतावनी दी है कि वे इन प्लेटफॉर्म्स के दुरूपयोग को रोकने के लिए ठोस उपाय करें, क्योंकि ये अब आतंकी संगठनों के लिए एक नया और प्रभावशाली जरिया बनते जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स समिट में शामिल होने के बाद मंगलवार को रियो डी जनेरियो से ब्राजील की राजधानी ब्राजीलिया पहुंचे। इस अवसर पर प्रशंसकों की भीड़ ने उनका जमकर स्वागत किया।

एमबीबीएस में प्रवेश रद्द करने के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा-हाईकोर्ट जाएं छात्र

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ओडिशा के एक मेडिकल कॉलेज में बिना पूर्व सूचना के एमबीबीएस छात्र का प्रवेश रद्द करने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से हाईकोर्ट का रुख करने के लिए कहा।

न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति आर महादेवन की आंशिक कार्य दिवस (पीडब्ल्यूडी) पीठ ने छात्र के वकील हर्षित अग्रवाल से कहा कि वह अपनी शिकायत लेकर उच्च न्यायालय जाए। पीठ ने कहा कि याचिका वापस ले ली गई मानकर खारिज की जाती है। छात्र के वकील हर्षित अग्रवाल ने 2024-2029 शैक्षणिक सत्र के लिए एमबीबीएस पाठ्यक्रम में पुनः प्रवेश की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने याचिका में कहा था कि उनका प्रवेश कथित तौर पर बिना किसी नोटिस या सुनवाई के किया गया। यह अवैध और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन था। याचिका में पारदर्शिता और निष्पक्षता तय करने के लिए मेडिकल कॉलेजों में अनुशासनात्मक मामलों में एक समान प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों की भी मांग की गई।

शिक्षा मंत्री गुलाब देवी का हापुड़ में एक्सीडेंट

हापुड़, 8 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी (70 साल) का मंगलवार को हापुड़ में एक्सीडेंट हो गया। उनकी एक्सयूवी पुलिस जीप से टकरा गई। सिर में चोट लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हुई हैं।

वहीं, एस्कॉर्ट कर रही गाड़ी के ड्राइवर के हाथ में चोट लगी है। हादसे के बाद मंत्री की गाड़ी में लगे एयरबैग नहीं खुले। मंत्री और ड्राइवर को रामा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। डीएम अभिषेक पांडे और एसपी ज्ञानंजय सिंह मौके पर पहुंचे।

'खड़गे ने राष्ट्रपति मुर्मू के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का किया इस्तेमाल'

भाजपा की मांग-माफी मांगें

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। भाजपा ने कहा कि यह कांग्रेस के आदिवासी विरोधी चेहरे को दिखाता है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि, उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का भी अपमान किया। सभी मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस पार्टी की निंदा कर रहा है। आप राष्ट्रपति को बिना किसी सम्मान के 'मुर्मा जी' कहकर संबोधित करते हैं और फिर अंत में उन्हें भू-माफिया बताते हैं। पूरा देश जानता है कि अगर देश में कोई भू-माफिया है तो वह फर्जी गांधी परिवार है।

राहुल गांधी के इशारे पर दे रहे आदिवासी विरोधी बयान :

गौरव भाटिया ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी को मुर्मा जी बुलाते हैं और पूर्व राष्ट्रपति जी राम नाथ कोविंद जी को 'कोविड' बुलाते हैं। खड़गे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भू-माफिया बताते हैं, कहते हैं, ये हमारी जमीन और जंगल छीनने के लिए राष्ट्रपति बनी हैं। राहुल गांधी के इशारे पर रिमोट कंट्रोल वाले अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे आदिवासी विरोधी, दलित विरोधी, महिला विरोधी और संविधान विरोधी बयान दे रहे हैं।

खड़गे से माफी की मांग :

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि उदित राज कहते हैं कि किसी देश को द्रौपदी मुर्मू जैसी राष्ट्रपति नहीं मिलनी चाहिए। अधीर रंजन चौधरी राष्ट्रपति को राष्ट्रपत्नि कहकर संबोधित करते हैं। यह एक आदिवासी महिला के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी है। कांग्रेस नेताओं को लगता है कि सिर्फ फर्जी गांधी परिवार के सदस्य ही देश में संवैधानिक पदों पर बैठ सकते हैं। अजय कुमार कहते हैं कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुरी मानसिकता को दर्शाती हैं। आज मल्लिकार्जुन खड़गे का आपत्तिजनक बयान सबूत है कि उनकी कोई जुबान नहीं फिसली है।

25 करोड़ कर्मचारी आज हड़ताल पर : ट्रेड यूनियनों का ऐलान

बैंक-डाकघर में काम बंद रहेगा, परिवहन सेवाएं ठप होने से भी आने-जाने में परेशानी

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बैंक, बीमा, डाक, कोयला खनन, हाईवे, निर्माण, और कई राज्यों में सरकारी परिवहन जैसी अहम सेवाएं कल यानी 9 जुलाई को प्रभावित हो सकती हैं।

ऐसा इसलिए क्योंकि 25 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी देशव्यापी हड़ताल यानी भारत बंद पर जाने वाले हैं। 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगी संगठनों ने हड़ताल बुलाई है। इस बंद का मकसद केंद्र सरकार की उन नीतियों का विरोध करना है, जिन्हें यूनियनें मजदूर-विरोधी, किसान-विरोधी और कॉरपोरेट समर्थक मानती हैं।

दो या तीन प्रतिशत रिटर्न का वादा कर 1500 करोड़ रुपये की धोखाधडी

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), कोलकाता जोनल कार्यालय ने मेसर्स एलएफएस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सैयद जियाजुर रहमान को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत पांच जुलाई को गिरफ्तार किया है। इससे पहले आरोपी को न्यायालय द्वारा जारी प्रोडक्शन वारंट के आधार पर मुख्य न्यायाधीश, सिटी सेशंस कोर्ट, कोलकाता के समक्ष पेश किया गया था। आरोपी को 14 जुलाई तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया है। ईडी के मुताबिक, सैयद जियाजुर रहमान, मेसर्स एलएफएस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से धोखाधड़ी की योजनाओं को अंजाम देने के मामले का मास्टरमाइंड है। ईडी की जांच में सामने आया है कि आरोपी, सैयद जियाजुर रहमान मेसर्स एलएफएस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से लोगों के साथ धोखाधड़ी करता था।

एक देश-एक चुनाव संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने संसदीय समिति को लिखित राय दी चुनाव आयोग की शक्तियों पर चिंता जताई

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं है। हालांकि, प्रस्तावित बिल में चुनाव आयोग (ईसीआई) को दी जाने वाली शक्तियों पर चिंता उन्होंने जताई है।

पूर्व सीजेआई ने कहा कि इससे ईसीआई को विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाने या घटाने की शक्ति मिल सकती है। उन परिस्थितियों को परिभाषित किया जाना चाहिए जिनमें ईसीआई इस शक्ति का इस्तेमाल कर सकता है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने एक देश-एक चुनाव पर बनी संसदीय समिति को अपनी लिखित राय सौंपी है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 17 दिसंबर, 2024 को लोकसभा में एक देश-एक चुनाव संविधान संशोधन बिल पेश किया था। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से बेहतर आर्थिक स्थिति वाली नेशनल पार्टियों के प्रभाव से क्षेत्रीय और छोटी पार्टियां हाशिए पर जा सकती हैं। इसके लिए चुनाव अभियान में फाइनेंस से जुड़े नियमों को मजबूत किया जाना चाहिए। वहीं, पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई और पूर्व सीजेआई जेएस खेहर 11 जुलाई को समिति के साथ बिल पर चर्चा करेंगे। जस्टिस गोगोई इससे पहले मार्च में भी समिति के साथ बैठक कर चुके हैं। उस समय उन्होंने भी ईसीआई को बहुत ज्यादा अधिकार दिए जाने पर चिंता जताई थी। पूर्व सीजेआई यूयू ललित फरवरी में पेश हुए थे। उन्होंने भी चरणबद्ध तरीके से एक साथ चुनाव कराए जाने का समर्थन किया था। हालांकि, उन्होंने कहा था कि जिन विधानसभाओं का कार्यकाल ज्यादा बचा है, उनके समय को कम करने से कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, 2034 में अगर 'एक देश एक चुनाव' की नीति लागू होती है तो सिर्फ ईवीएम की खरीदी के लिए ही 1.5 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह राशि कितनी ज्यादा है, इसका अंदाजा केवल इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अनुमानतः एक लाख करोड़ रुपये खर्च हुए थे।

मतदाता सूची संशोधन को लेकर विपक्ष के आरोपों पर चुनाव आयोग की दो टूक

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग पर तगड़ा हमला बोला है। इस बीच चुनाव अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह समावेशी है। इसमें सक कुछ समाहित किया गया है। इसे लेकर लगाए जा रहे सभी आरोप बेबुनियाद और बेतुके हैं।

दरअसल, विपक्ष ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग पर हमला तेज कर दिया है। उनका कहना है कि इससे करोड़ों मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने भी सोमवार को बिहार में मतदाता सूची संसोधन या गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमति जताई थी। विपक्षी दलों कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार गुट), शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, जेएमएम, सीपीआई और सीपीआई (एमएल) के नेताओं ने मामले में मिलकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कई अन्य याचिकाएं भी इस साल के अंत में बिहार में होने वाले चुनावों से पहले विशेष गहन पुनरीक्षण करने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई हैं। शीर्ष अदालत में सुनवाई से पहले चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि पुनरीक्षण प्रक्रिया सभी को शामिल करने वाली है। यह बिहार के मौजूदा 7,89,69,844 मतदाताओं तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता का नाम, पता, पुरानी फोटो आदि विवरण के साथ पहले से भरे हुए गणना फॉर्म हर मौजूदा मतदाता को उपलब्ध कराए गए हैं। पहले से भरे हुए गणना फॉर्म 7.69 करोड़ या 97.42 प्रतिशत मतदाताओं को बांटे गए हैं।

संसदीय समिति के सामने पेश हुए उड्डयन मंत्रालय और एअर इंडिया के अधिकारी

विमान हादसे की दी जानकारी

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और एअर इंडिया के अधिकारी मंगलवार को संसदीय समिति के सामने पेश हुए। इस दौरान संसदीय समिति ने एअर इंडिया हादसे के बारे में जानकारी ली और पूछा कि हादसे की जांच रिपोर्ट कब तक पूरी हो पाएगी। संसद सदस्यों ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद श्रीनगर की फ्लाइट के दामों में अचानक बढ़ोतरी पर भी चिंता जाहिर की। संसदीय समिति के सदस्यों ने ब्यूरो ऑफ सिविल एसोसिएशन सिक्योरिटी के ऑडिट की भी मांग की। संसद की पब्लिक अकाउंट्स कमेटी की अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने की। संसदीय समिति के सामने पेश होने वाले अधिकारियों में एअर इंडिया के सीईओ और एमडी कैंपबेल विल्सन भी शामिल रहे।

भाषा विवाद के बीच निशिकांत दुबे का राज ठाकरे पर हमला : बोले-कभी यूपी-बिहार आओ

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे पर हमला बोला। यह बयान राज्य में हिंदी-मराठी भाषा विवाद के बीच मनसे कार्यकर्ताओं की ओर से की गई कथित हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाओं के सामने आने के बाद आया है।

निशिकांत दुबे ने 2007 की एक घटना का हवाला दिया, जिसका कथित तौर पर विकीलीक्स में जिक्र किया गया था। इसमें बताया गया था कि मनसे कार्यकर्ताओं ने बिहार के एक छात्र पर हमला किया। दुबे ने कहा कि गुंडागर्दी ही राज ठाकरे का एकमात्र उद्देश्य है और वह यह सब मुंबई नगर निगम चुनाव हार के डर से करते हैं। एक्स पर एक पोस्ट में निशिकांत दुबे ने लिखा, जब राज ठाकरे को जन समर्थन नहीं मिलता, तो वह अपने गुंडों को आगे कर देते हैं। इसका मतलब है कि गुंडागर्दी ही उनका एकमात्र उद्देश्य है, जो वे मुंबई नगर निगम चुनाव से ठीक पहले हार के डर से करते हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरा विरोध ठाकरे की गुंडागर्दी को लेकर है और अब सहनशीलता की सारी सीमाएं पार हो चुकी हैं।

यह 2007 का विकीलीक्स है :

राज ठाकरे को जनता का समर्थन नहीं मिलता तो गुंडे को आगे करती है यानि गुंडागर्दी ही उसका मकसद है जो आनेवाले मुंबई महानगर पालिका के चुनाव में हारने के डर से चुनाव के ऐन पहले करती है, मेरा विरोध ठाकरे की गुंडागर्दी से है और सहनशीलता की सीमाएं ख़त्म हो गई है।

पहले भी अपने बयानों को लेकर विवादों में रहे निशिकांत दुबे ने मराठा समुदाय के प्रति सम्मान प्रकट किया। उन्होंने कहा, मराठा समुदाय हमेशा से सम्माननीय रहा है और देश हम सबका है। जहां मैं सांसद हूं, वहां मराठा मधुलिमये लगातार तीन बार सांसद रहे हैं।

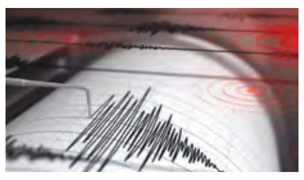

भूकंप के झटके से कांपी असम की धरती

गुवाहाटी, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के असम राज्य में भूकंप के झटके महसूस किए गए। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में मंगलवार सुबह 4.1 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने यह जानकारी दी। इससे किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, यह भूकंप मंगलवार सुबह 9:22 बजे पर आया, जिसकी गहराई 25 किलोमीटर थी। भूकंप का केंद्र 26.51 एन अक्षांश और 93.15 ई देशांतर पर स्थित था।

उत्तरकाशी में भूकंप आपदा कंट्रोल रूम ने की पुष्टि

उत्तरकाशी, 8 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड स्थित उत्तरकाशी में मंगलवार, 8 जुलाई को भूकंप आया। इसकी पुष्टि आपदा कंट्रोल रूम ने की। कंट्रोल रूम के अनुसार भूकंप का केंद्र, जमीन से पांच किलोमीटर नीचे थे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.2 मापी गई। भूकंप के दौरान कुछ देर तक झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने भी सोशल मीडिया साइट एक्स पर जानकारी दी कि उत्तरकाशी में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके आते ही लोग घरों से बाहर निकल आए।

ओडिशा में बिजली गिरने से दो भाइयों की मौत, एक घायल

भद्रक, 8 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के भद्रक जिले में खेत में काम कर रहे दो भाइयों की बिजली गिरने से मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान तिहिडी पुलिस सीमा के अंतर्गत चंदासाही गांव के मदन महाराणा (60) और हुरदानंद महाराणा (57) के रूप में हुई है।

हालांकि उन्हें तिहिडी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने दोनों भाइयों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, एक अलग घटना में चरिबतिया गांव के एक अन्य किसान गिरिधारी मोहालिका (64) बिजली गिरने से झुलस गए। पुलिस ने बताया कि उन्हें पहले तिहिडी सीएचसी में इलाज कराया गया, लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें भद्रक जिला मुख्यालय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

वृद्ध महिला से चेन छीनकर भागे आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शहडोल, 8 जुलाई (एजेंसियां)। शहडोल जिले के अमलाई थाना क्षेत्र में 80 वर्षीय वृद्धा के साथ चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने 5 जुलाई को बुजुर्ग महिला के घर पहुंचकर पानी मांगने के बहाने वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार, अमलाई निवासी पान कुंवर त्रिपाठी (उम्र 80 वर्ष) अपने घर में अकेली थीं। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति उनके दरवाजे पर आया और खुद को प्यासा बताते हुए पानी मांगा।

जब महिला पानी देने के लिए घर के अंदर गई और वापस लौटी, तभी आरोपी ने अचानक उनके गले से सोने की चेन छीन ली और मौके से भाग निकला। पीड़िता के पुत्र अशोक त्रिपाठी ने तत्काल अमलाई थाने में इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही थाना प्रभारी जेपी शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में सघन पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान संदेह के आधार पर लालचंद केवट नामक स्थानीय युवक को हिरासत में लिया गया।

‘बंगाल में एनआरसी लागू कर रही असम की बीजेपी सरकार

ममता बनर्जी का बड़ा आरोप, पूरे विपक्ष से एकजुट होने की अपील

कोलकाता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को असम में विदेशी न्यायाधिकरण की ओर से कूचबिहार के एक किसान को नोटिस जारी कर कथित अवैध प्रवासी घोषित करने के मामले में सरकार पर तीखा निशाना साधा है। इस कदम को “लोकतंत्र पर व्यवस्थित हमला” करार देते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीजेपी पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अवैध रूप से लागू करने की कोशिश कर रही है, जहां उसका कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। उन्होंने इस घटना को खतरनाक अतिक्रमण और हाशिए पर पड़े समुदायों पर टारगेट हमला बताया।

सीएम ममता ने ट्वीट करते हुए लिखा, ‘मैं यह जानकर स्तब्ध और बहुत परेशान हूं कि असम में विदेशी न्यायाधिकरण ने कूचबिहार के दिनहाटा में 50 साल से रह रहे राजबंशी उत्तम कुमार ब्रजबासी को एनआरसी नोटिस जारी किया है। वैध पहचान दस्तावेज देने करने के बावजूद उन्हें “विदेशी/अवैध प्रवासी” होने के संदेह में परेशान किया जा रहा है।’

उन्होंने कहा, ‘यह लोकतंत्र पर एक व्यवस्थित हमले से कम नहीं है। यह इस बात का सबूत है कि असम में सत्तारूढ़ बीजेपी सरकार बंगाल में एनआरसी लागू करने का प्रयास कर रही है, जहां उसके पास कोई शक्ति या अधिकार क्षेत्र नहीं है। हाशिए पर पड़े समुदायों को डराने, वंचित करने और निशाना बनाने का एक पूर्व-नियोजित प्रयास किया जा रहा है।

यह असंवैधानिक अतिक्रमण जनविरोधी है और लोकतांत्रिक सुरक्षा उपायों को ध्वस्त करने व बंगाल के लोगों की पहचान मिटाने के बीजेपी के खतरनाक एजेंडे को उजागर करता है।’ बंगाल सीएम ने कहा, ‘इस भयावह स्थिति में सभी विपक्षी दलों को बीजेपी की विभाजनकारी और दमनकारी मशीनरी के खिलाफ खड़े होने के लिए तत्काल एकता की आवश्यकता है। बंगाल चुपचाप नहीं बैठेगा क्योंकि भारत का संवैधानिक ताना-बाना बिखर रहा है।’

विवाद तब शुरू हुआ जब किसान उत्तम कुमार ब्रजबासी ने मीडिया से कहा कि वह खुद को संदिग्ध अवैध प्रवासी घोषित करने वाला नोटिस पाकर स्तब्ध रह गया, जबकि उसने कभी कूचबिहार से बाहर कदम नहीं रखा। उसके अनुसार, वह पांच दशकों से इस क्षेत्र में रह रहा है और उसके पास वैध भारतीय पहचान दस्तावेज हैं। जवाब में, राज्य बीजेपी ने दस्तावेजों में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए टीएमसी सरकार को दोषी ठहराया।

बीजेपी ने दावा किया कि बांग्लादेश से आए कई अवैध प्रवासियों ने बंगाल में जाली भारतीय पहचान पत्र हासिल किए हैं और उन्हें गलत तरीके से नागरिक के रूप में पेश किया जा रहा है।

पहले ‘जय गुजरात’, अब मुंबई को बताया पड़ोसी राज्य की राजधानी शिवसेना सांसद प्रताप जाधव को क्या हुआ?

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इस समय गुजरात को लेकर दिए गए एक नारे के चलते सुर्खियों में बने हुए हैं। उन्होंने एक कार्यक्रम में ‘जय गुजरात’ का नारा लगाया था। इसी के बाद से विपक्ष पर उन पर निशाना साध रहा है। इसी बीच अब उन्हीं की पार्टी के सांसद प्रताप जाधव ने मुंबई को गुजरात की पूर्व राजधानी बताया है। शिंदे गुट की शिवसेना के सांसद प्रताप जाधव ने मुंबई को पड़ोसी राज्य यानी गुजरात की राजधानी बताया है। इसी के बाद से विपक्षी पार्टी उन पर निशाना साध रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री जाधव रविवार को एकनाथ शिंदे को लेकर छिड़े मामले पर बात कर रहे थे।

इसी दौरान बात करते हुए उन्होंने कहा, ऐसे मुद्दों पर राजनीति करने की कोई जरूरत नहीं है। गुजरात हमारा पड़ोसी राज्य है। यह पाकिस्तान में नहीं है। इसी के साथ जाधव ने कहा, मुंबई संयुक्त महाराष्ट्र (आंदोलन) के दौरान गुजरात की राजधानी भी थी। सांसद जाधव के इस बयान पर शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने आपत्ति जताई। प्रियंका चतुर्वेदी ने निशाना साधते हुए कहा, यह आदमी केंद्र में राज्य मंत्री है। यह आदमी वो व्यक्ति है जिसने पनास खोखे (50 बक्से) के लिए अपनी ही पार्टी के नेतृत्व को धोखा दिया। यह आदमी महाराष्ट्र की जय गुजरात पार्टी का भी हिस्सा है। कोई आश्चर्य नहीं कि इस आदमी ने मतिभ्रम करना शुरू कर दिया है और अपने आकाओं को खुश करने के लिए इतिहास बनाना शुरू कर दिया है। शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा कि जाधव का बयान महाराष्ट्र के लिए नफरत दिखाता है।

फाइव स्टार होटल में बाउंसरों ने भाई-बहन को पीटा

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में एक फाइव स्टार होटल के हाई-प्रोफाइल नाइट क्लब में मारपीट की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। अशोका रोड पर स्थित शंग्रीला होटल के अंदर बने ‘प्रीवियस क्लब’ में एक युवक और उसकी कजिन बहन के साथ बाउंसरों ने कथित तौर पर मारपीट की। यह घटना 1 जुलाई की बताई जा रही है, जब दोनों पार्टी के लिए क्लब पहुंचे थे, लेकिन एक मामूली बात ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया और मामला हाथापाई तक पहुंच गया। 23 वर्षिय विजय मल्होत्रा ने दिल्ली पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि टॉयलेट को लेकर हुई मामूली बहस के बाद क्लब के 2 बाउंसरों ने उसे पीटना शुरू कर दिया। जब उसकी कजिन बहन शशि जग्गी ने उसे बचाने की कोशिश की, तो बाउंसरों ने उसे भी नहीं बख्शा

सूरत-जयपुर फ्लाइट पर मधुमक्खियों का हमला, एक घंटा देरी से उड़ा विमान

सूरत, 8 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत एअरपोर्ट पर बीते दिन एक अजीबोगरीब घटना देखने को मिली। सूरत से जयपुर जा रहा इंडिगो का एक विमान मधुमक्खियों की वजह से तय समय पर नहीं उड़ सका। विमान के ओपन लगेज डोर पर ढेर सारी मधुमक्खियों ने धावा बोल दिया, जिसके कारण विमान ने 1 घंटे की देरी से उड़ान भरी। सूरत से जयपुर जा रही इंडिगो की एअरबस फ्लाइट ए320 को सोमवार की शाम 4:20 बजे जयपुर के लिए उड़ान भरनी थी।

हालांकि, मधुमक्खियों की वजह से इसमें देरी हो गई और प्लेन ने 1 घंटे बाद 5:26 बजे सूरत एअरपोर्ट से टेकऑफ किया। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, सभी यात्री विमान में बैठ चुके थे और उनके लगेज भी रख दिए गए थे। तभी अचानक मधुमक्खियों का एक झुंड ओपन लगेज डोर पर जाकर बैठ गया। इस घटना के बाद एअरपोर्ट पर हड़कंप मच गया। सभी परेशान थे कि मधुमक्खियों से अब कैसे निपटा जाए? आखिर में मधुमक्खियों को भगाने के लिए धुएं की मदद ली गई, लेकिन यह कोशिश भी नाकाम साबित हुई। इसके बाद फायर विभाग भी अलर्ट हो गया। दमकल कर्मियों ने रनवे पर जाकर मधुमक्खियों पर पानी का छिड़काव किया, जिसके बाद मधुमक्खियां वहां से चली गईं। हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 1 घंटे का समय लग गया।

दिल्ली-यूपी में मानसून की हुई जोरदार एंट्री

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में आज बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। गरज-चमक और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे) भी चल सकती हैं। अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 27 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहने का अनुमान है। 9 और 10 जुलाई को भी हल्की बारिश और बादल छाए रहने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश में कैसा रहेगा मौसम?

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों जैसे- ललितपुर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, बिजनौर, रामपुर, पीलीभीत और मुरादाबाद में आज गरज-चमक के साथ भारी बारिश का पूर्वानुमान है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में भी भारी बारिश और वज्रपात की संभावना है। आगरा, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच, जालौन, झांसी और महोबा सहित अन्य जिलों के लिए बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

एमपी, छत्तीसगढ़ और बंगाल का मौसम

मध्य प्रदेश में 8 से 13 जुलाई तक भारी बारिश की संभावना है। वहीं, छत्तीसगढ़ में 8 से 10 जुलाई तक बारिश हो सकती है। पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में भी आज बारिश होने की संभावना है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 8, 9, 12 और 13 जुलाई को बारिश हो सकती है।

हिमाचल में 'येलो अलर्ट' जारी

हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई है और स्थानीय मौसम कार्यालय ने 10 जुलाई तक प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का 'येलो अलर्ट' जारी किया है।

उत्तर-पश्चिम भारत का वेदर

8 से 13 जुलाई के दौरान उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में बारिश की संभावना जताई गई है।

इन क्षेत्रों में गरज के साथ बारिश और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की भी संभावना है।

उत्तराखंड के नैनीताल, चंपावत, बागेश्वर और देहरादून में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

पूर्वोत्तर भारत में बारिश

8 से 13 जुलाई के बीच असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

तेज बारिश ने रोकी अमरनाथ यात्रा, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

जम्मू, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अचानक मौसम बदलने, तेज बारिश होने के कारण बालटाल मार्ग से यात्रा पर गए यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया है। यह अलर्ट भी जारी किया गया है कि बिना आधिकारिक आदेश के पवित्र गुफा की ओर जाने की कोशिश ना करें। मौसम में सुधार के बाद ही सुबह यात्रियों के जत्थे को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी।

बालटाल में लंगर लगाने वाले कैलाश शर्मा ने बताया कि शाम से ही मौसम बिगड़ना शुरू हो गया था। साढ़े छह बजे के आसपास बारिश शुरु हो गई थी। उन्हीं के टेंट में रुके अयोध्या से आए अशोक तिवारी व उनके ग्रुप ने बताया कि गाड़ियां आगे नहीं गईं, इसलिए हम लोगों को कई किमी तक पैदल चलना पड़ा। कैलाश शर्मा के मुताबिक, सभी रुक गए हैं, अब शासन का जैसा आदेश होगा, वैसा ही आगे करेंगे और उसी के बाद यात्रा पर रवाना होंगे।

नाबालिग लड़की का किया अपहरण, फिर ट्रेन में ले जाते समय किया दुष्कर्म

ठाणे, 8 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले से 16 वर्षीय एक किशोरी का अपहरण करने और उसे अकोला ले जाते समय ट्रेन में उससे दुष्कर्म करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। किशोरी डोंबिवली क्षेत्र के मनपाड़ा स्थित आदिवली की निवासी है। कल्याण स्थित राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पंधारी कांडे ने सोमवार को बताया कि 20 वर्षीय आरोपी 30 जून को किशोरी को ट्रेन से अकोला ले गया और रास्ते में उससे दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि अकोला में युवक के माता-पिता ने उसे और किशोरी को अपने घर के अंदर नहीं आने दिया, जिसके बाद वह उसे अकोला रेलवे स्टेशन पर छोड़कर घर लौट आया। अधिकारी ने बताया कि अकोला जीआरपी कर्मियों ने किशोरी को स्टेशन पर देखा और उससे पूछताछ की जिसके बाद उसने उन्हें अपराध के बारे में बताया।

अकोला में जीआरपी ने 'जीरो एफआईआर' दर्ज की और मामले को अपने समकक्षों को स्थानांतरित कर दिया। उन्होंने बताया कि जीआरपी (कल्याण) ने रविवार को युवक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 (दुष्कर्म), 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और 137 (अपहरण) तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम कराने के ट्रंप के दावे पर कांग्रेस का हमला, कहा- पीएम कब तोड़ेंगे चुप्पी

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने के दावे पर एक बार फिर कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा है। कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी कब तोड़ेंगे? सोमवार को ट्रंप ने 21वीं बार यह दावा किया कि मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को यह कहकर रोका था कि यदि वे लड़ाई जारी रखेंगे तो अमेरिका उनके साथ व्यापार नहीं करेगा। इस मुद्दे पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पिछले 59 दिनों में कम से कम 21वीं बार राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध को रोक दिया था। भारत और पाकिस्तान संघर्ष विराम पर इसलिए सहमत हुए क्योंकि उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार में प्रलोभन का इस्तेमाल किया था।

जयराम रमेश ने कहा कि दूसरे शब्दों में, ट्रंप का संदेश था कि युद्ध को तुरंत रोक दें या अमेरिकी बाजार (और संभवतः निवेश) खोने की वास्तविक संभावनाओं का सामना करें। ट्रंप ने यह सब उस वक्त कहा है, जब वह यह घोषणा कर रहे थे कि भारत और पाकिस्तान के साथ अमेरिका का व्यापार समझौता बहुत जल्द घोषित होने वाला है। कांग्रेस नेता ने कहा कि नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी कब तोड़ेंगे? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवारको एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लिया।

उन्होंने कहा कि हमने बहुत सी लड़ाइयां रोकी हैं, इनमें सबसे बड़ी लड़ाई भारत और पाकिस्तान के बीच थी। हमने व्यापार के मुद्दे पर इसे रोका है। हम भारत और पाकिस्तान के साथ काम कर रहे हैं। हमने कहा था कि अगर आप लड़ने वाले हैं तो हम आपके साथ बिल्कुल भी काम नहीं करेंगे। वे शायद परमाणु स्तर पर जाकर जंग लड़ना चाहते थे। इसे रोकना वाकई महत्वपूर्ण था। 10 मई के बाद से ट्रंप ने कई बार अपना दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को कम करने में मदद की है।

बेटी ने गुल्लक तोड़ी और पिता से कहा-और डालो पैसे, आपदा प्रभावितों की करनी है मदद

सुंदरनगर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। (मंडी)हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के थुनाग में त्रासदी के बाद बच्चे भी प्रभावितों की मदद कर रहे हैं। उपमंडल के कपाही गांव की छठी कक्षा की छात्रा मोक्षथिका भी राहत सामग्री लेकर रविवार को स्कूल स्टाफ के साथ थुनाग पहुंचीं।

मोक्षथिका ने बताया कि अखबारों में आपदा की खबरों को पढ़ने के बाद उसे भी मदद करने की इच्छा हुई। रविवार सुबह गुल्लक पापा को दिए। पापा से कहा कि कुछ पैसे आप और मम्मी भी डालो, हमें बाढ़ प्रभावितों की मदद करनी है। यह सुनते ही पिता कर्म सिंह स्तब्ध रह गए और आंखें भर आईं। प्रभावित परिवारों के तोड़ा और उसमें निकले 1660 रुपये लिए सामान की 100 किटें तैयार कीं।

पंजाब पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग की टारगेट किलिंग साजिश को किया नाकाम, हिमांशु सूद गिरफ्तार

चंडीगढ़, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर की टीम ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग की एक बड़ी साजिश को नाकाम करते हुए उसके एक अहम शूटर हिमांशु सूद को गिरफ्तार किया है।

आरोपी पंजाब के कपूरथला जिले के फगवाड़ा का रहने वाला है। डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी हिमांशु सूद दुबई में बैठे नामित शर्मा के निर्देशों पर काम कर रहा था। नामित शर्मा कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का करीबी सहयोगी है और फिलहाल दुबई में सक्रिय है। पुलिस के अनुसार, हाल ही में हिमांशु और उसके गिरोह के सदस्यों ने हरिद्वार में एक होटल व्यवसायी पर गोलियां चलाई थीं। यह हमला भी नामित शर्मा के निर्देश पर किया गया था। हिमांशु को दो और व्यक्तियों की हत्या के लिए टारगेट दिया गया था, एक मध्य प्रदेश में और दूसरा पंजाब के कपूरथला में। इससे पहले कि यह मॉड्यूल कोई बड़ी वारदात को अंजाम दे पाता, पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने मानव खुफिया और तकनीकी निगरानी के आधार पर इस टारगेट किलिंग साजिश का पर्दाफाश कर दिया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से दो पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

बरामदगी में एक .30 बोर की पीएक्स3 पिस्टल के साथ चार जिंदा कारतूस और एक .32 बोर की पिस्टल के साथ तीन जिंदा कारतूस शामिल हैं। इस मामले में थाना स्पेशल सेल (एसएसओसी) अमृतसर में एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

बिहारियों को वोट से वंचित करने की साजिश

संजय सिंह ने बीजेपी पर लगा दिए बड़े आरोप

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा की जा रही विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया ने राजनीतिक गर्मी बढ़ा दी है। इस प्रक्रिया को लेकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बयान देते हुए बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने इसे तानाशाही करार देते हुए कहा कि यह नागरिकता पर सवाल उठाने जैसी प्रक्रिया है। एएनआई को दिए बयान में संजय सिंह ने कहा, “एक मतदाता बनने के लिए जो आवश्यक प्रमाण होते हैं, उन्हें नहीं मानकर एक तुगलकी फरमान जारी किया गया है। यह बिल्कुल ठीक नहीं है।

”संजय सिंह ने विशेष रूप से बिहार से बाहर रहने वाले लोगों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बीजेपी की गहरी साजिश है ताकि प्रवासी बिहारी वोट न दे सकें। उन्होंने कहा, “बीजेपी को पता है कि जहां उनकी सरकार है, वहां

बिहारी लोगों के साथ व्यवहार ठीक नहीं रहा है। जैसे दिल्ली में पूर्वांचल के लोगों के घर तोड़े गए। अब यदि वे वोट देंगे तो भाजपा के खिलाफ देंगे। इसलिए ऐसे लोगों को मतदान से वंचित करने की कोशिश की जा रही है।” चुनाव आयोग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, यह पुनरीक्षण अभियान मुख्य रूप से दोहराए गए या फर्जी मतदाताओं को हटाने के लिए किया जा रहा है, खासकर वे जो एक ही समय पर दो पते स्थायी और वर्तमान पर दर्ज हैं। आयोग का कहना है कि केवल वे नागरिक जो वर्तमान में किसी क्षेत्र में रह रहे हैं, उन्हें ही उस क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल किया जाना चाहिए।

रेलवे क्रॉसिंग पार कर रही स्कूल वैन को ट्रेन ने मारी टक्कर, तीन बच्चों की मौत

कुड्डालोर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कुड्डालोर में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। चेम्मनकुप्पम के पास एक मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग पार कर रही स्कूल वैन को ट्रेन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद वैन करीब 50 मीटर तक घसीटती गई। वैन में सवार बच्चों में चीख पुकार मच गई। हादसे में तीन बच्चों की मौत हो गई। जबकि स्कूल वैन चालक समेत 10 लोग घायल हो गए। चेम्मनकुप्पम के पास एक स्कूल वैन रेलवे पटरी पार करने का प्रयास कर रही थी।

इस दौरान चिदंबरम जा रही एक यात्री रेलगाड़ी वैन से टकरा गई। लोगों ने बताया कि दुर्घटना के समय वैन में स्कूली बच्चे और ड्राइवर सवार थे। ट्रेन की टक्कर लगते ही मौके पर चीख पुकार मचने लगी। टक्कर की आवाज सुनकर लोग घटनास्थल पर पहुंचे और बच्चों को बचाने की कोशिश की। हादसे में तीन बच्चों की मौत हो गई। उनकी पहचान की जा रही है।

लेडी टीआई ने थाने में फिल्मी गाने पर बनाई रील

डीआईजी का पुलिसकर्मियों के लिए आदेश, ऐसा किया तो कार्रवाई होगी

रीवा, 8 जुलाई (एजेंसियां)। रीवा रेंज के डीआईजी राजेश सिंह ने पुलिसकर्मियों के रील बनाने पर सख्ती दिखाई है। उन्होंने संभाग के 6 जिलों रीवा, सीधी, सतना, मैहर, सिंगरौली और मऊगंज में पदस्थ पुलिसकर्मियों को ऐसा नहीं करने की हिदायत दी है। दरअसल, हाल ही में कई पुलिसकर्मियों ने रील बनाकर उन्हें सोशल मीडिया पर अपलोड किया। जिस पर लोगों ने कई तरह के कमेंट्स किए है। जिसकी वजह से पुलिस विभाग की किरकिरी हुई है। जिसके बाद सोमवार को डीआईजी ने अपने अधीनस्थ सभी पुलिसकर्मियों को रील नहीं बनाने को कहा है।

साथ ही विभागीय कार्यों के अतिरिक्त अन्य कोई भी ऐसी पोस्ट सोशल मीडिया पर नहीं प्रेषित करने को कहा है, जिससे पुलिस विभाग की गरिमा को क्षति पहुंचे। डीआईजी ने अपने आदेश में लिखा कि प्रायः देखा जा रहा है कि बहुत से पुलिसकर्मी वर्दी में अथवा सिविल में अपनी रील बनाकर सोशल मीडिया में वायरल/अपलोड करते हैं। पुलिस जैसे अनुशासित विभाग में रहकर किसी भी पुलिसकर्मी द्वारा ऐसा किया जाना अनुशासन के सर्वथा विपरीत होकर उसकी पद और गरिमा के भी प्रतिकूल है। इससे आज जनता के मध्य पुलिस की छवि पर भी अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यदि भविष्य में इस किस्म की कोई भी पोस्ट सोशल मीडिया पर प्रकाशित होती है तो संबंधित के खिलाफ कठोर विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लाई जाए अथवा कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन इस कार्यालय को भेजें।

जिसके लिए वह अधिकारी या कर्मचारी स्वयं जिम्मेदार होगा। जिसके बाद सभी वीडियो बैक टू बैक जमकर वायरल हो गए और पुलिस विभाग की जमकर किरकरी हो गई। इस पर इन्हें एसपी विवेक सिंह ने नोटिस जारी किया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: पेन में जिस रंग की स्याही होगी लिखावट भी उसी रंग की होगी ठीक उसी तरह इंसान के मन में जैसे विचार होंगे उसके कर्म

तेलंगाना को समय पर यूरिया जारी करने का आग्रह

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री नड्डा से मुलाकात की

नई दिल्ली, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय उर्वरक एवं रसायन मंत्री जेपी नड्डा से अनुरोध किया है कि वे खेती के मौसम में कृषि जरूरतों को पूरा करने के लिए तेलंगाना राज्य को आवंटित यूरिया की आपूर्ति समय पर करें। मुख्यमंत्री ने आज दिल्ली में जेपी नड्डा के आधिकारिक आवास पर उनसे मुलाकात की।

बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के ध्यान में लाया कि अप्रैल से जून के बीच केवल 3.07 लाख मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति की गई थी, जबकि खरीफ सीजन में 5 लाख मीट्रिक टन की आवश्यकता थी। राज्य में कृषि गतिविधि जोरों पर होने और परियोजनाओं को प्रचुर मात्रा में प्राप्त होने के मद्देनजर, मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री से यूरिया की आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं होने देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के ध्यान में लाया कि जुलाई माह के लिए राज्य को 63,000 मीट्रिक टन घरेलू उत्पादित यूरिया तथा 97,000 मीट्रिक टन आयातित यूरिया की आपूर्ति की जानी थी। लेकिन, केंद्र ने अभी तक केवल 29,000 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति की है।

मुख्यमंत्री ने नड्डा से तेलंगाना के लिए घरेलू उत्पादित यूरिया का कोटा बढ़ाने तथा अधिक रैक की मांग पर विचार करने में रेलवे की अनिच्छा के मद्देनजर यूरिया आपूर्ति के लिए रैक की संख्या बढ़ाने का भी अनुरोध किया। राज्य सरकार के खेल सलाहकार एपी जितेन्द्र रेड्डी, सांसद डॉ. मल्लू रवि तथा चामला किरण कुमार रेड्डी, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अजित रेड्डी, राज्य कृषि सचिव रघुनंदन राव, केंद्रीय योजना समन्वय सचिव डॉ. गौरव उप्पल तथा अन्य भी मौजूद हैं।

सीएम ने पीयूष गोयल से जहीराबाद औद्योगिक स्मार्ट सिटी के विकास में सहयोग देने की अपील की

नई दिल्ली, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से जहीराबाद औद्योगिक स्मार्ट सिटी के विकास के लिए केंद्रीय सहयोग देने का अनुरोध किया है। मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने पीयूष गोयल से जहीराबाद औद्योगिक स्मार्ट सिटी के विकास के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट (एनआईसीडीआईटी) द्वारा स्वीकृत 596.61 करोड़ रुपये तत्काल जारी करने की अपील की। सीएम ने पीयूष गोयल से स्मार्ट सिटी के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे, मुख्य रूप से जल आपूर्ति, बिजली आपूर्ति नेटवर्क और अन्य सुविधाओं के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को हैदराबाद-वारंगल कॉरिडोर के महत्व के बारे में जानकारी दी और वारंगल हवाई अड्डे के लिए धनराशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया ताकि काम तेजी से पूरा हो सके। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री के ध्यान में लाया कि हैदराबाद-विजयवाड़ा औद्योगिक कॉरिडोर का व्यवहार्यता अध्ययन प्रगति पर है। चूंकि राज्य सरकार ने पहले ही आदिबतला में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक समर्पित रक्षा और एयरोस्पेस पार्क स्थापित किया है, इसलिए मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से हैदराबाद-बैंगलोर औद्योगिक कॉरिडोर को एयरो-डिफेंस कॉरिडोर के रूप में स्वीकृत करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए राज्य सरकार के प्रस्ताव से अवगत कराया जो निवेश के लिए तैयार हैं और नई औद्योगिक विकास परियोजना की मंजूरी के लिए केंद्र की मदद मांगी। बैठक में राज्य सरकार के सलाहकार (खेल) एपी जितेन्द्र रेड्डी, सांसद डॉ. मल्लू रवि, चमाला किरण कुमार रेड्डी, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अजीत रेड्डी, केंद्रीय योजनाओं के समन्वय सचिव डॉ. गौरव उप्पल और अन्य ने भाग लिया।

टीजीएमसी ने कई प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मेडिकल काउंसिल (टीजीएमसी) ने मंगलवार को हैदराबाद के बाहरी इलाके में स्थित शाबाद में कई प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों का निरीक्षण किया और पाया कि उनका संचालन अयोग्य व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा था। निरीक्षण दलों ने छह प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों का पता लगाया, जिनमें से अधिकांश एक कमरे वाले प्रतिष्ठान थे, जो अयोग्य चिकित्सकों द्वारा चलाए जा रहे थे तथा जिन्हें 'क्लिनिक' या 'प्राथमिक चिकित्सा' केन्द्र नाम दिया गया था। टीजीएमसी के अध्यक्ष डॉ. के महेश कुमार और उपाध्यक्ष डॉ. जी श्रीनिवास ने कहा कि एमबीबीएस योग्यता न होने के बावजूद, झोलाछाप डॉक्टर अवैध रूप से मरीजों को स्टेरॉयड इंजेक्शन, दर्दनाशक और एंटीबायोटिक दवाएं लिख रहे हैं और कुछ मामलों में उन्हें दे भी रहे हैं, जिससे उनका जीवन खतरे में पड़ रहा है।

डॉ. श्रीनिवास ने कहा, हम एनएमसी 34, 54 अधिनियम और टीएसएमपीआर अधिनियम 22, बीएनएस धारा 318 और 319 के अनुसार स्थानीय पुलिस स्टेशनों में छह व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज करेंगे। शाबाद में झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा संचालित सुविधाओं में लिंगाचारी द्वारा ओम साईं प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, मुस्तफा द्वारा मुस्तफा क्लिनिक, वेंकटेश द्वारा मास्टर क्लिनिक, अंजय्या द्वारा श्री साईं क्लिनिक, बलराज द्वारा श्रवण प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और एमडी गौस अमजद द्वारा ज़मज़म क्लिनिक शामिल थे। इन केंद्रों को स्थानीय जिला स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा कुछ ही घंटों में बंद कर दिया गया।

केटीआर ने की किसानों के मुद्दों पर बहस से पीछे हटने के लिए रेवंत रेड्डी की आलोचना

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर निशाना साधा और उन पर जवाबदेही से बचने और किसानों के कल्याण तथा कांग्रेस सरकार के अधूरे वादों पर खुली बहस से पीछे हटने का आरोप लगाया। कहीं भी, कभी भी बहस के लिए अपनी तत्परता दोहराते हुए रामाराव ने कहा कि बीआरएस विधानसभा के पटल पर सत्तारूढ़ पार्टी के साथ बहस करने के लिए भी तैयार है, बशर्ते बीआरएस विधायकों को बिना किसी रुकावट या माइक डिस्कनेक्ट के बोलने की अनुमति दी जाए। रामाराव (जिन्होंने मुख्यमंत्री की चुनौती स्वीकार कर ली थी) अन्य बीआरएस नेताओं के साथ मंगलवार सुबह 11 बजे हैदराबाद प्रेस क्लब पहुंचे।

कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने याद दिलाया कि यह रेवंत रेड्डी ही थे जिन्होंने सबसे पहले बीआरएस को सार्वजनिक बहस के लिए चुनौती दी थी। उन्होंने कहा, हमने चुनौती स्वीकार की, जबकि हम जानते थे कि रेवंत रेड्डी पीछे हट जाएंगे। कम से कम हमें उम्मीद थी कि उनका कोई मंत्री आएगा। लेकिन कांग्रेस के एक भी नेता ने आने की हिम्मत नहीं दिखाई। उन्होंने एक बार फिर जोर देकर कहा कि अगर विपक्ष की आवाजें दबाई नहीं गईं तो वह विधानसभा समेत कहीं भी, कभी भी चर्चा के लिए तैयार हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से बहस के लिए नई तारीख और स्थान तय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, अगर वह बहस नहीं कर सकते तो उन्हें तेलंगाना के लोगों और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने दोहराया कि बीआरएस तथ्य-आधारित बहस के लिए तैयार है, चाहे वह विधानसभा में हो, सार्वजनिक रूप से हो या मीडिया के सामने। उन्होंने कहा, रेवंत रेड्डी को तारीख और स्थान तय करने दीजिए। मैं वहां मौजूद रहूंगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर का सामना करने के भी लायक नहीं हैं। कोई भी बीआरएस नेता खुली बहस में उनका मुकाबला करने के लिए पर्याप्त है। कांग्रेस शासन को दिशाहीन और भ्रामक करार देते हुए रामा राव ने रेवंत रेड्डी पर किसानों को धोखा देने और कृषि ऋण माफी से लेकर रैतु भरोसा के कार्यान्वयन तक हर बड़े चुनावी वादे को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, रेवंत रेड्डी ने अपनी छह गारंटियों या 420 चुनावी वादों में से एक भी लागू नहीं किया है। उन्होंने कृषि ऋण माफ़ करने, बीआरएस से बेहतर तरीके से रैतु भरोसा लागू करने और फसल बीमा प्रदान करने का आश्वासन दिया था। लेकिन वे सभी मामलों में विफल रहे। अपने दावों के समर्थन में आंकड़े पेश करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासन में 600 किसान आत्महत्या कर चुके हैं और हजारों लोग अभी भी रैतु भरोसा या ऋण माफी के लाभ का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास रेवंत रेड्डी के कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र के 670 किसानों के नाम और फोन नंबर हैं, जिन्हें रैतु भरोसा के लाभ से वंचित रखा गया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को नदी घाटियों के बारे में बुनियादी जानकारी भी नहीं है और वे नाटकबाजी और खोखली चुनौतियों में माहिर हैं, लेकिन तथ्यों से भाग रहे हैं। रामाराव ने यह भी कहा कि रेवंत रेड्डी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू के लिए एक गुप्त एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं और तेलंगाना के हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Nirmla Devi, W/o,JC 769246W, Sub Atma Ram,R/o, Shimla Dist, Himachal Pradesh, changed my name from Nirmla Devi to Nirmala Devi vide Affidavit dt 08.07.2025.

I, Shahida Begum, W/o, No.14677141H, NK, Rahamothulla Mogal, R/o, Prakasam Dist, A P, changed my name from Shahida Begum to Mogal Shahida Begum vide Affidavit dt 08.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

I, No 17014967M, HMT, Dinesh Kumar T, R/o, Virudhunagar Dist, Tamil Nadu, changed my Father's name from Thananjeyan to Thananjeyan M vide Affidavit dt 08.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

I, MAHALAXMI , M/O: NB SUB/LA R B REDDY , R/O. GALIZERUGULLA, BESTHAWARIPETA, GIDDALUR, PRAKASAM, ANDHRA PRADESH - 523346 have changed my name from MAHALAXMI to BASIREDDY MAHALAKSHAMMA and my DOB is: 01-01-1963 vide Affidavit dt. 07-07-2025 AT Hyderabad

I, NARAYANA , F/O: NB SUB/LA R B REDDY , R/O. GALIZERUGULLA, BESTHAWARIPETA, GIDDALUR, PRAKASAM, ANDHRA PRADESH - 523346 have changed my name from NARAYANA to BASIREDDY NARAYANA and my DOB is: 01-01-1957 vide Affidavit dt.07-07-2025 AT Hyderabad

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

लेवल क्रॉसिंग पर सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करें : संदीप माथुर

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संदीप माथुर ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सभी लेवल क्रॉसिंग गेटों पर मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने और ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने की सलाह दी। मंगलवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। संदीप माथुर ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि ट्रेन संचालन में सख्त समन्वय बनाए रखा जाना चाहिए और ट्रेनों को चलाते समय सभी सुरक्षा सावधानियों का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को जोन के सभी लेवल क्रॉसिंग गेटों पर नियमित निरीक्षण करने तथा सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने के लिए कर्मचारियों को परामर्श देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नॉन इंटरलॉकिंग लेवल क्रॉसिंग गेट (एलसी) दुर्घटनाओं के लिए बहुत संवेदनशील क्षेत्र हैं, जोन के कमजोर क्रॉसिंग गेटों की पहचान करें तथा ट्रेनों के सुरक्षित संचालन और सड़क यातायात की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण तेज करें।

लोडिंग विषय पर चर्चा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को असमान लोडिंग से बचने के लिए सभी संबंधितों को सचेत करने का निर्देश दिया, जिससे अप्रिय घटनाएं हो सकती हैं। उन्होंने अधिकारियों को लोडिंग के दौरान लोडिंग पैटर्न के संबंध में दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। छोटी घटनाओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि घटना के कारणों का उचित विश्लेषण किया जाना चाहिए तथा ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के लिए प्रणाली को सही किया जाना चाहिए।

महाप्रबंधक ने हाल ही में मवेशियों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाओं पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को जोन के सभी कमजोर क्षेत्रों की पहचान करने तथा ट्रैक के साथ-साथ फेंसिंग कार्यों के शीघ्र निर्माण के लिए कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को आरपीएफ कर्मचारियों को शामिल करके मवेशियों के खतरे के बारे में ग्रामीणों को शिक्षित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने डीआरएम को सलाह दी कि वे कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों को ट्रैक के पास और स्टेशन पर काम करते समय उचित सुरक्षा बैरिकेड्स सुनिश्चित करने का निर्देश दें ताकि उच्च सुरक्षा मानकों का पालन किया जा सके। उन्होंने जोन के फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) से संबंधित सुरक्षा मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को एफओबी का नियमित सुरक्षा निरीक्षण करने और किसी भी तरह की खामी पाए जाने पर तुरंत सुधार करने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने अग्नि सुरक्षा उपायों, ट्रैक सुरक्षा, विद्युत और सिग्नलिंग वस्तुओं आदि की समीक्षा की और कोहरे सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता पर भी चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा उपकरणों का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

हाइड्रा ने हैदरनगर में हटाया अतिक्रमण

1,094 वर्ग गज भूमि पर किया कब्जा

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) ने मंगलवार को राजेंद्रनगर मंडल के हैदरनगर में अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया और सार्वजनिक उपयोग के लिए निर्धारित 1,094 वर्ग गज भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया।

2001 में, एजी ऑफिस को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी ने हैदरनगर में नालंदा नगर कॉलोनी नाम से एक लेआउट विकसित किया था, जिसे उस समय हुडा द्वारा अनुमोदित किया गया था। हालांकि, हाइड्रा अधिकारियों के अनुसार, भूमि के विक्रेताओं ने कथित तौर पर आसन्न 1,004 वर्ग गज को अपनी संपत्ति का हिस्सा बताया और उस पर अतिक्रमण कर लिया। नालंदा नगर कॉलोनी के प्रतिनिधियों ने हाइड्रा के पास शिकायत दर्ज कराई कि सार्वजनिक सुविधाओं के लिए निर्धारित भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। जांच के बाद हाइड्रा ने पाया कि 1,094 वर्ग गज भूमि नालंदा नगर की है।

मंगलवार को हाइड्रा के अधिकारियों ने साइट पर लगाए गए बाड़ और अस्थायी शेड को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण करने वालों ने विरोध करने की कोशिश की और विरोध जताया। राजेंद्रनगर पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रण में किया।

हाइड्रा द्वारा बतुकम्मा कुंटा झील के पुनरुद्धार को व्यापक प्रशंसा मिली

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बतुकम्मा कुंटा चेरुवु, एक ऐतिहासिक 5 एकड़ की झील जो लंबे समय से उपेक्षित थी, कमिश्नर रंगनाथ, आईपीएस के गतिशील नेतृत्व में हाइड्रा (हैदराबाद जिला नदी दत्तक ग्रहण और जागरूकता) के प्रयासों से एक आश्चर्यजनक परिवर्तन से गुजर रही है। इस साल फरवरी में हाइड्रा द्वारा पुनरुद्धार कार्य शुरू करने से पहले, झील जीर्ण-शीर्ण स्थिति में थी, प्रदूषण और अतिक्रमण से ग्रसित थी। हालांकि, 7 जुलाई को ली गई हवाई तस्वीरों में अब एक बहुत ही बेहतर और स्वच्छ जल निकाय दिखाई दे रहा है, जिसमें पुनरुद्धार कार्य पूरे जोरों पर चल रहा है। लगभग 7-8 करोड़ की लागत वाली इस परियोजना को इस साल सितंबर तक झील को पूरी तरह से बहाल करने के उद्देश्य से क्रियान्वित किया जा रहा है। पुनरुद्धार का पैमाना न केवल झील के आकार को दर्शाता है, बल्कि हैदराबाद के प्राकृतिक जल निकायों को बहाल करने के पीछे की महत्वाकांक्षा को भी दर्शाता है। स्थानीय लोगों ने इस पहल की बहुत सराहना की है, उन्होंने हाइड्रा के विजन और त्वरित क्रियान्वयन की सराहना की है। यह परियोजना सतत शहरी विकास और झील पुनरुद्धार के लिए एक मॉडल के रूप में खड़ी है। इस असाधारण विकास का सारा श्रेय हाइड्रा और कमिश्नर रंगनाथ को जाता है, जिनकी स्पष्ट और दूरदर्शी विचारधारा ने बतुकम्मा कुंटा में नई जान फूंक दी है। शहर की पारिस्थितिक विरासत को संरक्षित करने में तेलंगाना सरकार के सहयोग की भी व्यापक रूप से सराहना की गई है। कायाकल्प का यह प्रयास न केवल एक सांस्कृतिक स्थल को पुनर्जीवित करता है, बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता के लिए शहर की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है।

वेम नरेंद्र के कार में आग लगने से बाल-बाल बचे

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के सलाहकार और पूर्व विधायक वेम नरेंद्र रेड्डी उस समय गंभीर दुर्घटना का शिकार होते-होते बचे, जब उनकी कार में अचानक आग लग गई। मंगलवार को महबूबाबाद जिले के दौरे के दौरान वेम नरेंद्र रेड्डी सामा तांडा में इनोवा क्रिस्टा कार में हेलीपैड की ओर जा रहे थे, तभी आग लग गई। सौभाग्य से, सतर्क सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें सुरक्षित रूप से वाहन से बाहर निकाल लिया।

घटना के बाद, लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित किया, जो आग बुझाने के लिए तुरंत पहुंची। परिणामस्वरूप, लोगों ने राहत और खुशी व्यक्त की कि वेम नरेंद्र रेड्डी इस स्थिति से सुरक्षित बाहर निकल आए ।

दो पत्नियों ने मिलकर पति को उतारा मौत के घाट

जनगांव, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जनगांव जिले के लिंगाला घनपुर मंडल के पित्तलोनी गुडेम गांव में सोमवार देर रात एक व्यक्ति की उसकी दो पत्नियों ने कथित तौर पर हत्या कर दी। यह घटना पहले हुई एक हत्या के विवाद के बाद घटी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान कनकैया के रूप में हुई है। उसकी शादी पहले पित्तलोनी गुडेम की गौरम्मा नामक महिला से हुई थी। बाद में उसने चुक्कम्मा उर्फ सिरीशा नामक दूसरी महिला से शादी कर ली और दोनों पत्नियों के साथ उसी गांव में रह रहा था।

करीब दो महीने पहले कनकैया पर नलगोंडा जिले में सिरिशा की मां की हत्या का आरोप लगा था और तब से वह फरार था। उसकी अनुपस्थिति में दोनों पत्नियां पिट्टालोनी गुडेम में ही रहती थीं। सोमवार की रात को कनकैया कथित तौर पर गांव लौटा, जिसके बाद उसके और उसकी दो पत्नियों के बीच कथित हत्या को लेकर बहस शुरू हो गई। बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर दोनों महिलाओं ने कनकैया को पत्थरों और कुल्हाड़ी से मार डाला। कथित तौर पर उन्होंने उसके शव को गांव के बाहर फेंक दिया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची और गौरम्मा और सिरीशा दोनों को हिरासत में ले लिया। शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल मामले की जांच चल रही है।

कोर्ट नोटिस

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर।

प्रेस विज्ञप्ति

पत्रांक- 84 दिनांक- 27/05/25

सूचित करना है कि जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर में शिकायतवाद संख्या 20/22 के विचारण के क्रम में प्रतिवादी (1). M/s Agarwal Packers & Movers (DRS Group) 220, 61 M.G. Road, Kabra complex, Secunderabad Hydrabad, Telangana 500003 (2). A.K. Agarwal, Director M/s. Agarwal Packers & Movers (DRS Group) - 220, 61 M.G Road, Kabra complex, Secunderabad Hydrabad, Telangana 500003 (3) Ravi Kumar Claim Settlement officer, M/s. Agarwal Packers & Movers (DRS Group) 220, 61 M.G Road, Kabra complex, Secunderabad hydrabad, Telangana 500003 को निबंधित पोस्ट के माध्यम से भेजी हुई नोटिस का तामिला वापस आने के कारण इस वाद के कारवाई में कठिनाई हो रही है। ऐसी स्थिति में प्रतिवादी को समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि वे विचारण की तिथि 10/07/2025 को 10:30 बजे आयोग में सदेह उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा उपभोक्ता अधिनियम-2019 के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत वाद की सुनवाई एकतरफा की जायेगी।

अध्यक्ष / सदस्य
जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर।

IN THE COURT OF THE HON'BLE XI JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT AT : HYDERABAD
I.A.No. 530 OF 2024 IN O.S. No. 754 OF 2022

BETWEEN:
Shiv Deep Singh. ...Petitioner / Plaintiff
AND
Kalawathi and others ...Respondents / Defendants

To,
1. Kalawathi, W/o. Late Papalal Singh, aged about 71 years, Occ: House Wife, R/o.H.No. 12-1-322, Baitak, Old Mallepally Road Asifnagar, Hyderabad-01.
2. Smt. Devi, W/o. Late Rajendar Singh Aged about 61 years, Occ: House Wife R/o.H.No. 12-1-322, Baitak, Old Mallepally Road Asifnagar, Hyderabad-01.
3. Vinay Singh, S/o Late Rajendar Singh, Aged about 45 years, Occ: Business R/o.H.No. 12-1-322, Baitak, Old Mallepally Road Asifnagar, Hyderabad-01.
4. Smt. Shoba Bai, W/o Late Raj Kumar Singh, Aged about 65 years, Occ: House Wife R/o.H.No. 12-1-322, Baitak, Old Mallepally Road Asifnagar, Hyderabad-01.
5. Vishal Singh, S/o Late Raj Kumar Singh, Aged about 45 years, Occ: Business R/o.H.No. 12-1-322, Baitak, Old Mallepally Road Asifnagar, Hyderabad-01.
6. Prem Singh, S/o Late. Raj Kumar Singh, Aged about 38 years, Occ: Business R/o.H.No. 12-1-322, Baitak, Old Mallepally Road Asifnagar, Hyderabad-01.
7. Arman Singh, S/o Late. Vikram Singh, Aged about Minor years, Occ: Student R/o.H.No. 12-1-322, Baitak, Old Mallepally Road Asifnagar, Hyderabad-01.
8. Rudhra Singh, S/o Late. Vikram Singh, Aged about Minor years, Occ: Student R/o.H.No. 12-1-322, Baitak, Old Mallepally Road Asifnagar, Hyderabad-01.
9. Beena Bai, W/o Late. Vikram Singh, Aged about 40 years, Occ: House Wife R/o.H.No. 12-1-322, Baitak, Old Mallepally Road Asifnagar, Hyderabad-01.
...Respondents / Defendants

Please take notice that the above Petitioners/Plaintiffs have filed the above I.A.NO.530 OF 2024, before the Hon'ble Court and the above I.A. was to 17-07-2025, at 10:30 am for your appearance. You are hereby required to attend the court on the said date either in person or through Advocate failing which matter will be heard Ex-Parte.

(By order of the Hon'ble Court)

B. DHANANJAYA, VINOD KUMAR MAROODI, SATEESH JOLAM - ADVOCATES,
Off:- 3-5-1090/A/8, LAXMI COLONY, NARAYANAGUDA, HYDERABAD-500029. PH: 9848662339

गोपाल खेमका हत्याकांड के दूसरे आरोपी का एनकाउंटर

जवाबी फायरिंग में पुलिस ने मार गिराया

पटना, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के बड़े उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या के दूसरे आरोपी को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया है।

पुलिस उससे पूछताछ करने गई थी लेकिन वह पुलिसकर्मियों पर ही गोलीबारी करने लगा। जवाबी फायरिंग के दौरान पुलिस की गोली उसे लगी। जिससे उसकी मौत हो गई है। घटना के बाद पटना में हड़कंप मच गया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त उमेश के साथ विकास भी मौजूद था। सूत्रों की मानें तो पटना पुलिस ने प्रयुक्त दो पहिया वाहन, हथियार और सुपारी के रूप में दिए गये लगभग तीन लाख रुपये भी बरामद किए हैं।

शूटर विजय की गिरफ्तारी के बाद मिली थी लीड

सोमवार देर शाम को पटना पुलिस ने छापेमारी कर गोपाल खेमका हत्याकांड के शूटर उमेश कुमार उर्फ विजय सहनी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। उमेश कुमार उर्फ विजय सहनी पटना सिटी के माल सलामी का रहने वाला है।

इस पर गोपाल खेमका की हत्या का आरोप है। इससे ही पूछताछ के आधार पर पटना पुलिस को बड़ी लीड मिली। इसके बाद विकास के ठिकाने पटना पुलिस की टीम छापेमारी करने के लिए पहुंची।

पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ करना चाहती थी। लेकिन, पुलिस टीम को देखते ही विकास ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की।

नालंदा के अशोक साव पर हत्या की सुपारी देने का आरोप

इधर, शूटर विजय से पूछताछ के बाद पता चला कि हत्या की सुपारी देने वाला व्यक्ति नालंदा का रहने वाला अशोक साव है जो अभी पुलिस की चंगुल से फरार है। पुलिस टीम उसे गिरफ्तार करने के लिए उसके कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। फिलहाल पुलिस उमेश कुमार उर्फ विजय सहनी से पूछताछ कर रही है। बता दें कि चार जुलाई की देर रात जब उद्योगपति बांकीपुर क्लब से अपनी कार से घर लौट रहे थे, तभी गांधी मैदान इलाके के रामगुलाम चौक स्थित उनके घर के सामने ही अपराधी ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी।

इस घटना के बाद पटना पुलिस की काफी किरकिरी हुई थी। विपक्ष ने भी नीतीश कुमार की सरकार को मैन भर कोसा और जमकर जमला किया था। इस घटना से बिहार सरकार की भी काफी किरकिरी हो रही थी।

विकास पर शूटर को हथियार मुहैया कराने का आरोप

पटना पुलिस के अनुसार, सोमवार की मध्य रात्रि की ढाई बजे विशेष टीम दमड़िया घाट पहुंची थी। पुलिस को देखते ही वह गोलीबारी कर भागने लगा। इसके बाद पुलिस ने भी गोली चलाई।

इसमें उसकी मौत हो गई। हालांकि इस घटना में कोई भी पुलिसकर्मी घायल नहीं हुए। पुलिस का कहना है कि 29 साल के विकास उर्फ राजा कई अन्य आपराधिक मामले दर्ज है। पुलिस को काफी दिनों से इसकी तलाश थी। घटनास्थल से एक पिस्टल औ कारतूस कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस को शक है कि विकास ने ही गोपाल खेमका की हत्या के लिए हथियार मुहैया कराया था।

आलीशान कोठी पर गरजा बुलडोजर, सीएम बोले सभी अपराधियों की संपत्तियां होंगी जब्त

बलरामपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के बलरामपुर में धर्मांतरण व राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर की मधुपुर स्थित आलीशान कोठी पर मंगलवार को बुलडोजर गरजा। सुबह 10.30 बजे प्रशासनिक टीम ने इसे गिराने की कार्रवाई की शुरू की। इससे पहले सुबह 9.00 बजे भारी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी छांगुर के आवास पहुंचे। प्रक्रिया पूरी करने के बाद करीब 10 बजे दो बुलडोजर बुलाए गए। लेकिन, मकान का गेट नहीं खुला। पुलिस ने गेट काटने के लिए गैस कटर मंगाया। इसके बाद गेट का लाक काटकर टीम और बुलडोजर घर के अंदर पहुंचे।

घर में रह रहे लोगों को बाहर निकल जाने के निर्देश सीओ उतरौला राघवेंद्र सिंह ने घर का निरीक्षण किया। बायें तरफ से निर्माण ढहाने की कार्रवाई शुरू की गई। गेट के दायें तरफ बने दो मंजिला इमारत में कुछ लोग रह रहे थे। उन्हें घर से बाहर निकलने को कहा गया है। बुलडोजर कार्रवाई शुरू होने से मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। देखने वालों का तांता लगा रहा। इससे पहले सोमवार शाम करीब 6:30 बजे तक छांगुर की कोठी पर पुलिस बल के साथ पहुंची प्रशासन की टीम ने गेट पर बेदखली का नोटिस चस्पा किया। प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह ने बताया कि बेदखली के नोटिस के बाद मधपुर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। तहसीलदार ने बताया कि सात दिनों में अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो प्रशासन अपने स्तर से अतिक्रमण को गिरवाएगा। प्रशासन की कार्रवाई के बाद छांगुर की आलीशन कोठी में रह रहे लोगों ने आक्रोश जताया। छांगुर की बहू साबिरा पहली बार बाहर आई और प्रशासन पर आरोप लगाया कि पुलिस की कार्रवाई से बच्चे डरे हैं। मामले में प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि आरोप मनगढ़ंत है।

'यश दयाल ने कई लड़कियों से संबंध बनाए परिवार ने दिया भरोसा', युवती के गंभीर आरोप

गाजियाबाद, 8 जुलाई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू (आरसीबी) के खिलाड़ी यश दयाल के खिलाफ सोमवार देर रात पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है। क्रिकेटर पर इंदिरापुरम क्षेत्र की रहने वाली युवती ने पांच वर्ष तक संबंध में रहकर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। मुकदमा दर्ज होने पर गुरुग्राम के क्रिकेटर अवाक हैं। उन्हें विश्वास नहीं हो रहा है कि ऐसा भी यश कर सकते हैं। मामला 21 जून को तब सामने आया जब युवती ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर मामले की शिकायत की थी। डीसीपी निमिष पाटील ने बताया कि मामले में पुलिस अब कानूनी तरीके से आगे की कार्रवाई करेगी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने वाले क्रिकेटर यश दयाल पर लगे यौन उत्पीड़न के मामले में पुलिस ने बीएनएस की धारा 69 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। 21 जून को इंदिरापुरम क्षेत्र की रहने वाली एक युवती ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत करते हुए क्रिकेटर पर आरोप लगाए थे कि पांच वर्ष तक शादी का झांसा देकर उनका शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न किया गया। इसके अलावा यह भी आरोप था कि क्रिकेटर के दो-तीन अन्य युवतियों से भी संबंध थे। मामले में मुख्यमंत्री पोर्टल पर हुई शिकायत के बाद भी जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तब पीड़िता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का सहारा लिया। इसके बाद 24 जून को इंदिरापुरम पुलिस ने शिकायत का संज्ञान लिया। 27 जून को पीड़िता ने पुलिस के पास पहुंचकर अपने बयान दर्ज करवाए।

बिहार में सरकारी नौकरी में डोमिसाइल पॉलिसी लागू

अब राज्य की महिलाओं को 35% आरक्षण मिलेगा, पहले दूसरे राज्य की महिलाओं को भी मिलता था

पटना, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने महिलाओं के लिए डोमिसाइल पॉलिसी लागू कर दी है। अब सरकारी नौकरियों में महिलाओं को इसका फायदा मिलेगा। बिहार की बाहर की महिलाओं को जनरल कैटेगरी में जोड़ा जाएगा। पहले दूसरे की महिलाओं को भी 35% आरक्षण का लाभ मिलता था। अब सिर्फ बिहार की महिलाओं को फायदा मिलेगा। नीतीश कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को ये फैसला लिया गया। इसके साथ ही 43 एजेंडों पर मुहर लगी है।

बिहार में पहली बार बिहार युवा आयोग का गठन होगा। चुनावी साल में बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय नीतीश सरकार ने लिया है। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा था कि सरकार बनने पर वह युवा आयोग का गठन करेंगे। बिहार सरकार ने एक नई योजना शुरू की है, जिसका नाम दिव्यांगजन सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना है। इसका लाभ दिव्यांग पुरुष अभ्यर्थी पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) अभ्यर्थियों को मिलेगा। हालांकि, ये सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें राज्य की किसी दूसरी सिविल सेवा तैयारी योजना से कोई आर्थिक मदद नहीं मिल रही है। ऐसे में बीपीएससी या यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा पास कर लेते हैं, तो उन्हें मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए 50 हजार रुपए और इंटरव्यू की तैयारी के लिए 1 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। यह योजना दिव्यांगों को सिविल सेवा में सफलता पाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई है।

कैबिनेट में इन एजेंडों पर भी लगी मुहर-:

मिलेट्स योजना : साल 2025-26 में खरीफ मौसम में मोटा अनाज उगाने को बढ़ावा देने के लिए 46.75 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। डीजल अनुदान योजना : अगर मानसून कमजोर रहा, सूखा पड़ा या बारिश कम हुई, तो धान, मक्का, जूट, दालें, तेलहन, सब्जियां, औषधीय और खुशबूदार पौधों की सिंचाई के लिए 100 करोड़ रुपए की डीजल अनुदान योजना लागू होगी।

गेहूं बीज योजना : रबी सीजन में गेहूं की अच्छी किस्म के बीज के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए 65 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

चना (दाल) प्रोत्साहन योजना : रबी मौसम में चना उत्पादन बढ़ाने के लिए 30.21 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। बिहार शहरी गैस वितरण नीति 2025 को मंजूरी दी गई है ताकि शहरों में स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बढ़ाया जा सके।

शिक्षा विभाग: सैनिक स्कूल नालंदा और गोपालगंज में पढ़ने वाले बिहार के छात्रों को पोषाहार (खाना) और स्कूल के खर्च के लिए दी जाने वाली आर्थिक सहायता की राशि को बढ़ाने की मंजूरी दी गई है।

योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री नंदी अफसरशाही से त्रस्त

सीएम को लिखा पत्र, कहा-नहीं करने दे रहे हैं काम

लखनऊ, 8 जुलाई (एजेंसियां)। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अफसरशाही पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने अधिकारियों पर कोई निर्देश नहीं मानने और अपने लोगों को अनुचित लाभ देने का आरोप लगाया है। वह नीतियों को ताक पर रखकर अपने स्तर से फैसले ले रहे हैं और पत्रावलियों को ही गायब कर रहे हैं।

नंदी ने अपने पत्र में कुछ मामलों में बरती गईं अनियमितताओं का जिक्र भी किया गया है, जिसकी उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए गए हैं। नंदी के लगाए गए आरोपों की जांच के निर्देश के साथ मामले की पूरी रिपोर्ट तलब की गई है। सूत्रों के मुताबिक मंत्री के आरोपों के ठोस जवाब शीर्ष स्तर के अधिकारी तैयार कर रहे हैं। सीएम को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि काम में अड़ंगा डालने के लिए अफसरशाही अपने स्तर पर फाइलें मंगाकर डंप कर रही है। साथ ही कई पत्रावलियों में ऐसे प्रस्ताव हैं, जो नियम विरुद्ध होने के बावजूद अपने स्तर से अधिकारी पारित कर रहे हैं। कुछ लोगों को अनुचित लाभ देने के लिए नीतियों के विरुद्ध जाकर प्रस्ताव पारित किए गए हैं।

नंदी के पत्र के मुताबिक दो साल से तमाम फाइलें बार-बार मांगने के बाद भी अफसरों ने नहीं दी। आखिर क्यों? इस जवाब में विभाग में तैनात एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों ने मना किया है। इस पर मंत्री ने पिछले वर्ष 7 अक्तूबर को ऐसी मामलों की सूची सीएम आफिस भेजी। 29 अक्तूबर को एक हफ्ते के अंदर सभी फाइलों को पेश करने के निर्देश दिए गए, लेकिन छह महीने बाद भी फाइलें नहीं दी गईं।

'अपनी कुर्सी बचाने के लिए बिहार को बर्बाद कर रहे पीएम और सीएम'

तेजस्वी ने एआई तस्वीर बनाकर लिखी यह बात

पटना, 8 जुलाई (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला है। अपने पिता लालू प्रसाद की तरह ही उन्होंने भी एआई इमेज का इस्तेमाल कर पीएम मोदी और सीएम नीतीश पर निशाना साधा। तेजस्वी ने इन दोनों नेताओं की तस्वीर शेयर की और लिखा कि प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी दोनों अपनी कुर्सी बचाने के लिए बिहार को बर्बाद कर रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार के हाथ में एक पंपलेट दिखाया। इसमें लिखा है कि लूट, हत्या, चोरी, डकैती और भष्ट्रचार। तेजस्वी यादव का कहना है कि नीतीश सरकार के राज में कानून व्यवस्था का हाल बेहाल है। इनके राज में खुलेआम बलात्कार, हत्या और डकैती हो रही है। भ्रष्टाचार चरम पर है। इतना ही नहीं तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी के हाथ में एक पंपलेट दिखाया। इसमें लिखा है कि केंद्र की सत्ता बचा रहे हैं, बिहार को सता रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि केंद्र की सत्ता बचाने के लिए पीएम मोदी बिहार की जनता को सता रहे हैं।

तेजस्वी से पहले लालू ने ऐसे बोला था हमला

दो जुलाई राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद ने एक बार फिर से पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला था। उन्होंने इस बार कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल किया और पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार की तस्वीर बना दी। उन्होंने पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार की डिलीवरी बॉय वाली तस्वीर के साथ लिखा कि बिहार की गलियों में दो डिलीवरी बॉय देखे गए हैं। इनमें से एक के बैग में अच्छे दिन और दूसरे के बैग में विशेष राज्य का दर्जा है। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि 10 साल से डिलीवरी पेंडिंग है।

लेकिन, अब ऑर्डर कंफर्म होने की बात कह रहे हैं। लालू प्रसाद ने आगे कहा कि चुनाव के वक्त बिहार की गलियों में झूठे वादों की फ्री डिलीवरी करने वाले जुमलेबाज अब खूब घूमेंगे। वहीं राजद ने तंज कसते हुए लिखा कि एनडीए सरकार में सड़क के बीचोंबीच पेड़ है। सड़क पर नदी बह रही है। जंक्शन के बाहर सब डूबा है। डबल इंजन सरकार का विकास अजूबा है।

कांवड़ खंडित करने पर तनाव आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद के पुरकाजी कस्बे में एक युवक पर कांवड़ पर थूकने की अफवाह के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने रोड जाम कर विरोध दर्ज कराया। पुलिस ने सूझबूझ से हालात संभाला और हरिद्वार से नई पवित्र कांवड़ मंगवाकर दी।

दिल्ली निवासी शिव भक्त मुस्कान 'भोली' अपने भाई अंशुल शर्मा और अन्य श्रद्धालुओं के साथ हरिद्वार से गंगाजल लेकर कावड़ यात्रा पर निकली थीं। सोमवार को जब यह टोली मुजफ्फरनगर के पुरकाजी कस्बे में नगर पंचायत कार्यालय के पास रुकी, तभी एक युवक ने कथित तौर पर अंशुल की कांवड़ पर थूक दिया। इससे कांवड़ खंडित हो गई और श्रद्धालुओं ने तुरंत विरोध दर्ज कराते हुए घटनास्थल पर हंगामा शुरू कर दिया।

यूपी का सीरियल रेपिस्ट

दरिंदगी से पहले बच्चियों को पिलाता शराब8 फिर नहलाकर पहनाता था नए कपड़े

बहराइच, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बहराइच में चार बच्चियों से हैवानियत करने के आरोपी सुजौली निवासी अविनाश पांडेय उर्फ सिंपल पांडेय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके मोबाइल से मासूम बच्चियों की नग्न तस्वीरें व वीडियो मिली है। पीड़ित बच्चियों ने भी अविनाश की पहचान की। पुलिस ने घटना स्थल से बच्चियों के कपड़े व आरोपी की ओर से घटना के समय पहने गए कपड़े भी बरामद कर लिए हैं।

एसपी रामनयन सिंह ने बताया कि 25 जून को पहली बच्ची के गायब होने के बाद से पुलिस टीम आरोपी की तलाश में जुट गई थी। इस दौरान 28 जून, तीन जुलाई समेत कुल चार बच्चियों के साथ दरिंदगी हुई। जांच के दौरान एक पीड़िता पुलिस को घटनास्थल पर ले गई और आरोपी के हाथ व पैर पर टैटू के निशान होने की जानकारी दी। इस बीच सर्विलांस टीम को घटनास्थलों के बेस ट्रांसीवर स्टेशन (बीटीएस) के आधार पर सुजौली निवासी अविनाश पांडेय उर्फ सिंपल पांडेय की जानकारी हुई, जिसे बाजपुर बनकटी गांव से रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने जुर्म कुबूल कर लिया। पलक झपकते ही बच्चियों को बिस्तर से गायब करने का आरोपी अविनाश पांडेय बच्चियों के साथ बर्बरता की हदें पार कर देता था। बच्चियां घटना के समय शिथिल रहें और चीखें न, इसके लिए वह बच्चियों को दुष्कर्म से पहले देशी शराब पिलाता था। बच्चियों को बहलाने फुसलाने में भी वह कोई कसर नहीं छोड़ता था। बच्चियों के साथ मारपीट व दुष्कर्म के बाद उन्हें टॉफी, चॉकलेट, नमकीन का प्रलोभन देकर घर में किसी को घटना की जानकारी नहीं देने की चेतावनी भी देता था। पुलिस के अनुसार अविनाश बच्चियों से दुष्कर्म के बाद उन्हें नहलाकर दाग साफ करने का भी प्रयास करता था। एसपी रामनयन सिंह के अनुसार अविनाश बच्चियों के कपड़े बदल कर उन्हें नए कपड़े पहनाता था। घटनास्थल से देशी शराब के खाली टेट्रा पैक, टॉफी-चॉकलेट व नमकीन के खाली पैकेट बरामद किए हैं।

जेपीएनआईसी के निर्माण में खर्च 821 करोड़ रुपये वापस लेगी सरकार

कमेटी करेगी संचालन; क्लब की मेंबरशिप बनेगी

लखनऊ, 8 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ में जिस जेपीएनआईसी को अखिलेश सरकार ने बनवाया था, उसके निर्माण में आए 821 करोड़ रुपए के खर्च को योगी सरकार एलडीए से वापस लेगी। इसके लिए सरकार ने एलडीए को 30 साल का समय दिया है। अब एलडीए ही इस बिल्डिंग के बचे हुए काम कराएगा। एलडीए की कमेटी इसका संचालन करेगी। साथ ही इसमें चलने वाले क्लब के लिए लोगों की मेंबरशिप बनाई जाएगी। जेपीएनआईसी मल्टीस्टोरी मल्टीपर्पज बिल्डिंग है। इसमें स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स-ओपन रेस्टोरेंट सहित होटल, म्यूजियम, 2000 लोगों की क्षमता वाला कन्वेंशन हॉल सहित कई सुविधाएं मिलेंगी। टेरेस पर ओपन रेस्टोरेंट है। साथ ही हेलीपैड भी बना है जिसपर खास लोग हेलिकॉप्टर से लैंड कर सकेंगे।

कैबिनेट में पास हुए प्रस्ताव के मुताबिक, सरकार ने एलडीए को सेंटर के संचालन का जिम्मा सौंपा है। इसके साथ ही इस पर अब तक खर्च हुई 821 करोड़ की लागत को भी वापस मांग लिया है, जिसके लिए 30 वर्षों का समय दिया है। नई बन रही कमेटी इस मामले को ध्यान में रखते हुए अपना प्रस्ताव तैयार करेगी।

नीतीश की छवि खराब करने के लिए 'राजनीतिक गैंग' रच रहा साजिश : गिरिराज सिंह

पटना, 8 जुलाई (एजेंसियां)। कारोबारी गोपाल खेमका हत्याकांड पर केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय से भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ 'राजनीतिक षड्यंत्र' बताया है। मीडिया से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि राजनीतिक गैंग के जरिए सोची-समझी साजिश के साथ इस तरह के अपराध से बिहार सरकार को बदनाम करने की कोशिश है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, बिहार में नीतीश कुमार को बदनाम करने, आतंक फैलाने, अपराध करने और राजनीतिक समर्थन वाले अपराध को बढ़ावा देने की साजिश रची जा रही है। कुछ लोग जानबूझकर नीतीश कुमार की छवि खराब करने के लिए इस तरह की हरकतें कर रहे हैं, लेकिन इस साजिश के पीछे की सच्चाई सामने आने वाली है। एक खास राजनीतिक गिरोह के जरिए बिहार के कई इलाकों में राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए अशांति फैलाई जा रही है। तेजस्वी यादव के आरोपों पर भी गिरिराज सिंह ने जवाब दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, उछल-उछल कर कुछ लोग पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर जा रहे थे और कह रहे थे कि अपराधी अभी तक नहीं पकड़ा गया है। अब यही लोग बोलेंगे कि अपराधी को नहीं मारा, बल्कि नागरिक की हत्या हुई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, बिहार में तेजस्वी यादव कह रहे थे कि जंगलराज है, लेकिन यहां कार्रवाई भी हो रही है।

मुंगेर में नक्सली और एसटीएफ के बीच मुठभेड़-नक्सलियों ने 125 राउंड की फायरिंग

एसटीएफ ने 80 राउंड से दिया था जबाव, घायल नक्सली की तलाश जारी

मुंगेर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मुंगेर के हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन तीसरे दिन भी जारी है। राजा सराय गांव के पास पहाड़ी जंगलों में एसटीएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और जिला पुलिस की टीमें तैनात हैं।

बता दें कि शनिवार शाम 6:15 बजे एसटीएफ की विशेष टीम की मुठभेड़ तीन लाख के इनामी नक्सली सुरेश कोड़ा के दस्ते से हुई। करीब एक घंटे तक चली गोलीबारी में नक्सलियों ने एके-47 से 125 राउंड फायर किए। एसटीएफ ने जवाबी कार्रवाई में 80 राउंड गोलियां चलाईं। एसपी सैयद इमरान मसूद के अनुसार मुठभेड़ में सुरेश कोड़ा घायल हुआ। वह अपने साथियों बहादुर और नारायण कोड़ा के साथ अंधेरे और दुर्गम पहाड़ी रास्तों का फायदा उठाकर फरार हो गया। हवेली खड़गपुर थाने में इस संबंध में एफआईआर दर्ज की गई है। राजा सराय के ग्रामीण डर के कारण घरों से बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। स्थानीय लोगों को आशंका है कि घायल नक्सली कोई बड़ी वारदात कर सकता है। सुरक्षाबल लगातार जंगल में तलाशी अभियान चला रहे हैं। सूत्रों की मानें तो एसटीएफ की विशेष टीम ने नक्सली सुरेश कोड़ा के जत्थे को तीन तरफ से घेर लिया था। मगर राजा सराय गांव की गलियों एवं पहाड़ी रास्तों से पूरी तरह वाकिफ सुरेश कोड़ा ने आखिर एसटीएफ की तेजतर्रार टीम को चकमा दे दिया। दरअसल एसटीएफ टीम सुरेश कोड़ा को गांव में घुसते नहीं देख सकी। जब वह वापस जाने को निकल ही रहा था, तो टीम ने उसे ललकारा। उसने सरेंडर करने की बजाए एके-47 से दनादन फायरिंग शुरू कर दी। साथ ही वह गलियों की दीवारों का सहारा लेकर आगे बढ़ने लगा।

लूट के दौरान जौहरी की गोली मारकर हत्या

सूरत, 8 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत शहर में एक जौहरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बदमाश आभूषण के शोरूम में लूट के इरादे से घुसे थे। इस दौरान शोरूम मालिक ने जब इसका विरोध किया तो बदमाशों ने उनपर गोली चला दी। इस घटना में जौहरी की मौत हो गई। वहीं घटना के बाद आरोपी मौके से फरार होने लगे, जिसपर स्थानीय लोगों ने उनका पीछा किया। बदमाशों ने पीछा कर रहे लोगों पर भी फायरिंग कर दी, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। हालांकि स्थानीय लोगों ने चार में से एक बदमाश को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया। फिलहाल तीन बदमाश फरार हैं, जबकि घायल आरोपी का इलाज किया जा रहा है। घटना के बारे में पुलिस उपाधीक्षक नीरव गोहिल ने बताया कि पूरा मामला रात का है। यहां सचिन इलाके में चार हथियारबंद लुटेरे रात करीब साढ़े-आठ बजे 'श्रीनाथजी ज्वैलर्स' के शोरूम में घुसे। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''शोरूम के मालिक आशीष राजपारा ने लुटेरों को कीमती सामान लेकर भागने से रोकने की जब कोशिश की तो बदमाशों ने उन पर गोलियां चला दीं। राजपारा को सीने में दो गोलियां लगीं और अस्पताल में भर्ती कराए जाने के कुछ देर बाद ही उनकी मौत हो गई।''पुलिस उपाधीक्षक नीरव गोहिल ने कहा, ''जब स्थानीय लोगों ने लुटेरों का पीछा करना शुरू किया तो लुटेरों ने उन पर गोलियां चला दीं। इस दौरान नाजिम शेख नाम के एक व्यक्ति के पैर में गोली लगी।''

बुजुर्ग दंपती की हत्या करने वाले रिक्शा चालक को मौत की सजा

कोलकाता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। कोलकाता की एक अदालत ने सेवानिवृत्त प्रोफेसर बुजुर्ग दंपती की हत्या के मामले में रिक्शा चालक युवक को मौत की सजा सुनाई है।

बुजुर्ग दंपती के सिर और चेहरे पर क्रूर तरीके से चाकू से किए गए वार और भरोसा तोड़ने का अपराध कहते हुए दुर्लभतम मामला माना है। 15 जुलाई 2015 को प्रोफेसर प्राण गोविंद दास और उनकी पत्नी रेणुका दास की रिक्शा चालक युवक संजय सेन ने चेहरे और सिर पर बार-बार हमला करके हत्या कर दी थी। आरोपी ने चार घंटे तक दंपती के साथ क्रूरता की और बाद में सोने के आभूषण और नकदी लूटकर फरार हो गया था। सियालदह सत्र न्यायालय के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनिरबन दास ने कहा कि हमें को पीड़ितों की ओर से उकसावे का कोई संकेत नहीं मिला। रिक्शा चालक संजय सेन को दंपती उन दिनों से जानते थे जब वह मछली विक्रेता हुआ करता था और उस पर भरोसा करते थे। वह उत्तर कोलकाता के चितपुर इलाके में एक आवासीय परिसर में स्थित उनके फ्लैट में अक्सर आता-जाता था। दंपती ने सेन को बैंकों, डॉक्टरों और बाजारों में जाने के लिए किराये पर रखा था। न्यायाधीश ने फैसले में कहा कि बुजुर्ग दंपती ने उस पर भरोसा जताया।

उसे अपने घर में रहने दिया और दैनिक कार्यों के लिए सहायता के लिए उस पर निर्भर रहे। इससे उसका विश्वासघात अधिक जघन्य हो गया है। इससे साफ है कि संजय सेन ने हत्या की सोची-समझी साजिश रची थी। हमले से संकेत मिलता है कि आरोपी को अपने कृत्य पर पुनर्विचार करने और हिंसा रोकने के कई अवसर मिले, लेकिन उसने अपना फैसला नहीं बदला। अदालत ने कहा कि दोनों पीड़ितों के चेहरों को खराब करना हिंसा के उस स्तर को दर्शाता है जो डकैती को अंजाम देने के लिए आवश्यक स्तर से कहीं अधिक है। ट्रायल अदालतों को यह समझना चाहिए कि अपराध की गंभीरता, इससे उत्पन्न जनता का गुस्सा और दूसरों को चेतावनी देने की आवश्यकता, ये सभी बातें एक ही निष्कर्ष पर पहुंचती हैं: यह दुर्लभतम मामले का उदाहरण है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि न्याय के नियम, सामाजिक मूल्य और कानूनी सिद्धांत सभी स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि दोषी संजय सेन का अपराध इतना गंभीर है कि उसे आजीवन कारावास जैसी हल्की सजा देना पूरी तरह अनुचित होगा।

यहां मृत्युदंड देना सिर्फ अपराधी को दंडित करने के लिए नहीं है, बल्कि समाज के लिए एक आवश्यक कदम है। इससे एक मजबूत नैतिक संदेश मिलता है कि विश्वासघात, कमजोर लोगों का शोषण और अनावश्यक हिंसा का प्रयोग करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। न्यायाधीश ने कहा कि ऐसा करके कानून विश्वास, करुणा और मानवीय गरिमा के मूल्यों की रक्षा करता है। यह सुनिश्चित करता है कि ऐसे जघन्य अपराध कभी बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

बागेश्वर बाबा से रात में महिला ने ली दीक्षा सुबह 4 बजे दीवार गिरने से मौत, 11 घायल

छतरपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बागेश्वर धाम में बीते एक सप्ताह में दूसरी बार हादसा हुआ है। एक ढाबे की दीवार गिरने से मंगलवार की सुबह महिला की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि महिला ने मौत से पहले रात 10 बजे बागेश्वर बाबा से दीक्षा ली थी। सुबह चार बजे दीवार के नीचे दबने से उसकी मौत हो गई है। अधिकारियों ने कहा है कि हादसे में 11 लोग घायल भी हुए हैं। वहीं, हादसे में जिस महिला की मौत हुई है, उसका नाम अनीता कहार बताया जा रहा है। महिला उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले की रहने वाली थी। महिला की मौत के बाद उसके शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल में लाया गया।

घटना के बाद वह चीख पुकार मच गई है। मृतक महिला ने सोमवार की रात 10:00 बजे धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से गुरु दीक्षा ली थी। मंगलवार की सुबह 4:00 बजे धाम में दीवार खाने से महिला की दबकर मौत हो गई। मृतक महिला अनीता देवी की उम्र 40 वर्ष है। वह अपनी बेटी अंशिका एवं अन्य परिवार के लोगों के साथ धाम में दीक्षा लेने के लिए आई हुई थी। अनीता देवी की दो बेटियां और दो बेटे हैं। मृतक अनीता की भतीजी प्रिया ने बताया कि बड़ी मां ने सोमवार की रात 10 बजे गुरु धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री से दीक्षा ली।

भाषा विवाद को लेकर ठाणे में बवाल

रैली निकाल रहे मनसे के कई कार्यकर्ता हिरासत में; फडणवीस बोले- इजाजत नहीं थी

ठाणे, 8 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे की मीरा रोड से पुलिस ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

ये कार्यकर्ता हिंदी न बोलने पर थप्पड मारने वाली एक घटना के बाद हुए विरोध प्रदर्शन के जवाब में प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि उन्होंने इस रूट पर प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी थी। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया कि जब दुकानदारों को विरोध करने की छूट मिली, तो उनकी विरोध पर पाबंदी क्यों? कई कार्यकर्ताओं ने धमकी भरे लहजे में कहा, महाराष्ट्र में रहने वाला हर शख्स मराठी सीखे, वरना अंजाम भुगतेगा।

विरोध प्रदर्शन से पुलिस ने नहीं रोका: सीएम देवेंद्र फडणवीस

पुलिस ने एमएनएस कार्यकर्ताओं को वैन में बिठाकर थाने ले गए। इस बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सफाई दी कि पुलिस ने प्रदर्शन की इजाजत देने से इनकार नहीं किया था। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में हर किसी को विरोध करने का हक है, बशर्ते पुलिस की इजाजत हो। ट्रैफिक और भीड़ का खतरा था। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि एमएनएस नेताओं से रास्ता बदलने को कहा गया, मगर वो अड़े रहे, इसलिए उन्हें रोका गया। फडणवीस ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, मुझे महाराष्ट्र का मिजाज पता है। ऐसी हरकतें यहां नहीं चलेंगी। मराठी इंसान का दिल बड़ा है, वो छोटी सोच नहीं रखता।

क्या है पूरा मामला?

इस मामले की शुरुआत रविवार रात को हुई, जब मीरा रोड पर 'जोधपुर स्वीट शॉप' चलाने वाले 48 साल के बाबूलाल चौधरी और उनके कर्मचारी बघाराम पर सात एमएनएस कार्यकर्ताओं ने हमला किया। इसकी वजह थी कि बघाराम ने हिंदी में बात की थी। एमएनएस कार्यकर्ताओं ने मराठी में बोलने के लिए कहा, जबकि चौधरी ने कहा कि महाराष्ट्र में हर भाषा बोली जाती है। इस हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस विवाद की जड़ें महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले में हैं जिसमें प्राइमरी स्कूलों में हिंदी को पाठ्यक्रम में शामिल करने की बात कही गई थी। हालांकि बाद में इसे रद कर दिया गया था।

डबल मर्डर से सनसनी: एक महिला और बच्ची की हत्या, युवती का दोस्त मौके से फरार

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के सिविल लाइन थाना इलाके में दोहरे हत्याकांड की वारदात को अंजाम दिया गया है। करीब 22 साल की युवती और उसकी सहेली की बेटी की घर में ही हत्या कर दी गई है। आसपास के लोगों को जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। मिली जानकारी के मुताबिक, सिविल लाइन थाना पुलिस फॉरेंसिक टीम और क्राइम टीम मौके पर मौजूद है। युवती का दोस्त मौके से फरार बताया जा रहा है। इस पर हत्या का शक जताया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ आदर्श नगर इलाके में सोमवार रात तीन हमलावरों ने 17 साल के नाबालिग को गोली मार दी। नाबालिग की पहचान एमसीडी कालोनी निवासी आर्यन के रूप में हुई है।

संजय राउत का निशिकांत दुबे पर हमला, कहा- उनको कौन जानता है

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर शुरू हुआ विवाद बढ़ता ही जा रहा है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के हालिया बयान पर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बाद सांसद संजय राउत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उद्धव ठाकने ने विवादित टिप्पणी को लेकर निशिकांत को 'लकड़बग्घा' करार दिया। वहीं संजय राउत ने भी कहा, यह दुबे है कौन? मैं यहां के हिंदी भाषी नेताओं से अपील करता हूं कि वे दुबे के बयान की निंदा करें।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, पहले तो यह बताओ कि यह दुबे है कौन? मैं यहां के हिंदी भाषी नेताओं से अपील करता हूं कि वे दुबे के बयान की निंदा करें। जब आप ऐसा करेंगे, तभी मैं मानूंगा कि आप महाराष्ट्र से हैं। संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनकी कैबिनेट की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा, जब एक बीजेपी सांसद मराठी लोगों के खिलाफ बयान दे रहा है, तब राज्य का मुख्यमंत्री और उसकी पूरी कैबिनेट चुप क्यों है? यह कैसा मुख्यमंत्री है? जिसे छत्रपति शिवाजी महाराज और बालासाहेब ठाकरे का नाम लेने का कोई अधिकार नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने एकनाथ शिंदे पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, खुद को डुप्लीकेट शिवसेना का नेता मानने वाले एकनाथ शिंदे को अपनी दाढ़ी कटवा लेनी चाहिए। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्हें जाकर मोदी और शाह से पूछना चाहिए कि महाराष्ट्र में क्या हो रहा है। महाराष्ट्र में हिंदीभाषी लोगों पर कभी हमले नहीं हुए। दुबे को सही करना देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजीत पवार की जिम्मेदारी है।

इससे पहले उद्धव ठाकरे ने निशिकांत दुबे पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि छोड़ो दुबे बिबे।।। ऐसे कई लकड़बग्घे हैं जो विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे यहां सब खुश हैं, इनके पास ध्यान देने की जरूरत नहीं है। हमारी महाराष्ट्र की जनता सब जानती है। ठाकरने कहा कि 'हम हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं हैं।

लेकिन कुछ लोग मराठी लोगों की तुलना पहलगाम के आतंकवादियों से कर रहे हैं- असली मराठी विरोधी वही लोग हैं। ये लोग ना तो मराठियों का भला चाहते हैं और ना ही हिंदुओं को बचा सकते हैं। ये हमेशा उन लोगों के साथ खड़े रहते हैं जो मराठी समाज के साथ अन्याय करते हैं। पहले जो असली भाजपा थी, जिसने शिवसेना के साथ गठबंधन किया था - अब वो भाजपा खत्म हो गई है। अब हम (विपक्षी दल) एक साथ आ गए हैं, और तभी से ये लोग गुस्से में हैं।'

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले- बीजेपी कार्यकर्ता लव-जिहाद पर निगरानी रखें

इंदौर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने लव जिहाद के मामले को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं से गंभीर होने के लिए कहा है। एक सभा में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के सामने कई चुनौतियां हैं। हमें केवल चुनाव जीतने पर ध्यान नहीं देना है, बल्कि समाज की विकृतियों पर भी नजर रखनी होगी। इन विकृतियों में लव जिहाद भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को इस दिशा में तेजी से काम करना होगा। यदि हमारे रहते हुए ऐसी ताकतें शहर में पनपती हैं, तो हमें शर्म से डूब मरना चाहिए।

विजयवर्गीय ये बात सोमवार को कही, जब बीजेपी के नए प्रदेशाध्यक्ष इंदौर पहुंचे थे। गौरतलब है कि इंदौर के एक कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी पर लव जिहाद का आरोप लगा है, जिसके बाद से वह फरार चल रहा है। विजयवर्गीय ने आगे कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को लव जिहाद जैसी घटनाओं पर सतत निगरानी रखनी होगी। इंदौर सहित प्रदेशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं को इसे एक चुनौती के रूप में लेना चाहिए। उन्होंने कहा, यदि हमारे शहर में ऐसी घटनाएं होती हैं, तो हमें ऐसा सबक सिखाना होगा कि लोग ऐसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचें।

साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की योजनाएं लोगों तक पूरी तरह पहुंचे। उन्होंने एक भाजपा कार्यकर्ता का उदाहरण देते हुए कहा कि वह कार्यकर्ता घर-घर जाकर पता करता था कि किसका आयुष्मान कार्ड नहीं बना है, किसका राशन कार्ड नहीं बना है, और फिर उसने सभी पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलवाया। विजयवर्गीय ने कहा, "सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्रों में इस तरह की सक्रियता दिखानी चाहिए। साथ ही लगातार जनता से संपर्क बनाए रखना चाहिए और अपने-अपने पोलिंग बूथों को मजबूत करना चाहिए। जब पोलिंग बूथ मजबूत होते हैं, तो चुनाव जीतना बहुत आसान हो जाता है।"

इधर बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर बवाल

उधर वकील ने की एसआईआर की मांग, कहा- हर चुनाव से पहले जरूरी

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पटना बिहार में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर बवाल मचा हुआ है। वोटर लिस्ट रिवीजन को लेकर जहां एक तरफ विपक्षी पार्टियां सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा रही है। वहीं, दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने एक याचिका का उल्लेख किया है, जिसमें उन्होंने चुनाव आयोग को नियमित समय में वोटर लिस्ट के रिवीजव का निर्देश देने की मांग की है। अधिवक्ता ने चुनाव आयोग को नियमित अंतराल पर विशेष रूप से संसदीय, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले 'मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण' करने का निर्देश देने की मांग की है। अधिवक्ता ने कहा, ऐसा करने से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सिर्फ भारतीय नागरिक ही वोट दें, सिर्फ भारतीय नागरिक ही वोट देकर अपने मत का इस्तेमाल करें। न कि अवैध विदेशी घुसपैठिए।

वकील उपाध्याय ने कहा कि यह बिहार मतदाता सूची का मामला है, याचिकाएं दायर की गई हैं। अगर मेरी याचिका को टैग किया जा सकता है। इस पर जस्टिस सुधांशु धूलिया ने कहा कि याचिका के डिफेक्ट को ठीक होने दें। उसके बाद रजिस्ट्री निर्णय लेगी।

बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसी बीच बिहार में वोटर रिव्यू का काम शुरू हुए 2 हफ्ते हो गए हैं। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। विपक्ष ने कोर्ट से वोटर लिस्ट रिवीजन को रोकने की अपील की है। सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने से इनकार करते हुए 10 जुलाई को सुनवाई की तारीख दी है। इस बीच 9 जुलाई को आरजेडी ने बिहार में चक्का जाम की घोषणा की है। विपक्ष का कहना है कि ऐसा करने से कई लोग वोट देने से वंचित रह जाएंगे। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भी इस मामले को लेकर चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है। विपक्ष का कहना है कि इस प्रक्रिया से वोटबंदी कराने की कोशिश की जा रही है।

दरअसल, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए किसी भी चुनाव से पहले वोटर लिस्ट को अपडेट किया जाता है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन चुनाव आयोग ने इस बार 1 जुलाई से वोटर लिस्ट की विशेष गहन समीक्षा शुरू कर दी है।

वन क्षेत्र में आधारभूत विकास के लिए वन्यजीव मंजूरी की जरूरत नहीं, जनजातीय मंत्रालय ने किया साफ

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने पर्यावरण मंत्रालय को पत्र लिखकर साफ किया है कि वन अधिकार कानून के तहत वन भूमि में आधारभूत विकास जैसे स्कूल, आंगनवाड़ी और सड़कों आदि के निर्माण के लिए वन्यजीव मंजूरी लेना जरूरी नहीं है। हालांकि इस आधारभूत विकास के लिए ग्राम सभा की सिफारिश जरूरी है। 2 जुलाई को एक कार्यालय ज्ञापन जारी किया गया था, जिसमें पर्यावरण मंत्रालय ने वन अधिकार कानून की धारा 3(2) पर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा था, जो जंगलों में रहने वाली अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारंपरिक वन निवासियों (ओटीएफडी) के फायदे के लिए स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र और सिंचाई परियोजनाओं जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए वन भूमि के रूपांतरण की अनुमति देता है। अक्टूबर 2020 में जारी एक पत्र में पर्यावरण मंत्रालय ने कहा था कि एफआरए की धारा 13, कहती है कि अधिनियम की धारा 3(2) को लागू करने के लिए वन्यजीव मंजूरी की आवश्यकता होगी। पर्यावरण मंत्रालय के पत्र में कहा गया था कि वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधान एफआरए की धारा 3(2) से अप्रभावित रहते हैं। अब जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने साफ किया है कि वन्यजीव अधिनियम संवैधानिक अधिकारों में निहित है। साथ ही पांचवीं और छठी अनुसूची में भी शामिल है, जो जनजातीय अधिकारियों की सुरक्षा करती है।

जनजातीय मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट के दो फैसलों का जिक्र किया, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीव अधिकार कानून पर्यावरणीय चिंताओं और आदिवासी अधिकारों के लिए कानूनी साधन है। शोधकर्ता सी आर बिजॉय ने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय के 2020 के पत्र का वन अधिकारियों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है और वन अधिकार अधिनियम की धारा 3(2) के तहत जंगल के गांवों में बुनियादी सुविधाओं को रोकने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जबकि राज्यों को कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। वन अधिकार विशेषज्ञों का दावा है कि वन गांवों को लंबे समय से स्कूल, सड़क और स्वास्थ्य केंद्र जैसी सेवाओं से वंचित रखा गया है। वन अधिकारी अक्सर ऐसी परियोजनाओं को यह कहकर रोक देते हैं कि उन्हें कानूनी रूप से अनुमति नहीं है या वन संरक्षण कारणों का हवाला देते हैं।

बारिश से कोलकाता की सड़कों पर घुटनों तक भरा पानी

कोलकाता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के कई राज्यों में बारिश का दौर जारी है। इस बीच, दक्षिणी पश्चिम बंगाल में रात भर हुई मूसलाधार बारिश के कारण मंगलवार सुबह कोलकाता और उसके पड़ोसी इलाकों के कई हिस्सों में घुटनों तक पानी भर गया, जिससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सड़कों पर जलभराव के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के कई प्रमुख इलाकों में जलभराव की खबरें हैं, जिनमें श्यामबाजार, उल्टाडांगा, धाकुरिया, बल्लीगंज, बेहाला, ईएम बाईपास के कुछ हिस्से शामिल हैं। इसके साथ ही, पड़ोसी सॉल्ट लेक के सेक्टर- 5 और हावड़ा शहर के कुछ हिस्सों में भी सड़कें पानी में डूबी हुई हैं। एक अधिकारी ने बताया कि नगर निगम कर्मी जल निकासी के प्रयासों में लगे हुए हैं, लेकिन और बारिश होने से इसमें बाधा पैदा हो सकती है।

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की मरम्मत का काम पूरा

भुवनेश्वर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय पुरातत्व संस्थान ने पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की मरम्मत का काम पूरा कर लिया है। रत्नों की गिनती और उनकी सूची बनाने का काम राज्य सरकार की मंजूरी मिलने के बाद किया जाएगा। श्री जगन्नाथ मंदिर के मुख्य प्रशासक अरबिंद पधी और पुरातत्व संस्थान के प्रमुख पुरातत्ववेता डीबी गरनायक ने इसकी जानकारी दी। भारतीय पुरातत्व संस्थान ही 12वीं सदी के पुरी जगन्नाथ मंदिर का संरक्षक है। श्री जगन्नाथ मंदिर का बाहरी चैंबर भगवान की पूजा और त्योहारों पर इस्तेमाल होने वाले रत्नों को रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। वहीं सबसे ज्यादा महंगे और सोने-चांदी और हीरे के आभूषण अंदरुनी चैंबर में रखे जाते हैं। अंदरुनी चैंबर बीते 46 वर्षों से नहीं खोला गया था। बीते साल अंदरुनी चैंबर की मरम्मत और उसमें रखे हीरे जेवरात की गिनती के लिए इसे खोला गया। आईएएस अधिकारी और मंदिर के प्रमुख प्रशासक अरबिंद पधी ने बताया कि मंदिर के अंदरुनी चैंबर की मरम्मत और पुनिर्माण का काम पुरातत्व संस्थान ने किया, जिसमें 95 दिनों का समय लगा। करीब 80 लोगों की टीम ने भगवान के खजाने को संरक्षित किया।

पुरी में भगवान जगन्नाथ मंदिर राज्य सरकार के विधि विभाग के अधीन काम करता है। पिछले साल जुलाई में जब रत्न भंडार को खोला गया था, तब लोहे की पेटियों और अलमारियों में रखे आभूषण और अन्य कीमती सामान को दो चरणों में मंदिर के अंदर अस्थायी स्ट्रांग रूम में स्थानांतरित किया गया था। पधी ने कहा कि रत्न भंडार की मरम्मत पूरी हो जाने के बाद जल्द ही आभूषणों को रत्न भंडार के अंदर ले जाया जाएगा। भगवान जगन्नाथ के रत्नों की पिछली सूची 1978 में बनाई गई थी। मंदिर के सूत्रों ने बताया कि उस सूची के अनुसार मंदिर में 128 किलोग्राम सोना और 200 किलोग्राम से अधिक चांदी है।

उन्होंने कहा कि कुछ आभूषणों पर सोने की परत चढ़ी हुई है और उस समय उनका वजन नहीं किया गया था। पधी ने कहा कि रत्न भंडार की मरम्मत और संरक्षण का काम राज्य सरकार द्वारा तय दिशा-निर्देशों के अनुसार किया गया। उन्होंने कहा, 'भगवान की कृपा से 8 जुलाई को देवताओं के नीलाद्रि बिजे से पहले मरम्मत का काम पूरा हो गया।' नीलाद्रि बिजे अनुष्ठान का मतलब है कि इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने भाई-बहन भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा के साथ मंदिर के गर्भ गृह में वापस लौटते हैं। जो रथ यात्रा उत्सव के समापन का प्रतीक है।

पुरातत्व विभाग के अधिकारी गरनायक ने कहा कि 'रत्न भंडार के आंतरिक और बाहरी कक्षों में कुल 520 क्षतिग्रस्त पत्थर के ब्लॉक को बदला गया। ये पिछले कुछ वर्षों में खराब हो गए थे। साथ ही अब फर्श पर ग्रेनाइट के पत्थर लगाए गए हैं। इसके अलावा, संरचना में 15 क्षतिग्रस्त बीमों को स्टेनलेस स्टील की बीमों से बदल दिया गया है। जीर्णोद्धार कार्य पूरी तरह से पारंपरिक सूखी चिनाई पद्धति से किया गया है।'

तेंदुए से अधिक बाघ के हमलों में गई इंसानी जान 2014 से 2024 तक 68 लोगों की हुई मौत

देहरादून, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बाघ और तेंदुए के इंसानों पर हमलों की बात करें तो तेंदुओं के हमलों की घटनाएं ज्यादा सुनाई देती थी, लेकिन अब स्थितियां बदली दिख रही हैं। इस साल के छह महीनों की बात करें तो राज्य में तेंदुए से ज्यादा बाघ के हमले में इंसानों की जान गई है। वर्ष 2014 से 2024 तक बाघ और तेंदुओं के हमलों की कई घटनाएं हुईं। इसमें बाघ के हमले में 68 लोगों की मौत हुई और 83 घायल हुए थे। इसी अवधि में तेंदुए के हमले में 214 की मौत और 1006 घायल हुए। प्रदेश में इस वर्ष जनवरी से जून तक वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार वन्यजीवों के हमलों में 25 लोगों की मौत हुई है और 136 घायल हुए हैं। इसमें बाघ के हमले में 10 लोगों की मृत्यु और तीन घायल हुए हैं। वहीं तेंदुए के हमलों में छह लोगों की मौत और 25 घायल हुए हैं। वन विभाग ने मानव- वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए रेस्क्यू अभियान चलाकर एक जनवरी 2024 से 30 जून 2025 तक आठ बाघों को पकड़ा है, इसमें सात को रेस्क्यू सेंटर में भेजा गया है, जबकि एक को प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया। इसके अलावा पिंजरा लगाने और ट्रैंक्यूलाइज करने, उपचार करने के लिए 25 अनुमतियां जारी की गई। इसी अवधि में ही तेंदुआ के लिए भी पिंजरा लगाने और ट्रैंक्यूलाइज करने के लिए 124, अपरिहार्य परिस्थितियों में मारने की पांच और उपचार के लिए चार अनुमतियां जारी की गईं। इस दौरान 44 तेंदुओं को पकड़ा गया। इसमें 19 को रेस्क्यू सेंटर भेजा गया।

स्वतंत्र वार्ता
बुधवार, 9 जुलाई - 2025

डालर को झटका देने की तैयारी

रियो डी जनेरियो शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स देशों ने सीमा पार भुगतान प्रणाली पर खुल कर चर्चा की है। इसमें ब्रिक्स देशों के नेताओं ने क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट सिस्टम पर खुल कर बात की। नेताओं ने अपने वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक के गवर्नरों को इस मामले पर आगे बात करने के लिए कहा है। इन नेताओं ने ब्रिक्स पेमेंट सिस्टम को और बेहतर बनाने के तरीकों पर भी विचार करने की घोषणा की है। ब्रिक्स पेमेंट टास्क फोर्स ने जो प्रगति की है, उसे स्वीकार करने में कोई दिक्कत नहीं है। इससे ब्रिक्स पेमेंट सिस्टम को और बेहतर बनाने के लिए, चर्चा जारी रखने में मदद मिलेगी। यह रिपोर्ट सदस्यों की पसंदगी जाहिर करती है। यह ब्रिक्स देशों और अन्य देशों के बीच तेज, कम लागत वाली, अधिक सुलभ, कुशल, पारदर्शी और सुरक्षित क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट को आसान बनाने के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलने में आसानी होगी। रियो में मीडिया को जानकारी देते हुए, भारत के ब्रिक्स शेरपा और विदेश मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) दम्मू रवि ने कहा, 'देश विकल्प तलाश रहे हैं। इंटरऑपरेबिलिटी पेमेंट क्रॉस-बॉर्डर ट्रेडिंग करने का एक तेज तरीका है। यह एक कम लागत वाला बेहतर समाधान है। रवि के अनुसार भारत ने सफलतापूर्वक एक इंटरऑपरेबिलिटी पेमेंट सिस्टम लागू किया है। भारत कई अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते भी कर रहा है। इसके लिए, ब्रिक्स में इस पर चर्चा चल रही है। चर्चा प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर है। अन्य देश भी इसे स्वीकार करेंगे, क्योंकि यह उनमें से अधिकांश के लिए फायदेमंद और बेहतर तरीका है। ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार के बारे में उन्होंने कहा, 'अब आपने राष्ट्रीय मुद्रा सेटलमेंट की जो बात की है, उसे इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। सभी देश इन पहलों का समर्थन कर रहे हैं।' सीधे शब्दों में कहें तो, ब्रिक्स देश एक ऐसा सिस्टम बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे एक देश से दूसरे देश में पैसे भेजना आसान हो जाए। अभी पैसे भेजने में बहुत समय और पैसा लगता है। नया सिस्टम इसे तेज और सस्ता बना देगा। ब्रिक्स नेता न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) द्वारा संसाधनों को जुटाने, इनोवेशन को बढ़ावा देने, स्थानीय मुद्रा फाइनेंसिंग का विस्तार करने, फंडिंग के स्रोतों में विविधता लाने और प्रभावशाली परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए स्थिर क्षमता विस्तार को बेहतर विकल्प बताया है। ब्रिक्स इंटरबैंक सहयोग पर भी सहयोग बना है। इसका मतलब है कि ब्रिक्स देश एनडीबी को और अधिक शक्तिशाली बनाने की कोशिश में लगे हैं, ताकि वह विकास परियोजनाओं को फंड उपलब्ध करा सके। वे बैंकों के बीच सहयोग को भी बढ़ावा दे रहे हैं। यह सब ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए काफी मौजूं है। ब्रिक्स देश दुनिया की अर्थव्यवस्था में एक बड़ी भूमिका निभाना चाहते हैं। उदाहरण के लिए भारत का कोई व्यापारी रूस से कुछ सामान खरीदना चाहता है। अभी उसे डॉलर में पेमेंट करना होगा। लेकिन नए सिस्टम के तहत, वह रुपये में पेमेंट कर सकता है। इससे उसे डॉलर में पेमेंट करने की जरूरत नहीं होगी, जिससे उसका पैसा और समय बचेगा। यह सिस्टम छोटे व्यवसायों के लिए भी फायदेमंद होगा। छोटे व्यवसायों को अक्सर क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट करने में कठिनाई होती है। नया सिस्टम उनके लिए इसे आसान बना देगा। जाहिर है इस व्यवस्था से अमेरिकी डालर की निर्भरता काफी हद तक कम हो जाएगी।

डी के शिवकुमार को 'सीएम इन वेटिंग' में रखने के पीछे खरगे का पुत्र मोह तो नहीं!

रामस्वरूप रावतसरे

चिक्कबल्लापुर में मीडिया से बातचीत में कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने सीएम सिद्धारमैया के बारे में कहा, "मेरे पास और क्या चारा है? मुझे उनके साथ खड़ा होना है और उनका साथ देना है। मुझे इसमें कोई ऐतराज नहीं है। पार्टी हाईकमान जो कहेगा, जो फैसला करेगा, वो पूरा होगा, मैं अभी इस पर कुछ बोलना नहीं चाहता। लाखों कार्यकर्ता इस पार्टी के साथ हैं।' कर्नाटक की सियासत में एक बार फिर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने साफ कर दिया है कि वह पूरे पाँच साल तक अपनी कुर्सी पर बने रहेंगे। इस बयान ने शिवकुमार और उनके समर्थकों के अरमानों पर पानी फेर दिया। शिवकुमार ने मजबूरी में सिद्धारमैया का साथ देने की बात कही लेकिन उनके बयान में छिपी निराशा साफ झलक रही थी।

राजनीतिक पंडितों की माने तो डीके शिवकुमार का यह कहना कि मेरे पास और कोई रास्ता नहीं, मुझे उनके साथ खड़ा होना ही है। यह बयान उनकी उस हताशा को दिखाता है जो बार-बार हाईकमान के फैसलों से उपज रही है। दरअसल, कर्नाटक में कॉन्ग्रेस की सत्ता को मजबूत करने में शिवकुमार की मेहनत को कोई नकार नहीं सकता, फिर भी उन्हें बार-बार इंतजार करने को कहा जा रहा है। क्या वह हमेशा 'सीएम इन वेटिंग' बने रहेंगे या कोई बड़ा सियासी कदम भी उठा सकते हैं?इधर सिद्धारमैया ने पत्रकारों से बातचीत में दो टूक कहा, "हाँ, मैं मुख्यमंत्री बना रहूँगा। आपको क्यों शक है?" उन्होंने भाजपा और जेडी(एस) पर नेतृत्व परिवर्तन की अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया। दूसरी तरफ डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया के बयान के बाद कहा, "मुख्यमंत्री के सामने मेरा कोई सवाल ही नहीं उठता। मैंने किसी से मेरे पक्ष में बोलने को नहीं कहा।' डीके ने यह भी जोड़ा कि कॉन्ग्रेस हाईकमान का जो भी फैसला होगा, वह उसे मानेंगे लेकिन उनके इस बयान में वह जोश और आत्मविश्वास नहीं दिखा, जो पहले उनके भाषणों में झलकता था। यह साफ है कि हाईकमान ने एक बार फिर सिद्धारमैया को प्राथमिकता दी है और शिवकुमार को इंतजार करने को कहा गया है। साल 2023 के विधानसभा चुनाव में कॉन्ग्रेस की जीत के बाद शिवकुमार को उम्मीद थी कि उन्हें सीएम की कुर्सी मिलेगी। उनकी मेहनत और संगठन कौशल ने पार्टी को 135 सीटें दिलाई थीं। सूत्रों की मानें तो उस वक्त ढाई-ढाई साल के फॉर्मूले की बात हुई थी, जिसमें सिद्धारमैया और शिवकुमार बारी-बारी से सीएम बनते। लेकिन अब सिद्धारमैया ने साफ कर दिया है कि वह पूरे कार्यकाल तक कुर्सी नहीं छोड़ेंगे और हाईकमान ने भी इस पर मुहर लगा दी है। बताया जाता है कि कर्नाटक की सियासत में जाति का एंगल हमेशा से अहम रहा है। डीके शिवकुमार ताकतवर वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं जो कर्नाटक की राजनीति में बड़ा प्रभाव रखता है। उनके समर्थकों का मानना है कि पार्टी ने उनके साथ नाइंसाफी की है। हाल ही में वोक्कालिगा समुदाय के कुछ धर्मगुरुओं ने भी शिवकुमार के पक्ष में बयान दिए थे। दूसरी तरफ सिद्धारमैया पिछड़े वर्ग (कुर्मी) से हैं, और उनका सामाजिक आधार भी मजबूत है। कॉन्ग्रेस हाईकमान ने सिद्धारमैया को समर्थन देकर यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया। कॉन्ग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया था कि 100 से ज्यादा विधायक शिवकुमार को सीएम बनाने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा था कि अगर कॉन्ग्रेस को 2028 में सत्ता में वापसी करनी है तो शिवकुमार को मौका देना होगा लेकिन हाईकमान ने हुसैन को नोटिस थमाकर चुप करा दिया।

ओवैसी के 'ऑफर' पर लालू यादव की 'ना' में छुपा रहस्य!

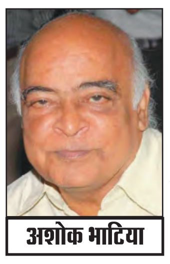
अशोक भाटिया

बिहार की सियासत एक बार फिर से करवट ले रही है। चुनाव नजदीक हैं। एनडीए के खिलाफ महागठबंधन की गोटियां बिछ रही हैं। लेकिन एक नाम है जो इस जोड़-तोड़ को बार-बार बिगाड़ देता है: असदुद्दीन ओवैसी। एआईएमआईएम के बिहार अध्यक्ष अख्तरुल इमान ने हाल ही में लालू प्रसाद यादव को चिट्ठी लिखी। उन्होंने साफ-साफ कहा कि भाजपा को हराने के लिए हमें साथ आना चाहिए। लेकिन सवाल ये है कि क्या लालू यादव ओवैसी की पार्टी को गले लगाएंगे? मामला बेहद पेचीदा है। एआईएमआईएम भले ही भाजपा के खिलाफ है, लेकिन आरजेडी समेत महागठबंधन की कई पार्टियों को लगता है कि ओवैसी की पार्टी लड़ाई को और उलझा देती है। खासकर सीमांचल में। लालू यादव की पार्टी की नींव यादव और मुस्लिम वोटरों पर टिकी है। जबकि ओवैसी की पकड़ मुस्लिम इलाकों में मजबूत होती जा रही है। अगर एआईएमआईएम को साथ लिया गया, तो मुस्लिम वोटों का बड़ा हिस्सा लालू को छोड़ ओवैसी के खाते में जा सकता है। ये सियासी जोखिम लालू या तेजस्वी शायद न लेना चाहें।

लेकिन अगर आरजेडी ओवैसी का ऑफर ठुकरा देती है, तो उसकी कीमत भी चुकानी पड़ सकती है। 2020 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने सीमांचल की 5 सीटें जीत ली थीं। ये वो सीटें थीं, जो कांग्रेस और आरजेडी जीतने का सपना देख रहे थे।अब फिर से ओवैसी दरवाजा खटखटा रहे हैं। लेकिन आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने दो टूक कहा, 'एआईएमआईएम भाजपा की बी-टीम की तरह काम करती है।' उन्होंने कहा कि फैसला लालू और तेजस्वी लेंगे, लेकिन बिहार में इस बार कोई वोट बंटवारा नहीं होगा। तेजस्वी की लहर सब पर भारी पड़ेगी।उधर, एआईएमआईएम भी जवाबी हमला करने में पीछे नहीं है। प्रवक्ता वारिस पठान कहते हैं, 'हर बार हमें बी-टीम कहते हैं, लेकिन कोई सबूत नहीं देते। हमने हरियाणा में चुनाव नहीं लड़ा, फिर वहां कांग्रेस क्यों हारी?'पठान का कहना है कि पार्टी का मकसद सिर्फ भाजपा को हराना है और सेक्युलर वोटों का बंटवारा रोकना है। अगर आम आदमी पार्टी लड़े तो कोई सवाल नहीं पूछता, लेकिन एआईएमआईएम को लेकर हर बार अंगुली उठाई जाती है।अगर लालू यादव ओवैसी का प्रस्ताव ठुकरा दें तो? वारिस पठान साफ कहते हैं, 'अगर गठबंधन नहीं होता, तब भी हम चुनाव लड़ेंगे। कोई हमें रोक नहीं सकता।' उन्होंने संकेत दिया कि पार्टी अब सिर्फ मुस्लिम चेहरों तक सीमित नहीं रहेगी।

पार्टी ने पूर्वी चंपारण की ढाका सीट से राजपूत नेता राणा रंजीत को उम्मीदवार बनाया है। और भी गैर-मुस्लिम उम्मीदवार जल्द सामने आ सकते हैं।सीमांचल से बाहर भी एआईएमआईएम ने जोर लगाना शुरू कर दिया है। पार्टी अब बाढ़, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पलायन और मानव तस्करी जैसे मुद्दों को उठाने लगी है। खासकर उन इलाकों में, जहां अब तक कोई ध्यान नहीं देता था।एआईएमआईएम अगर महागठबंधन का हिस्सा नहीं भी बनी, तो भी सीमांचल की सियासत को उलट-पलट सकती है। और अगर साथ आई, तो मुस्लिम वोटों का समीकरण पूरी तरह से बदल जाएगा।

बिहार के सीमांचल क्षेत्र (किशनगंज, कटिहार, अररिया, पूर्णिया) में 30-68% मुस्लिम आबादी है जहां एआईएमआईएम ने 2020 में मजबूत प्रदर्शन किया था। ओवैसी का यह ऑफर सीमांचल के मुस्लिम वोटरों को सीधा-सीधा संदेश है कि उनकी पार्टी सेक्युलर गठबंधन के साथ खड़ी है। ओवैसी का दावा है कि उनकी पार्टी 24 सीटें जीत सकती है और उसकी दावेदारी 50 सीटों की है ऐसे में आरजेडी पर दबाव बढ़ गया है कि वह इस प्रस्ताव को गंभीरता से ले या न ले। यही कारण है कि तेजस्वी यादव इन दिनों मुस्लिम वोटों को लामबंद करने के लिए आक्रामक दिख रहे हैं। उन्होंने हाल में ही वक्फ कानून पर बयान दिया कि-हिंदुस्तान किसी के बाप का नहीं। वहीं, दूसरी ओर मुहर्रम के दौरान प्रतिबंधित क्षेत्र में भी मुहर्रम का ताजिया रबड़ी आवास पर जाना और रबड़ी देवी का पूजा-अर्चना करना बताता है कि आरजेडी मुस्लिम मतों को एकजुट रखने को लेकर बेहद गंभीर है, लेकिन एआईएमआईएम के प्रस्ताव पर वह असमंजस में है।

एआईएमआईएम ने पहले भी महागठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताई थी, लेकिन आरजेडी ने इसे ठुकरा दिया। लालू यादव और तेजस्वी यादव को डर है कि एआईएमआईएम के साथ गठबंधन से हिंदू वोटरों में नाराजगी बढ़ेगी और बीजेप इसे 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के रूप में प्रचारित करेगी। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने एआईएमआईएम को 'वोट कटुआ' कहा और मनोज झा ने सुझाव दिया कि ओवैसी को चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। यह डर आरजेडी के एमवाई समीकरण को बचाने और हिंदू वोटों को नहीं खोने की रणनीति से उपजा है। लेकिन इससे एआईएमआईएम को अकेले लड़ने का मौका मिल सकता है, जो आरजेडी और महागठबंधन के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकता है।

असदुद्दीन ओवैसी ने दावा किया कि उनका लक्ष्य एनडीए को हराना है और महागठबंधन के साथ गठजोड़ इस लक्ष्य को मजबूत करेगा। लेकिन आरजेडी को लगता है कि एआईएमआईएम का साथ लेने से सीमांचल में सीटों का बंटवारा होगा, क्योंकि एआईएमआईएम 25-30 सीटों की मांग कर रही है, जबकि आरजेडी 8-10 से ज्यादा देने को तैयार नहीं। 2020 में एआईएमआईएम की वजह से आरजेडी को कई सीटों पर नुकसान हुआ था और तेजस्वी इस जोखिम को दोहराना नहीं चाहते। वहीं, जानकारों की नजर में अगर महागठबंधन की बेरुखी दिखाता है तो ओवैसी के लिए थर्ड फ्रंट बनाने की राह बन जाएगी जो आरजेडी के लिए नुकसानदायक हो सकता है। मुहर्रम के दौरान सांप्रदायिक हिंसा और सनातन महाकुंभ जैसे आयोजनों ने बिहार में चुनावी माहौल को तनावपूर्ण बना दिया है। ओवैसी का ऑफर और तेजस्वी यादव का आक्रामक रुख धार्मिक ध्रुवीकरण को हवा दे सकता है। बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने आरजेडी पर तुष्टिकरण का आरोप लगाया, जबकि ओवैसी का कहना है कि वह सामाजिक एकता चाहते हैं। लेकिन बिहार में 18% मुस्लिम आबादी और 80% हिंदू आबादी के बीच बढ़ता तनाव सियासी रणनीतियों को जटिल बना रहा है। राजनीतिक-सामाजिक विश्लेषक चेतावनी दे रहे हैं कि ऐसी सियासत बिहार के सौहार्द को नुकसान पहुंचा सकती है और ऐसे में ओवैसी का महागठबंधन ऑफर लालू और तेजस्वी के लिए सियासी जाल है। इसे स्वीकारने से हिंदू वोटों का नुकसान और ठुकराने से सीमांचल में वोट बंटवारा हो सकता है, जबकि एआईएमआईएम अपनी छवि सुधारने और मुस्लिम वोटों को साधने की कोशिश में है। वहीं आरजेडी की रणनीति एमवाई समीकरण को बचाने की है।गौरतलब है कि कि सीमांचल मुस्लिम बाहुल इलाकों में शामिल है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में एआईएमआई एम के 5 सीटों पर जीत मिली थी। हालांकि, 5 में से 4 एआईएमआई एम विधायक आरजेडी का दामन थाम चुके हैं। बेशक एआईएमआई एम के विधायक आरजेडी में शामिल हुए लेकिन आरजेडी को फायदे के बदले नुकसान हुआ। एआईएमआई एम द्वारा गोपालगंज और कुढ़नी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में अपने प्रत्याशी खड़े किए गए थे और दोनों ही जगह आर जे डी यानि महागठबंधन के प्रत्याशियों की हार हुई। सियासी जानकारों के मुताबिक, महागठबंधन दलों का खेल अगर किसी ने बिगाड़ा तो सबसे ज्यादा एआईएमआई एम ने।

सीमांचल इलाकों में 70 फीसदी मुस्लिम आबादी है और एआईएमआई एम मुस्लिमों को ही अपना वोट मुख्य रूप से मानती है। सीमांचल में 24 विधानसभा सीटें और 4 लोकसभा सीटें हैं। ऐसे में ओवैसी को अच्छी तरह पता है कि उन्हें क्या करना है। ओवैसी ना सिर्फ महागठबंध का खेल बिगाड़ेंगे बल्कि भाजपा के लिए भी बेचैनी बढ़ाने का काम करेंगे। पहले भी सीमांचल में एआईएमआई एम को लाभ ही मिला था ऐसे में भाईजान यानि ओवैसी अपनी खोई हुई ताकत को फिर से सीमांचल में वापस पाना चाह रहे हैं।

घुसपैठियों के साथ क्यों खड़े हैं विपक्षी दल

राजेश कुमार पासी

भारत के दूसरे विभाजन की नींव कांग्रेस ने विभाजन के दौरान ही रख दी थी. हम लाख कोशिश कर ले लेकिन हमारी तीसरी पीढ़ी के बाद की कोई एक पीढ़ी इस विभाजन की गवाह बन सकती है । आप कितनी भी सम्पति इकट्ठी कर ले लेकिन एक दिन खाली हाथ देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में जाना ही होगा जैसा कि 1947 में एक बार हो चुका है। इसकी बड़ी वजह यह है कि आरक्षण के लिए सवर्ण समाज जिस महापुरुष बाबा साहब अम्बेडकर को कोसता है, उनकी एक सलाह को कांग्रेस के नेतृत्व ने मानने से इनकार कर दिया था । बाबा साहब चाहते थे कि विभाजन से पहले दोनों देशों में आबादी की अदलाबदली हो जाए लेकिन कांग्रेस ने उनकी इस सलाह को सिरे से नकार दिया । सरदार पटेल भी ऐसा चाहते थे लेकिन कांग्रेस में उस समय वही होता था जो गांधी और नेहरू चाहते थे । बाबा साहब का कहना था कि भारत से गरीब देशों ने विभाजन से पहले आबादी की अदलाबदली की है क्योंकि ऐसा न करना दूसरे विभाजन को जन्म देना होगा । उनका कहना था कि अगर आबादी की अदलाबदली नहीं होती है तो समस्या वहीं खड़ी रहेगी और देश दंगों की आग में जलता रहेगा । आजादी के बाद हम अपने देश को लगातार दंगों की आग में जलता देख रहे हैं क्योंकि कांग्रेस ने इसका इंतजाम विभाजन के दौरान ही कर दिया था । आजादी के बाद कांग्रेस लगातर ऐसे हालात पैदा कर रही है कि भविष्य में भारत का एक और विभाजन हो जाए । विभाजन के बाद इस देश में मुस्लिमों की बड़ी आबादी भारत में रूक गई और पाकिस्तान में भी बड़ी आबादी हिन्दुओं की रूक गई । पाकिस्तान और बांग्लादेश धीरे-धीरे हिन्दुओं की बड़ी आबादी को खत्म कर चुके हैं और बची खुची को जल्दी ही समाप्त कर देंगे लेकिन भारत में मुस्लिमों की आबादी लगातार बढ़ती जा रही है । इसका पहला कारण तो यह है कि विभाजन के बाद भी भारत में मुस्लिमों का आना जारी रहा है और दूसरी सबसे बड़ी वजह यह है कि मुस्लिमों की जन्मदर हिन्दुओं के मुकाबले बहुत ज्यादा है । इसके अलावा बड़ी मात्रा में हिन्दुओं का धर्मपरिवर्तन आज भी जारी है । भारत ने विभाजन के बाद एक बड़ी समस्या का सामना किया है और वो मुस्लिमों की अवैध घुसपैठ की समस्या है । अवैध घुसपैठ भारत की बड़ी समस्या है. एक अनुमान के अनुसार भारत में लगभग 6 करोड़ बांग्लादेशी, रोहिंग्या और अन्य मुस्लिम देशों से आए अवैध घुसपैठ रह रहे हैं । वास्तव में भारत के विभाजन के लिए मुस्लिम लीग जिम्मेदार थी लेकिन आज तो भारत में कई मुस्लिम लीग हैं । जिन्हें हम सेकुलर पार्टियां बोलते हैं उनमें से ज्यादातर मुस्लिम लीग से भी ज्यादा साम्प्रदायिक सोच वाली पार्टियां हैं । मुस्लिम लीग मुसलमानों के लिए समान अधिकार मांगती थी लेकिन ये पार्टियां तो मुस्लिमों के लिए विशेषाधिकार मांगती हैं । आप सोचिए पाकिस्तान से आए हिन्दुओं की सम्पत्ति को पाकिस्तान की सरकार ने 1948 में ही शत्रु सम्पत्ति कानून बनाकर कब्जे में ले लिया था लेकिन भारत में इस सम्बंध में कांग्रेस ने 1968 तक कोई कानून ही नहीं बनाया । एक तरफ पाकिस्तान ने अपने देश में हिन्दुओं की छोड़ी गई सम्पत्ति को 1948 में ही कब्जे में ले लिया और भारत में आज तक मुकदमें चल रहे हैं ।

कांग्रेस का कमाल तो यह था कि 1968 में कानून बनाकर उसने पाकिस्तान गए मुस्लिमों की सम्पत्ति को कब्जे में लेने की जगह संरक्षित कर दिया था । पाकिस्तान में विस्थापितों के पुनर्वास की कोई समस्या नहीं आई क्योंकि उसने हिन्दुओं की सम्पत्ति उनके हवाले कर दी थी लेकिन भारत में विस्थापित भटकते रहे क्योंकि यहां उन्हें मुस्लिमों द्वारा छोड़ी सम्पत्ति से दूर रहने को कहा गया था । ये मुस्लिम तुष्टिकरण की समस्या आज भी हमारे देश में बनी हुई है । पहले सिर्फ कांग्रेस ऐसा कर रही थी लेकिन अब भाजपा के अलावा अन्य विपक्षी पार्टियां भी इस काम में जुट गई हैं । भारत का विभाजन इसलिए नहीं होगा क्योंकि मुस्लिम ऐसा चाहते हैं बल्कि इसलिए होगा क्योंकि विपक्षी दल ऐसा चाहते हैं । विपक्षी दल मुस्लिमों को मुख्यधारा में शामिल होने से रोकने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं । ये दल उन्हें विशेष होने का अहसास कराने के लिए देश की मुख्यधारा से जुड़ने नहीं दे रहे हैं । सभी विपक्षी दल एनआरसी का विरोध करते हैं क्योंकि वो नहीं चाहते हैं कि भारत में अवैध रूप से रह रहे मुस्लिमों के खिलाफ कोई कार्यवाही की जा सके । कोई भी देश में अपने देश में किसी को नागरिकता बहुत सोच समझकर देता है लेकिन भारत में करोड़ो लोग अवैध घुसपैठ करके भारतीय नागरिक बनकर रह रहे हैं । ये घुसपैठिए न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को चौपट कर रहे हैं बल्कि मतदाता बनकर सरकार भी चुन रहे हैं । ये घुसपैठिए विपक्षी दलों के बड़े वोट बैंक हैं इसलिए विपक्षी दल नहीं चाहते हैं कि इनके खिलाफ कोई कार्यवाही हो । चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के सत्यापन और पुनरीक्षण का काम शुरू कर दिया है । जब से चुनाव आयोग ने इस काम को शुरू किया है, देश के विपक्षी दल चुनाव आयोग के विरोध में खड़े हो गए हैं । इस काम को रूकवाने के लिए ये लोग सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं ताकि अवैध घुपपैठियों का नाम मतदाता सूची से न हटे ।

सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक तो नहीं लगाई है लेकिन 10 जुलाई से इस पर विस्तार से सुनवाई करने का फैसला किया है । विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सरकार चुनाव आयोग के माध्यम से कुछ लोगों को मताधिकार से वंचित करना चाहती है । इसका इस्तेमाल मतदाता सूचियों के आक्रामक और अपारदर्शी संशोधनों को सही ठहराने के लिए किया जा रहा है, जो मुस्लिम, दलित और गरीब प्रवासी समुदायों को असंगत रूप से लक्षित करते हैं । इसका भी विरोध किया जा रहा है कि इसकी शुरूआत बिहार से क्यों की जा रही है । सवाल यह है कि अगर यह सही है तो बिहार से शुरू करने में क्या बुराई है । कहा जा रहा है कि चुनाव आयोग अपने मनमाने और अनुचित आदेश से राज्य में करोड़ो मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना चाहता है । इसे मौलिक अधिकारों का हनन बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है । ममता बनर्जी ने इसे एनआरसी से भी ज्यादा खतरनाक बताया है । अगले साल बंगाल में चुनाव होने वाले हैं इसलिए वो अभी से मोर्चा खोकर बैठ गई हैं क्योंकि बंगाल में अवैध घुसपैठियों के भारी संख्या में होने का अनुमान है। चुनाव आयोग यह कार्यवाही संविधान के अनुच्छेद-326, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम और निर्वाचन पंजीकरण नियमावली 1960 के नियमों के अनुरूप कर रहा है । सवाल यह है कि जब चुनाव आयोग अपने संवैधानिक दायित्वों का पालन कर रहा है तो इससे लोकतंत्र की हत्या कैसे हो रही है और कैसे नागरिकों के अधिकार छीने जा रहे हैं । महाराष्ट्र में 40 लाख मतदाता बढ़ गए तो यही विपक्ष शोर मचा रहा था।

ब्रिक्स बनाम अमेरिका टैरिफ युद्ध की नई दस्तक

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

वैश्विक मंच पर एक नया तूफान खड़ा हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ताजा चेतावनी ने ब्रिक्स देशों के साथ व्यापारिक और भू-राजनीतिक तनाव को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। 9 जुलाई 2025 को समाप्त होने वाली जवाबी टैरिफ की समयसीमा और ब्राजील में चल रहे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बीच ट्रम्प का यह बयान कि ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीतियों का समर्थन करने वाले देशों पर 10% अतिरिक्त टैरिफ लगेगा, वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। यह केवल व्यापार युद्ध की शुरुआत नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन में एक गहरी दरार का प्रतीक है।

अमेरिका द्वारा लगाए गए जवाबी टैरिफ की कहानी अप्रैल 2025 से शुरू होती है, जब ट्रम्प प्रशासन ने विश्व भर के व्यापारिक साझेदारों पर 10% से 49% तक टैरिफ की घोषणा की थी। भारत जैसे देशों पर 26% टैरिफ लगाया गया, जबकि चीन पर 34% और दक्षिण अफ्रीका पर 30% टैरिफ निर्धारित किया गया। हालांकि, वैश्विक दबाव के चलते इन टैरिफ को 90 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया, जिसकी समयसीमा अब 9 जुलाई को समाप्त हो रही है। ट्रम्प ने 7 जुलाई को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर ऐलान किया कि 12 देशों को टैरिफ पत्र भेजे जाएंगे, जिनमें कोई अपवाद नहीं होगा। यह कदम न केवल ब्रिक्स देशों को निशाना बनाता है, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था को भी चुनौती देता है।

ब्रिक्स समूह, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका के साथ-साथ मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे नए सदस्य शामिल हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक प्रभावशाली शक्ति बन चुका है। 2024 में चार नए देशों और 2025 में इंडोनेशिया के शामिल होने से इस समूह का दायरा और बढ़ गया है। ब्रिक्स देशों की कुल जनसंख्या विश्व की लगभग आधी है, और यह समूह वैश्विक जीडीपी का 40% और व्यापार व निवेश प्रवाह का 25% हिस्सा नियंत्रित करता है। ऐसे में, ब्रिक्स का बढ़ता प्रभाव अमेरिका के लिए असहजता का कारण बन रहा है, खासकर जब यह समूह अमेरिकी डॉलर की वैश्विक प्रभुता को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है। 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रियो डी जेनेरियो में जारी संयुक्त घोषणापत्र में ब्रिक्स देशों ने अमेरिका की एकतरफा टैरिफ नीतियों की कड़ी आलोचना की। घोषणापत्र में कहा गया कि टैरिफ और गैर-टैरिफ उपाय वैश्विक व्यापार को विकृत करते हैं और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का उल्लंघन करते हैं। ब्रिक्स ने एक खुले, निष्पक्ष, और नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की वकालत की, जो वैश्विक मंदी और धीमी वृद्धि को रोकने के लिए आवश्यक है। इस बयान ने ट्रम्प के गुस्से को और भड़का दिया, जिन्होंने इसे अमेरिका विरोधी करार देते हुए 10% अतिरिक्त टैरिफ की धमकी दी।

ट्रम्प का यह रुख नया नहीं है। जनवरी 2025 में भी उन्होंने ब्रिक्स देशों को चेतावनी दी थी कि अगर वे डॉलर के विकल्प के रूप में नई मुद्रा विकसित करते हैं, तो 100% टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। यह धमकी ब्रिक्स की उस महत्वाकांक्षा से जुड़ी है, जिसमें वह अमेरिकी डॉलर और यूरो पर वैश्विक निर्भरता को कम करने के लिए एक वैकल्पिक भुगतान प्रणाली या नई मुद्रा की दिशा में काम कर रहा है। 2022 के 14वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में इस विचार की नींव रखी गई थी, और रूस-चीन जैसे देशों ने रूबल और युआन में 95% व्यापार शुरू कर इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं।

भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से जटिल है। एक ओर, भारत ब्रिक्स का एक प्रमुख सदस्य है, जो वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। दूसरी ओर, अमेरिका के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी और 8 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार इसे टैरिफ युद्ध में नाजुक स्थिति में डालता है। भारत ने अप्रैल में लगाए गए 26% टैरिफ को पूरी तरह हटाने की मांग की है, और दोनों देशों के बीच सितंबर-अक्टूबर तक एक अंतरिम व्यापार समझौते की उम्मीद है। हालांकि, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने स्पष्ट किया है कि भारत राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देगा और किसी भी डेडलाइन के दबाव में समझौता नहीं करेगा।ट्रम्प की नीतियों का प्रभाव केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और रत्न-आभूषण जैसे क्षेत्र, जो भारत के लिए 14 अरब और 9 अरब डॉलर के निर्यात बाजार हैं, इस टैरिफ युद्ध से बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि, फार्मास्यूटिकल्स और ऊर्जा क्षेत्रों को फिलहाल छूट दी गई है, जो भारत के 12.2 अरब डॉलर के दवा निर्यात के लिए राहत की बात है। फिर भी, विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय में टैरिफ में बदलाव इन क्षेत्रों को भी प्रभावित कर सकते हैं।

स्वस्थ जीवनशैली दवा से अधिक लाभकारी

विजय गर्ग

दुनिया में एक बड़ी आबादी डायबिटीज से पीड़ित है। डायबिटीज को कई रोगों की जननी भी माना जाता है। एक अध्ययन के अनुसार, एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाना एंटी डायबिटीज दवा मेटफार्मिन के उपयोग से अधिक प्रभावी है और इसके लाभ 20 वर्षों बाद भी बने रहते हैं।1996 में शुरू किए गए यूएस डायबिटीज प्रिवेंशन प्रोग्राम में 22 राज्यों के 30 संस्थानों से 3,234 प्रीडायबिटीज वाले मरीजों को शामिल किया गया। इस अध्ययन का उद्देश्य मेटफार्मिन का उपयोग और स्वस्थ जीवनशैली में संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, और पर्याप्त नींद शामिल है के लाभों की तुलना करना था। संतुलित आहार में फल, सब्जियां, साबुत अनाज और कम वसा वाले प्रोटीन का सेवन व प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों, शर्करा युक्त पेय पदार्थों और अत्यधिक वसा वाले खाद्य पदार्थों से बचें। यूएस के न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पाया कि जीवनशैली में बदलाव करने से डायबिटीज के बढ़ने में 24 प्रतिशत की कमी आई, जबकि एंटी डायबिटीज दवा ने 17 प्रतिशत तक कम किया। ये निष्कर्ष द लैंसेट डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलाजी जर्नल में प्रकाशित हुए। टीम ने नोट किया कि दोनों दृष्टिकोणों मेटफार्मिन लेने व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के बीच के अंतर पहले कुछ वर्षों में देखे गए और ये स्थायी थे। जीवनशैली में बदलाव ज्यादा प्रभावी : पहले तीन वर्षों के बाद जीवनशैली में बदलाव जैसे वजन कम करना और शारीरिक गतिविधि बढ़ाना टाइप दो डायबिटीज के मामलों में 58 प्रतिशत की कमी लाए, जबकि मेटफार्मिन के साथ यह कमी 31 प्रतिशत थी। न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय के स्कूल आफ मेडिसिन के प्रोफेसर एमेरिटस बल्लभ राज शाह ने कहा कि डाटा यह सुझाव देता है कि जो लोग डायबिटीज से प्रभावित नहीं हुए, वे 22 वर्षों बाद भी डायबिटीज से प्रभावित नहीं हुए। जीवनशैली में बदलाव समूह के प्रतिभागियों ने डायबिटीज के बिना अतिरिक्त 3.5 वर्ष बिताए, जबकि मेटफार्मिन समूह के प्रतिभागियों ने 2.5 वर्ष का अतिरिक्त लाभ उठाया। शाह ने आगे कहा कि तीन वर्षों के भीतर (अध्ययन शुरू होने के बाद), उन्हें अध्ययन रोकना पड़ा क्योंकि जीवनशैली मेटफॉर्मिन से बेहतर थी। इसका मतलब है कि जीवनशैली जिस पर सभी भरोसा कर रहे हैं अधिक प्रभावी है। शोध लेखकों ने लिखा, फालोअप के दौरान प्लेसबो की तुलना में (इंटेंसिव लाइफस्टाइल इंटरवेंशन) समूह में डायबिटीज के घटने की दर 24 प्रतिशत कम हुई व मूल मेटफार्मिन समूह में यह 17% कम हुई। इसके परिणामस्वरूप 3.5 वर्ष और 2.5 वर्ष के बीच डायबिटीज फ्री सर्वाइवल में वृद्धि हुई। **विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट**

कोकिला व्रत : इस व्रत से कुंवारी कन्याओं को मिलता है मनचाहा वर

कोकिला व्रत आसाढ़ पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह व्रत इस बार 10 जुलाई 2025 को पड़ रहा है। कोकिला व्रत भगवान शिव और माता सती को समर्पित व्रत है। इसे उत्तर प्रदेश बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के क्षेत्र में खास तौर पर मनाया जाता है। इस व्रत में देवी सती से अपने वैवाहिक सुख और समृद्धि की कामना की जाती है।

हिंदू धर्म में कोकिला व्रत का खास महत्व है। यह आषाढ़ मास की पूर्णिमा पर रखा जाता है। आषाढ़ मास के पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन गुरुओं की पूजा करने का भी विधान है साथ इस दिन शिव और सती की पूजा की जाती है। इस दिन खासकर शिव के साथ सती माता को एक कोयल के रूप में स्थापित किया जाता है, उनको सजाया जाता है और उनकी पूजा की जाती है।

माना जाता है कि इस व्रत को करने से वैवाहिक जीवन की परेशानियां दूर हो जाती है, वहीं कुंवारी कन्याएं अगर इस व्रत को करती हैं तो उन्हें अच्छे वर की प्राप्ति होती है। इस पूजा को विधि विधान से करने से सुख-समृद्धि और परिवार में खुशहाली का वरदान मिलता है।

कोकिला व्रत का शुभ मुहूर्त

इस बार आषाढ़ पूर्णिमा 10 जुलाई को सुबह 1:26 पर शुरू हो रही है वहीं इसका समापन 11 जुलाई 2025 को सुबह 2:06 पर हो जाएगा।

प्रदोष पूजा का मुहूर्त

कोकिला व्रत में प्रदोष पूजा का विधान है प्रदोष पूजा का मुहूर्त शाम 7:22 से 9:24 तक रहेगा।

कोकिला व्रत पूजा की विधि

कोकिला व्रत पूजा में भगवान शिव और सती की पूजा प्रदोष काल में की जाती है। शाम के समय स्नान करके पूजा की तैयारी की जाती है। कई इलाकों में इस दिन जड़ी बूटियों से स्नान के परंपरा भी है। इस दिन माता सती की कोयल के रूप में पूजा की जाती है तो उसी रूप में उनको भगवान शिव के संग स्थापित किया जाता है। देवी सती के प्रतीक के रूप में मिट्टी की एक कोयल की मूर्ति बनाई जाती है। उस मूर्ति को विधिपूर्वक सजाया जाता है और साथ ही भगवान शिव को भी स्थापित किया जाता है।

भगवान शिव को बेलपत्र, दूध, दही, धतूरा, मौसमी फल चढ़ाएं जाते हैं।

इस दिन भगवान शिव और माता सती का अभिषेक त्रिवेणी जल से किया जाता है। पूजा के बाद भगवान शिव और माता सती की आरती की जाती है। इस व्रत में अनाज का सेवन नहीं किया जाता और इसका पारण अगले दिन किया जाता है।

कोकिला व्रत का महत्व

मान्यता है कि भगवान शिव को प्राप्त करने के लिए माता सती ने यह व्रत किया था। जब माता सती अग्नि में भस्म हो गई थीं, उसके बाद उन्होंने कोयल का जन्म लिया था और 10,000 साल तक कोयल के रूप में जंगल में रहकर भगवान शिव की पूजा और अर्चना की थी, जिसके बाद ही उनको पर्वत राज हिमालय के घर पार्वती के रूप में पुनर्जन्म प्राप्त हुआ था।

मान्यता है कि इस दिन किए गए व्रत से सुख और सौभाग्य की वृद्धि होती है। वैवाहिक सुखों में वृद्धि होती है साथ ही कुंवारी कन्याओं को इस व्रत को करने से उनका मनचाहा वर मिलता है।

आषाढ़ पूर्णिमा को क्यों कहते हैं गुरु पूर्णिमा, क्या है इसका महत्व

पूर्णिमा तिथि हर महीने मनाई जाती है। इस दिन भगवान विष्णु की आराधना की जाती है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करना शुभ माना जाता है। जानते हैं साल 2025 में आषाढ़ माह की पूर्णिमा कब है, जानें शुभ मुहूर्त।

आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि को गुरु पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। इस दिन को गुरुओं की पूजा के लिए निर्धारित किया गया है। इस दिन लोग अपने गुरुओं का सम्मान करते हैं जिन्होंने जीवन में उनका मार्ग-दर्शन किया हो और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया हो। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को महर्षि वेद -व्यास जी का जन्म हुआ था, इसीलिए इसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जानते हैं। यह दिन गुरु और शिष्य के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है।

आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि पर गंगा नदी में स्नान दान का विशेष महत्व है। गुरु पूर्णिमा के इस विशेष दिन पर गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपना प्रथम उपदेश दिया था। गुरु पूर्णिमा को बौद्धों द्वारा गौतम बुद्ध के सम्मान में भी मनाया जाता है। साल 2025 में गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई 2025 गुरुवार के दिन मनाई जाएगी।

आषाढ़ पूर्णिमा 2025 तिथि

पूर्णिमा तिथि की शुरूआत 10 जुलाई, रात 01:36 मिनट पर होगी।

पूर्णिमा तिथि समाप्त 11 जुलाई को रात 02:06 मिनट पर होगी।

हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व है। इस दिन किसी पवित्र नदी में स्नान-दान किया जाता है। संभव को तो इस दिन पवित्र नदियों में स्नान अवश्य करें और संभव ना हो तो नहाने के पानी में गंगा जल मिलाकर स्नान अवश्य करें। इस दिन पाले वस्त्र पहनकर पूजा करें, ऐसा करने से भाग्य में वृद्धि होती है और आर्थिक कार्यों में तेजी से सफलता मिलती है।

2025 में आषाढ़ माह कब से कब तक रहेगा?

आषाढ़ माह की पूर्णिमा 10 जुलाई, 2025 बुधवार को है मनाई जाएगी। यह आषाढ़ माह का आखिरी दिन है। इसके बाद से श्रावण माह शुरू हो जाएगा।

आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा क्यों कहते हैं?

आषाढ़ माह की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। इस दिन अज्ञान को हटा कर प्रकाश की ओर लेकर जाने वाले गुरु का सम्मान किया जाता है।

11 जुलाई से शुरू होगा सावन : भगवान शिव का प्रिय महीना है सावन

हिंदू पंचांग का पांचवां महीना सावन 11 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह महीना भगवान शिव को समर्पित है। इसे 'शिव जी का प्रिय मास' माना जाता है। इस महीने में वर्षा, हरियाली और शिव भक्ति का अद्भुत योग बनता है।

पौराणिक मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय जब हलाहल विष निकला था, तब भगवान शिव ने उसे पी लिया, लेकिन विष को अपने कंठ में रोक लिया था, जिससे उनका कंठ नीला पड़ गया और वे नीलकंठ कहलाए। विष के कारण शिव जी के शरीर में तेज जलन हो रही थी, जिसे शांत करने के लिए ऋषि-मुनियों और अन्य देवताओं ने शिव जी का ठंडे जल से अभिषेक किया था, जिससे शिव जी की जलन शांत हुई थी। इसी मान्यता की वजह से शिवलिंग पर जल चढ़ाया जाता है। सावन में वर्षा ऋतु के कारण वातावरण में नमी और ठंडक रहती है, जो कि शिव जी को विशेष प्रिय है।

एक अन्य मान्यता है कि सावन मास में देवी पार्वती ने शिव जी को पति रूप में पाने के लिए तप शुरू किया था। इस मान्यता की वजह से भी शिव जी को सावन महीना प्रिय माना जाता है।

सावन में कांवड़ यात्रा करने की परंपरा

सावन में कांवड़ यात्रा करने की परंपरा है। शिवभक्त यानी कांवड़िए गंगा जैसे पवित्र नदियों से जल भरकर पैदल चलकर अपने क्षेत्र के शिवलिंगों पर जलाभिषेक करते हैं। ये यात्रा उत्तर भारत, विशेषकर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में बड़े धूमधाम से होती है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं बिल्व पत्र

सावन में शिव पूजा में बिल्वपत्र, भांग, धतूरा, दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल चढ़ाना चाहिए। शिवलिंग पर जलधारा चढ़ाने के साथ 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जप करना चाहिए। शिवलिंग पर चंदन का लेप भी करना चाहिए।

ऐसे कर सकते हैं सावन सोमवार का व्रत

सोमवार की सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। शिवलिंग का गंगाजल व पंचामृत से अभिषेक करें।

बिल्वपत्र, धतूरा, चावल, फल-फूल चढ़ाएं।

शिव चालीसा या रुद्राष्टक का पाठ करें।

दिन भर फलाहार करें और शाम को कथा व आरती करें।

व्रत का पारण अगले दिन करें।

मनचाहा जीवन साथी पाने की कामना से करते हैं सावन में व्रत

सावन का महीना महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और कुंवारी कन्याएं मनचाहा वर की प्राप्ति हेतु शिव की पूजा करती हैं। इस माह में हरियाली तीज, नाग पंचमी, रक्षा बंधन जैसे त्योहार भी आते हैं। महिलाएं इस समय हरी चूड़ियां, हरी साड़ी और मेहंदी लगाकर उत्सव मनाती हैं, जो सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है।

गुरु का ध्यान करके शुरू करना चाहिए बड़े काम

वेदव्यास ने गांधारी को दिया था 100 पुत्रों की माता होने का वरदान

गुरुवार, 10 जुलाई को आषाढ़ मास की पूर्णिमा यानी गुरु पूर्णिमा है। द्वापर युग में आषाढ़ मास की पूर्णिमा पर महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था। इसी वजह से ये तिथि गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाई जाती है। ये गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का पर्व है। गुरु के ज्ञान की वजह से हम जीवन में सफलता हासिल करते हैं, इस दिन गुरु की पूजा करनी चाहिए। उनका मूल नाम कृष्णद्वैपायन था।

महर्षि वेदव्यास चारों वेदों ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद का संपादन किया था। वेदव्यास ने सभी पुराणों की रचना की। वेदव्यास" कहा गया। वेदों का सार ब्रह्मसूत्र भी उन्होंने इसी दिन रचा था। महर्षि वेदव्यास ने महाभारत और फिर श्रीमद्भागवत कथा की भी रचना की है।

भगवान विष्णु के अवतार हैं महर्षि वेदव्यास

महर्षि वेदव्यास भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं। वे अष्टचिरंजीवियों में से एक हैं यानी वे हमेशा जीवित रहेंगे और कभी बूढ़े भी नहीं होंगे। वेदव्यास हर युग में उपस्थित रहते हैं। इनके पिता महर्षि पाराशर और माता सत्यवती थीं। एक द्वीप पर तपस्या करने से इनका रंग श्याम हो गया। इस कारण इनका नाम कृष्णद्वैपायन पड़ा।

गुरु का ध्यान करके शुरू करना चाहिए बड़े काम

गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु-शिष्य परंपरा का प्रतीक है। इस दिन गुरु की पूजा करनी चाहिए, लेकिन अगर हम गुरु से साक्षात नहीं मिल पा रहे हैं तो गुरु का ध्यान करते हुए भी पूजा कर सकते हैं। शास्त्रों के अनुसार गुरु की मानसिक पूजा का भी की जा सकती है। रामायण में जब भगवान राम सीता स्वयंवर में शिव धनुष उठाने जा रहे थे, तब उन्होंने पहले मन ही मन अपने गुरु का ध्यान किया था। इसी तरह हम भी जब कोई बड़ा काम शुरू करते हैं तो अपने गुरु का ध्यान जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से काम में सफलता मिलती है।

ये थे वेदव्यास के शिष्य

महर्षि वेदव्यास के प्रमुख शिष्यों में पैल, जैमिन, वैशम्पायन, सुमन्तु मुनि और रोमहर्षण जैसे महान ऋषि थे। उनके ज्ञान और तप से ही पांडवों के पिता पांडु, धृतराष्ट्र और विदुर का जन्म हुआ था। यह वेदव्यास की तप शक्ति और दिव्य कृपा का ही परिणाम था।

गांधारी को दिया था सौ पुत्रों का वरदान

महाभारत में जब महर्षि वेदव्यास हस्तिनापुर आए, तब गांधारी ने उनकी सेवा की। प्रसन्न होकर उन्होंने गांधारी को सौ पुत्रों की माता होने का वरदान दिया। गर्भवती होने पर गांधारी के गर्भ से मांस का एक पिंड निकला। वेदव्यास ने इस पिंड को सौ टुकड़ों में बांटा और सौ घी से भरे कुंडों में रखवा दिया। कुछ समय बाद उन्हीं कुंडों से गांधारी के सौ पुत्र उत्पन्न हुए, जो कौरव कहलाए।

सावन में करें इन चीजों से परहेज

भोलेनाथ का प्रिय मास श्रावण माना जाता है। इस वर्ष 11 जुलाई से शुरू हो रहा है। बड़े बुजुर्ग अक्सर कहते हैं कि इस मास में कुछ चीजें वर्जित हैं। उसका धार्मिक ही नहीं वैज्ञानिक कारण भी होता है। इन दिनों कई लोग अपने दैनिक जीवन में बदलाव करते हैं। इसमें लोग रहन-सहन से लेकर अपने खाने-पीने के तरीकों में भी बदलाव करते हैं।

भारत के गांवों में, विशेषकर हिंदी पट्टी में, एक लोकोक्ति बहुत मशहूर है जो बड़े सहज भाव से बताती है कि किस मौसम में क्या खाएं और किस चीज से परहेज करें। इसी लोक कहावत में 'सावन साग न भादो दही' का जिक्र है। सावन में दूध से बने उत्पादों का सेवन करने से इसलिए बचना चाहिए क्योंकि इन दिनों जमीन में दबे अधिकांश कीड़े ऊपर आ जाते हैं और घास या हरी चीजों को संक्रमित कर देते हैं। घास गाय या भैंस उसी को खाते हैं, जिसका दूध हमारे घरों में आता है, जो कि सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। दही इसलिए नहीं खानी चाहिए क्योंकि इन दिनों वातावरण में नमी और कीटाणुओं की वृद्धि होती है, जिससे हानिकारक बैक्टीरिया पनपते हैं। इसके अलावा, दही की तासीर ठंडी होती है, जिससे सर्दी-जुकाम होने का डर भी रहता है।

आयुर्वेद का मत है कि बारिश के कारण लोगों की पाचन शक्ति कमजोर होती है, वहीं, लहसुन और प्याज की तासीर गरम होती है, जिसे खाने से पेट फूलना, गैस और अपच होने की संभावना रहती है।

चरक संहिता में सावन के महीने में बैंगन न खाने की सलाह दी गई है, जिसका मुख्य कारण इसकी प्रकृति और पाचन पर पड़ने वाला प्रभाव है। बैंगन को 'गंदगी में उगने वाली सब्जी' माना जाता है, और सावन में नमी के कारण इसमें कीड़े लगने की संभावना अधिक होती है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

सुश्रुत संहिता में सावन में हरी पत्तेदार सब्जियों को खाने से इसलिए वर्जित माना जाता है क्योंकि इस मौसम में जमीन में दबे अधिकांश कीड़े ऊपर आ जाते हैं और हरी पत्तेदार सब्जियों को संक्रमित कर देते हैं, जिससे वायरल इंफेक्शन का खतरा बढ़ने का डर बना रहता है।

गुरु होना सत्ता नहीं, त्याग और समर्पण की पराकाष्ठा है

सुरेश गांधी

गुरु पूर्णिमा केवल परंपरा नहीं है, यह एक प्रतिबद्धता है कि हम स्वयं को बेहतर बनाएंगे। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन में एक सच्चे गुरु का होना कितना आवश्यक है। गुरु वह दीपक हैं, जो हमारे अंतर्मन के अंधकार को मिटाकर हमें सच्चे मार्ग पर ले जाते हैं। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। माता-पिता के बाद यदि किसी का नाम श्रद्धा से लिया जाता है तो वह 'गुरु' है। यह केवल एक सामाजिक भूमिका नहीं है, यह जीवनदायिनी भूमिका है। गुरु वह दीपक हैं, जो स्वयं जलकर शिष्य के अंधकार को मिटाते हैं। गुरु पूर्णिमा इस जीवनदायिनी परंपरा का पर्व है, जो हमें स्मरण कराता है कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए केवल प्रयास नहीं, बल्कि सही दिशा और सच्चा मार्गदर्शक भी आवश्यक है। गुरु पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं, यह भारतीय आध्यात्मिक चेतना का मूल स्रोत है। यह दिन बताता है कि केवल भौतिक उन्नति ही जीवन का लक्ष्य नहीं है, आत्मिक विकास भी आवश्यक है। व्यक्ति जब गुरु की शरण में जाता है, तभी वह अपने भीतर छिपे अंधकार, मोह, अहंकार और भ्रम को पहचानता है और उसका त्याग करता है। गुरु का अर्थ है 'गु' अर्थात अंधकार और 'रु' अर्थात प्रकाश। अर्थात जो अंधकार को हरकर जीवन में प्रकाश लाए, वही गुरु है। जीवन में कई बार हम मार्ग भटक जाते हैं। हमें समझ नहीं आता कि सही क्या है, गलत क्या है। ऐसे में गुरु ही वह प्रकाश पुंज हैं, जो हमें जीवन के वास्तविक उद्देश्य की ओर ले जाते हैं। गुरु सत्ता का कोई उच्च पद नहीं है। वह कोई शक्ति या अधिकार नहीं है। वह तो त्याग और करुणा का सर्वोच्च रूप है। वह स्वयं अपनी स्वतंत्रता, आनंद और परमानंद का त्याग कर, हमें प्रकाश देने के लिए अपने जीवन को समर्पित करते हैं।

गुरु पूर्णिमा का दिन केवल उत्सव नहीं है। यह आत्मनिरीक्षण का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम जीवन में कितने आगे बढ़े हैं? क्या हम सही दिशा में हैं? क्या हमने अपने भीतर का अज्ञान, अहंकार और मोह त्याग दिया है? या हम केवल बाह्य आडंबरों में उलझे हुए हैं? गुरु पूर्णिमा यह स्पष्ट संदेश देता है कि केवल भौतिक उपलब्धियाँ ही जीवन का लक्ष्य नहीं हैं, आत्मिक शांति, संतोष और मोक्ष प्राप्ति ही जीवन की सबसे बड़ी विजय है। भारतीय संस्कृति का मूल संदेश है कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में गुरु और ईश्वर के साथ संबंध स्थापित करना चाहिए। गुरु, भगवान के हृदय से निकलने वाली वह दिव्य किरण हैं, जो हमारे जीवन के तमस और कलुषता को समाप्त करते हैं। गुरु के बिना ईश्वर की प्राप्ति असंभव मानी जाती है। कबीरदास ने भी कहा हैः

"गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाय।
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।।"

यहां कबीरदास ने गुरु को ईश्वर से भी बड़ा माना, क्योंकि गुरु ही वह हैं जो ईश्वर की ओर जाने का मार्ग दिखाते हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन घर-घर में सत्य नारायण भगवान की कथा करवाने का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन सत्य नारायण भगवान की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। साथ ही, नकारात्मक ऊर्जा और संकट टलते हैं। इस दिन व्रत और दान करने से मन को स्थिरता मिलती है और व्यक्ति आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होता है। गुरु पूर्णिमा का यह पावन पर्व महर्षि वेदव्यास जी को समर्पित है। लगभग 3000 ई. पूर्व, आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा के दिन महर्षि वेदव्यास जी का जन्म हुआ था। उन्होंने चारों वेदों को विभाजित किया, महाभारत की रचना की और भागवत पुराण का ज्ञान दिया। इसलिए इस दिन को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। भारतीय दर्शन में वेदव्यास का योगदान अमूल्य है। वेदव्यास ने न केवल शास्त्रों को व्यवस्थित किया, बल्कि जीवन के हर पहलू को सरल भाषा में समाज तक पहुँचाया। वह पहले गुरु माने जाते हैं, जिन्होंने वेदों की गूढ़ता को जन-जन तक सरलता से पहुँचाया। इस दिन घरों में व्रत, पूजा, दान और सत्य नारायण कथा का आयोजन करना अत्यंत शुभ माना गया है। साथ ही, गुरुओं का सम्मान कर उनके प्रति आभार व्यक्त करना भी इस दिन की मुख्य परंपरा है।

गुरु दक्षिणाः कृतज्ञता की सच्ची अभिव्यक्ति

गुरु पूर्णिमा के दिन शिष्यों द्वारा अपने गुरु को गुरु दक्षिणा देने की परंपरा है। यह दक्षिणा केवल भौतिक वस्तु नहीं होती, बल्कि शिष्य के जीवन में लाया गया सकारात्मक परिवर्तन, उसके आचरण में आई शुद्धता और उसके ज्ञान के प्रति श्रद्धा ही गुरु दक्षिणा का सर्वोच्च रूप होती है। इस दिन यह संकल्प लिया जाता है कि हम गुरु के दिखाए मार्ग पर ईमानदारी से चलेंगे और अपने जीवन को सार्थक बनाएंगे।

सामाजिक संदर्भ में गुरु पूर्णिमा

आज के समय में जब जीवन तेज़ रफ्तार में भाग रहा है, गुरु पूर्णिमा का महत्व और भी बढ़ जाता है। आज के युवाओं के पास सूचनाओं की भरमार है, लेकिन जीवन की दिशा का स्पष्ट मार्गदर्शन नहीं है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और प्रतिस्पर्धा के इस युग में गुरु की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। आज भी एक सच्चे गुरु की आवश्यकता है, जो युवाओं को भ्रम, अहंकार और स्वार्थ से निकालकर सत्य, सेवा और सद्गुण की ओर ले जाए।

धार्मिक नहीं, सामाजिकता का पर्व भी है

गुरु पूर्णिमा केवल धार्मिक पर्व नहीं है, यह सामाजिक चेतना का भी संदेश देता है। यह हमें सिखाता है कि समाज में अनुभव, वरिष्ठता और मार्गदर्शन का सम्मान होना चाहिए। आज हम जिस समाज में रहते हैं वहाँ अक्सर वृद्धों, शिक्षकों और मार्गदर्शकों की उपेक्षा होती है। गुरु पूर्णिमा के दिन हमें यह याद करना चाहिए कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए केवल टेक्नोलॉजी नहीं, बल्कि अनुभव और नैतिकता का भी स्थान है।

गुरु और आज का बदलता परिवेश

आज जब दुनिया ग्लोबल हो चुकी है, जीवन की रफ्तार तेज हो चुकी है, ऐसे में गुरु की भूमिका और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है। आज के गुरु केवल धार्मिक नहीं, बल्कि जीवन, करियर, मानसिक स्वास्थ्य, और सामाजिक जिम्मेदारियों में भी मार्गदर्शक बन रहे हैं।

'दादा' की बायोपिक के लिए राजकुमार राव फाइनल?

भारतीय क्रिकेट के 'प्रिंस ऑफ कोलकाता' कहे जाने वाले सौरव गांगुली का आज यानी 8 जुलाई को जन्मदिन है। उनका जन्म 1972 में कोलकाता, पश्चिम बंगाल में हुआ था। भारतीय क्रिकेट को नई आक्रामकता देने वाले गांगुली न सिर्फ शानदार बल्लेबाज रहे हैं, बल्कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट को नेतृत्व के उस मुकाम पर पहुंचाया, जहां से टीम इंडिया ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अब, दादा के चाहने वालों के लिए एक और बड़ी खुशखबरी है। लंबे समय से अटकी पड़ी सौरव गांगुली की बायोपिक को लेकर अब तस्वीर साफ हो गई है। नायक के किरदार को लेकर चली आ रही अटकलों पर अब खुद गांगुली ने विराम लगा दिया है। पश्चिम बंगाल के बर्धमान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सौरव गांगुली ने पुष्टि की कि उनकी बायोपिक में राजकुमार राव मुख्य भूमिका निभाएंगे।

राजकुमार राव निभाएंगे सौरव गांगुली का किरदार

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव का नाम अब सौरव गांगुली की बायोपिक के लिए लगभग फाइनल हो चुका है। खुद 'दादा' ने ही राजकुमार राव के नाम का ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया है कि फिलहाल राजकुमार के पास डेट्स ना होने के चलते फिल्म अगले साल तक ही स्क्रीन पर रिलीज हो सकेगी। गांगुली ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, 'मेरे हिसाब से राजकुमार राव मेरी भूमिका निभाएंगे... लेकिन डेट्स की दिक्कतें हैं, इसलिए फिल्म को रिलीज होने में एक साल से ज्यादा लग सकता है।'

अब तक किन-किन एक्टर्स के आए नाम?

आपको बता दें सौरव गांगुली की बायोपिक फिल्म के लिए रणबीर कपूर और आयुष्मान खुराना जैसे स्टार्स के नाम चर्चा में थे, लेकिन फाइनल चयन राजकुमार राव का हुआ। रणबीर कपूर के पास डेट्स नहीं थीं और आयुष्मान खुराना भी किसी वजह से फिल्म नहीं कर सकते। अब राजकुमार राव अब क्रिकेट की पिच पर बल्ला नहीं, लेकिन अभिनय का कमाल दिखाएंगे। गौरतलब है कि कपिल देव की 83 और एम एस धोनी की बायोपिक फिल्म के बाद सौरव गांगुली तीसरे ऐसे भारतीय क्रिकेटर हैं जिनकी बायोपिक बनने जा रही है।

विक्रमादित्य मोटवानी करेंगे निर्देशन

इस बायोपिक का निर्देशन करेंगे विक्रमादित्य मोटवानी और स्क्रिप्ट लिख रहे हैं अभय कोराणे। फिल्म की शुरुआती तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ने सौरव गांगुली से कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में मुलाकात भी की है।

मैदान से बोर्ड तक, दिखेगा दादा का हर रंग

गांगुली की इस बायोपिक में न सिर्फ उनके 18,575 अंतरराष्ट्रीय रनों की कहानी दिखाई जाएगी, बल्कि उनकी कप्तानी के दौर की आक्रामकता, विवाद, सफलता और भारतीय क्रिकेट पर पड़े उनके प्रभाव को भी उजागर किया जाएगा। साथ ही, फिल्म में गांगुली के प्रशासकीय जीवन पर भी फोकस होगा जैसे कि क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष बनने से लेकर बीसीसीआई अध्यक्ष बनने तक का सफर।

'एम एस धोनी' या '83' जैसी फिल्म की उम्मीद

गौरतलब है कि एम.एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी और 83 जैसी बायोपिक फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की थी। अब दर्शकों को उम्मीद है कि सौरव गांगुली की कहानी भी उन्हें फिर से एक स्पोर्ट्स ड्रामा के रूप में वही जोश और गर्व महसूस कराएगी।

रणवीर की 'धुरंधर' के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर बने राहुल गांधी? लोग बोले- ये किस फील्ड में आ गए

रणवीर सिंह की मच अवेटेड फिल्म 'धुरंधर' की अभी सिर्फ पहली झलक ही सामने आई है, उसके बाद ही लोग इस फिल्म के लिए उत्साहित हो गए हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक सामने आने के बाद लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। रणवीर के लुक से लेकर फिल्म की बाकी कास्ट तक लगातार चर्चा में बनी हुई है। इस बीच पहली झलक के वीडियो में लास्ट के क्रेडिट में एक नाम ऐसा दिखा जिसको लेकर काफी ज्यादा चर्चा हो रही है। ये नाम है एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर राहुल गांधी का। लोग अब इसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जोड़कर इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

नेटिजंस हुए हैरान

'धुरंधर' की पहली झलक में रणवीर और आर माधवन का लुक तो चर्चा का विषय बना ही है। लेकिन फिल्म के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर राहुल गांधी का नाम होना लोगों में अलग ही उत्सुकता पैदा कर गया। नेटीजंस ने इसे कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष

और सांसद राहुल गांधी से जोड़कर सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दीं। एक्स पर एक यूजर ने लिखा, "99 चुनाव हारने के बाद राहुल गांधी जी के करियर में बदलाव। 'धुरंधर' फिल्म के बने एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर। एक अन्य यूजर ने स्लेट पर उनका नाम हाईलाइट करते हुए पूछा, भाई साहब ये किस लाइन में आ गए आप? एक्स पर एक अन्य नेटिजंस ने कहा, राहुल गांधी, 'धुरंधर' के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर?

कई फिल्मों व वेब सीरीज प्रोड्यूस कर चुके हैं राहुल गांधी

हालांकि, 'धुरंधर' के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जिन राहुल गांधी का नाम दिख रहा है, वो कांग्रेस सांसद राहुल गांधी नहीं हैं। वो एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर राहुल गांधी ही हैं। जो इससे पहले भी कई फिल्मों और वेब सीरीज के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर रह चुके हैं। उन्होंने 'वेद', 'मुंबई डायरीज', 'रुस्तम', 'लकी भास्कर', 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई', 'अधूरा', 'रॉकेट बॉयज', 'फर्जी', 'द फैमिली मैन', 'ब्लर' और कई अन्य फिल्मों व वेब सीरीज को प्रोड्यूस किया है।

विजय देवरकोंडा ने टाइटैनिक से की अर्जुन रेड्डी की तुलना

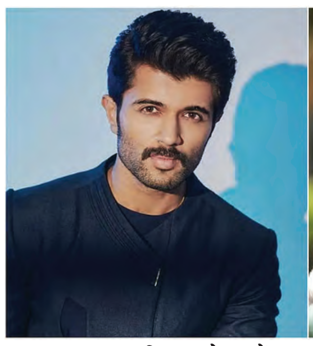

साउथ स्टार विजय देवरकोंडा अपनी आगामी फिल्म 'किंगडम' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। ये फिल्म काफी लंबे वक्त से अटकी हुई है, अब फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है। जिसके बाद फैंस फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। इस दौरान विजय ने अपनी सबसे बड़ी हिट फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' को लेकर बात की। साथ ही आने वाले दिनों में और भी अच्छी फिल्म बनाने का वादा किया।

अर्जुन रेड्डी को हमेशा पसंद किया जाएगा

विजय ने कहा कि वो नहीं चाहते कि लोग 'अर्जुन रेड्डी' को भूल जाएं। एक दोस्त के घर की यात्रा को याद किया जहां कुछ मेहमान उनसे मिलने आए थे क्योंकि उन्हें फिल्म बहुत पसंद आई थी। विजय ने कहा, "यह अच्छी बात है। मैं लंबे समय तक इससे लड़ता रहा क्योंकि मुझे लगता था कि इसे पार करने के लिए मुझे कुछ बेहतर करना होगा मैं चाहता था कि लोग अर्जुन रेड्डी को भूल जाएं। लेकिन हाल ही में, मुझे ये एहसास हुआ कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसे हमेशा पसंद किया जाएगा। अब मेरी कोशिश ऐसा काम नहीं करना है जिससे लोग इसे भूल जाएं।"

मेरा लक्ष्य आगे अच्छा काम करना है

विजय ने आगे कहा कि जैसे मैं लियोनार्डो डिकैप्रियो की 'टाइटैनिक' को हमेशा याद रखूंगा, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह इससे आगे अच्छा काम नहीं कर सकते या नहीं करेंगे। लेकिन वह हमेशा इससे जुड़े रहेंगे। इसलिए लोगों का मेरे साथ ऐसा रिश्ता हो सकता है और अर्जुन रेड्डी की वजह से उनका मेरे प्रति लगाव हो सकता है। इसलिए मैंने उस लड़ाई को एक तरफ रख दिया है और अब मेरा लक्ष्य अच्छी फिल्में बनाना है। यह लोगों को 'अर्जुन रेड्डी' को भूलने के बारे में नहीं है, बल्कि उन्हें अन्य यादगार फिल्में देने के बारे में है।

गुस्सैल-शराबी सर्जन की कहानी है 'अर्जुन रेड्डी'

अर्जुन रेड्डी वो फिल्म है जिसका रीमेक बॉलीवुड में 'कबीर सिंह' बना है। ये फिल्म एक गुस्सैल और शराबी सर्जन की कहानी है। 'अर्जुन रेड्डी' में विजय के साथ शालिनी पांडे प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। इस फिल्म को महिलाओं के साथ गलत बर्ताव और पुरुषों को गलत मैसेज देने के लिए आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा था। लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। इस फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा ने किया था।

किंगडम में नजर आएंगे विजय

वर्कफ्रंट की बात करें तो विजय अब गौतम तिन्ननुरी की 'किंगडम' में नजर आएंगे। एक्शन थ्रिलर में सत्यदेव, भाग्यश्री बोरसे और कौशिक महाता भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 31 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

इस बार "बिग बॉस 19" में सलमान खान पूरी तरह होस्टिंग की जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे

टीवी का सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस' एक बार फिर लौटने के लिए तैयार है। इस बार इसका 19वां सीजन होगा, जो 24 अगस्त से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाएगा। बाद में इसे कलर्स टीवी पर भी प्रसारित किया जाएगा।

सलमान खान पूरे सीजन में नहीं रहेंगे होस्ट

इस बार सबसे बड़ा बदलाव यह है कि सलमान खान पूरे सीजन शो को होस्ट नहीं करेंगे। वह केवल पहले कुछ हफ्तों तक नजर आएंगे और फिर बीच-बीच में एपिसोड्स में शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, करण जौहर, फराह खान और अनिल कपूर जैसे सेलिब्रिटीज अलग-अलग चरणों में शो को होस्ट कर सकते हैं।

अब तक का सबसे लंबा सीजन 'बिग बॉस 19' को लेकर चर्चा है कि यह अब तक का सबसे लंबा सीजन होगा, जो लगभग 5 महीने तक चलेगा।

नए कंटेस्टेंट्स और फ्रेश फॉर्मेट

इस बार शो में 15 से 20 नए कंटेस्टेंट्स होंगे। गौरव तनेजा और अपूर्वा मुखीजा जैसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को भी अप्रोच किया गया है। फॉर्मेट में भी कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

पहले ओटीटी फिर टीवी

इस सीजन को पहले डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर दिखाया जाएगा, उसके बाद टीवी पर आएगा। यानी दर्शकों को इस बार एपिसोड्स पहले मोबाइल पर और बाद में टीवी पर देखने को मिलेंगे।

साउथ के इस दिग्गज एक्टर का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक ना करने की सलाह

साउथ इंडस्ट्री का वह दिग्गज अभिनेता कोई और नहीं, बल्कि मलयालम एक्टर उन्नी मुकुंदन हैं। अभिनेता ने सोमवार को सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को सूचित किया कि उनका इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर लिया गया है और उन्हें भेजे गए किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए। चलिए जानते हैं कि एक्टर ने क्या दी पूरी जानकारी।

अभिनेता ने खुद की पुष्टि

मलयालम अभिनेता उन्नी मुकुंदन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट हैक होने की जानकारी अपने फेसबुक प्लेटफॉर्म से दी। उन्होंने कहा, 'मेरा आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर लिया गया है। उस अकाउंट से आने वाले सभी अपडेट, डीएम, स्टोरी या कंटेंट मेरे द्वारा नहीं हैं - उन्हें हैकर्स द्वारा पोस्ट किया जा रहा है।' इसके अलावा उन्होंने आगे लिखा, 'कृपया इस समय उस अकाउंट से किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, या किसी भी प्रतिक्रिया में व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। हम इस मुद्दे को हल करने के लिए संबंधित टीमों के साथ काम कर रहे हैं। मैं आपको सभी आधिकारिक चैनलों के माध्यम से सूचित करता रहूंगा। आपके समर्थन और सावधानी के लिए धन्यवाद।'

हैकिंग के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं

सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग का मामला आजकल तेजी से बढ़ रहा है। उन्नी मुकुंदन से पहले भी कई एक्टर्स का सोशल मीडिया अकाउंट हैक किया जा चुका है। अभिनेता से पहले स्वरा भास्कर, श्रेया घोषाल, तृषा कृष्णन आदि सितारों के साथ ऐसा हो चुका है। हालांकि, आपको बताते चलें कि उन्नी मुकुंदन ने अभी तक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के रिकवर होने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

उन्नी मुकुंदन का वर्कफ्रंट

उन्नी मुकुंदन के वर्कफ्रंट की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार 'गेट-सेट बेबी' में देखा गया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। वहीं अभिनेता की आगामी फिल्मों की बात करें, तो उन्हें 'मिंडियम परंजुम' में देखा जाएगा, जिसकी रिलीज डेट अभी नहीं आई है।

रश्मिका मंदाना के बयान पर विवाद

खुद को कहा कुर्ग समुदाय की पहली एक्ट्रेस कई एक्ट्रेसेस ने दावे पर जताई नाराजगी

रश्मिका मंदाना अपने उस बयान से विवादों में घिर गई हैं, जिसमें उन्होंने कहा कि वो कुर्ग समुदाय की पहली शख्स हैं, जो फिल्मों में आई हैं। यही वजह रही कि उन्हें घरवालों की नाराजगी का सामना करना पड़ा था। हालांकि एक्ट्रेस का ये दावा पूरी तरह झूठ है। रश्मिका मंदाना से पहले गुलशन देवैया, निधि सुबैया, नेरावंदा प्रेमा और शशिकला जैसी कई एक्ट्रेस और एक्टर कुर्ग समुदाय से फिल्मों में जगह बना चुके हैं। कई कुर्ग एक्ट्रेसेस ने उनके उनके दावे पर नाराजगी जताई है, वहीं सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को जमकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

क्या था रश्मिका मंदाना का बयान

रश्मिका मंदाना ने एक इंटरव्यू में कहा, जब मुझे मेरा पहला चेक मिला, तब घर पर बात करना आसान नहीं था, क्योंकि कुर्ग समुदाय से आज तक किसी ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम नहीं रखा है। मुझे लगता है कि मैं पहली हूं जिसने इस समुदाय से इंडस्ट्री में कदम रखा। लोगों ने बहुत जज किया था।

सोशल मीडिया पर जमकर हुई आलोचना

एक्ट्रेस का बयान सामने आने के बाद 90 के दशक में कुर्ग समुदाय से फिल्मों में आईं एक्ट्रेस प्रेमा ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, मैं क्या कह सकती हूं। कोडावा (कुर्ग) समुदाय को पता है सच्चाई क्या है। आपको इस स्टेटमेंट के बारे में उन्हीं से (रश्मिका) पूछना चाहिए। मुझ से भी पहले शशिकला थीं, जिन्होंने सपोर्टिंग रोल निभाए हैं। फिर मैं इंडस्ट्री में आई, उसके बाद भी कई लोगों ने काम किया है।

वहीं बॉलीवुड और कन्नड़ सिनेमा में काम कर चुकीं कुर्ग समुदाय की एक्ट्रेस निधी सुबैया ने रश्मिका के दावे पर कहा, इसे सीरियस मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। हमें इसे नजरअंदाज करना चाहिए। वो अच्छा काम कर रही है। मैं उसके लिए दुआ करती हूं। प्रेमा हमारी कम्युनिटी की सुपरस्टार थीं। हम हमेशा उन्हें याद करते हैं। मुझे नहीं पता रश्मिका ने ये कमेंट क्यों किया।

इसी समुदाय की एक्ट्रेस हर्शिका पूनाछा ने रश्मिका मंदाना को सपोर्ट किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, उसे माफ कर दें। शायद उसकी जुबान फिसल गई होगी, लेकिन ये कहना कि वो इस समुदाय की पहली एक्ट्रेस है ये गलत है। गुलशन देवैया लंबे समय से बॉलीवुड में काम कर रहे हैं। बताते चलें कि कुर्ग (पहले कोडगु) कर्नाटक का एक अल्पसंख्यक समुदाय है। इस समुदाय की भाषा कोडवा थक्क है।

25 साल बाद टीवी पर 29 जुलाई से शुरू होगा क्योंकि सास भी कभी बहू थी

टेलीविजन का पॉपुलर टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी का दूसरा सीजन जल्द ही टीवी पर प्रसारित होने वाला है। स्टार प्लस द्वारा शो का पहला लुक जारी कर दिया गया है। 25 साल बाद स्मृति ईरानी को तुलसी के किरदार में देखकर फैंस बेहद खुश हैं।

स्मृति ईरानी और स्टार प्लस के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से शो का पहला लुक जारी करते हुए लिखा है, क्या आप अभी भी विश्वास नहीं कर पा रहे। 25 साल के बाद, तुलसी वीरानी लौट रही है, एक नई कहानी के साथ। क्योंकि सास भी कभी बहू थी एक बार फिर तैयार है हर घर का हिस्सा बनने, क्या आप भी तैयार हो।

पहले लुक के साथ ही स्टार प्लस और स्मृति ईरानी ने शो की रिलीज डेट जारी की है। शो 29 जुलाई से स्टार प्लस और जियो हॉटस्टार पर रोजाना रात 10 बजकर 30 मिनट पर आएगा।

जारी किए गए फर्स्ट लुक में तुलसी वीरानी बनीं स्मृति ईरानी पहले की तरह आंगन में लगे तुलसी के पौधे को पानी देती नजर आ रही हैं। टीजर की शुरुआत, एक परिवार से होती है, जो ये चर्चा करते हैं कि तुलसी इतने सालों बाद राजनीति में जा चुकी हैं। अब वो टीवी पर लौटेंगी या नहीं।

बताते चलें कि टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी, इंडियन टीवी इंडस्ट्री के सबसे पॉपुलर शोज में से एक है। पहले सीजन की शुरुआत 3 जुलाई साल 2000 से हुई थी। ये शो 2008 तक चला था। 8 साल में इसके 1833 एपिसोड टेलीकास्ट हुए थे। एकता कपूर के इस शो में स्मृति ईरानी, अमर उपाध्याय, रोनित रॉय, मंदिरा बेदी, सुधा शिवपुरी, गौरी भट्टाचार्या, हितेन तेजवानी, गौरी प्रधान अहम किरदारों में थे।

रोनित रॉय नहीं निभाएंगे मिहिर वीरानी का रोल

इस सीजन में स्मृति ईरानी और अमर उपाध्याय लीड रोल में नजर आने वाले हैं। पिछले सीजन में अमर उपाध्याय के बाद मिहिर की भूमिका निभाने वाले रोनित रॉय ने टीवी पर वापसी से इनकार कर दिया है।

इस शो और किरदारों की दर्शकों के बीच खास पॉपुलैरिटी थी। यही वजह थी कि जब साल 2001 में शो में मिहिर वीरानी को मरता हुआ दिखाया गया तो कई फैंस ने प्रोडक्शन हाउस के बाहर भीड़ लगाकर किरदार की शो में वापसी के लिए विरोध प्रदर्शन किया था। जब मार्च 2001 में मिहिर के किरदार को शो में दोबारा लाया गया तो शो की रेटिंग 22.4 TVR थी, जो टीवी इंडस्ट्री का रिकॉर्ड है।

फ्लाइट में चोरी-छिपे बनाया गया श्रद्धा-राहुल मोदी का वीडियो : रवीना टंडन ने क्रू मेंबर्स को लगाई फटकार, कहा- ये प्राइवेसी का उल्लंघन है

श्रद्धा कपूर और उनके बॉयफ्रेंड राहुल मोदी का एक वीडियो वायरल हो गया। दोनों फ्लाइट में एक-दूसरे के साथ बैठे हुए बातें कर रहे थे। श्रद्धा बॉयफ्रेंड राहुल को अपने फोन में कुछ दिखा रही थीं, तभी फ्लाइट स्टाफ ने चोरी-छिपे उनका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो वायरल होने के बाद रवीना टंडन ने इसे प्राइवेसी का उल्लंघन बताते हुए स्टाफ को फटकार लगाई है।

श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी का वीडियो इंडिया फोरम के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज द्वारा शेयर किया गया था। वीडियो पर रवीना टंडन की नजर पड़ी तो उन्होंने भड़कते हुए कमेंट सेक्शन में लिखा- ये प्राइवेसी का उल्लंघन है। क्रू को ऐसा करने से पहले इस बारे में पता होना चाहिए। सहमति लेनी पड़ेगी। क्रू मेंबर्स से इसकी उम्मीद नहीं की जाती।

रवीना टंडन ही नहीं कई सोशल मीडिया ने भी सेलेब्स के प्राइवेट मूमेंट की तस्वीरें और वीडियो लेने वाले क्रू मेंबर्स की जमकर आलोचना कर रहे हैं। कुछ वीडियो बनाने वाली लड़की को सस्पेंड करने की मांग कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ यूजर्स वीडियो को जल्द से जल्द डिलीट करने की डिमांड कर रहे हैं।

बताते चलें कि श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी कई सालों से रिलेशनशिप में हैं। श्रद्धा अपनी प्राइवेट लाइफ को सार्वजनिक नहीं करतीं, हालांकि दोनों अक्सर एक दूसरे के साथ वेकेशन तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। 35 साल के राहुल मेटल फेब्रिकेशन कंपनी के मालिक अमोद मोदी के बेटे हैं। बिजनेसमैन होने के साथ-साथ राहुल फिल्म इंडस्ट्री का भी हिस्सा हैं। उन्होंने प्यार का पंचनामा, सोनू के टीटू की स्वीटी और तू झूठी मैं मक्कार जैसी फिल्मों में काम किया है। फिल्म आकाशवाणी में वो एसोसिएट प्रोड्यूसर रहे हैं।

'बॉर्डर-2' के बाद भी टी-सीरीज के साथ दिखेंगे दिलजीत

हाल ही में फिल्म फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज की तरफ से कहा गया था कि टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार ने कहा कि वो 'बॉर्डर-2' के बाद दिलजीत दोसांझ के साथ काम नहीं करेंगे। लेकिन अब भूषण कुमार के एक करीबी का दावा है कि इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है।

टी-सीरीज ने भी एक्टर के साथ काम नहीं करने की बात को नकारा है। भूषण कुमार के करीबी का कहना है कि दिलजीत का टी-सीरीज के साथ अच्छा रिश्ता है। वहीं, विवादों के बीच दिलजीत दोसांझ ने 'बॉर्डर 2' की शूटिंग दोबारा शुरू कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वो फ्लाइंग ऑफिसर के रोल में नजर आ रहे थे। वीडियो में दिलजीत पूरी यूनिफॉर्म में शूट करते दिखे और बैकग्राउंड में 'के घर कब आओगे' गाना बज रहा था। इस वीडियो के आने के बाद उनके 'बॉर्डर 2' से बाहर किए जाने की अफवाहों पर भी ब्रेक लग गया।

चिट्ठी लिख बॉर्डर-2 से निकालने की मांग की थी

बता दें कि पंजाबी फिल्म 'सरदार जी-3' में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ करने की वजह से दिलजीत दोसांझ विवादों में हैं। विदेशों में फिल्म के रिलीज होने के बाद से ही इंडस्ट्री में दिलजीत को बैन करने की मांग उठ रही है। फिल्म फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने, सनी देओल, भूषण कुमार और इम्तियाज अली को पत्र लिखा था। फेडरेशन ने सनी देओल से अपील की थी कि वह 'बॉर्डर 2' जैसी देशभक्ति वाली फिल्म में दिलजीत के साथ काम करने पर पुनर्विचार करें। वहीं फेडरेशन ने भूषण कुमार और इम्तियाज अली से भी दिलजीत के साथ काम न करने की मांग की थी।

फिल्म फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज के अध्यक्ष बी एन तिवारी ने कहा था, 'भूषण कुमार ने उनसे दिलजीत को शूटिंग करने देने की गुजारिश की।' उन्होंने बताया कि फेडरेशन ने अब अपना आदेश वापस ले लिया है और एक्टर अब 'बॉर्डर 2' का हिस्सा रहेंगे।

कौन सी शादी में ज्यादा प्यार और कौन सी में एडजस्टमेंट? तुलना सोचने पर मजबूर कर देगी

शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन होती है। लेकिन आज के समय में सबसे बड़ा सवाल है कि शादी कैसी हो, लव मैरिज या अरेंज मैरिज? दो लोगों का खुद से एक दूसरे को पसंद करना और प्यार के जरिए शादी के बंधन में बंधना लव मैरिज कहलाता है। वहीं अरेंज मैरिज में लड़के और लड़की के माता पिता या परिवार के लोग उनके लिए बेहतर पार्टनर की तलाश करते हैं और परिवार की पसंद से शादी होती है।

अब सवाल है कि लव मैरिज और अरेंज मैरिज में से कौन सा रिश्ता ज्यादा मजबूत होता है?

किसमें ज्यादा समझ बनती है और किसमें टूटने की संभावना कम होती है?

इस लेख के माध्यम से प्रेम विवाह और अरेंज मैरिज दोनों के फायदे, चुनौतियां और टिकाऊपन की तुलना को समझ कर रिश्ते को मजबूत और शादी का रिश्ता निभाने के लिए तैयार हो सकते हैं।

लव मैरिज

लव मैरिज को प्रेम विवाह कहा जाता है। इस तरह के विवाह में लड़का और लड़की एक दूसरे से प्रेम करते हैं और अपनी मर्जी से शादी करते हैं। वह विवाह से पहले एक दूसरे से लंबे समय से जानते हैं, उनका विवाह परिवार की सहमति या अस्वीकृति दोनों के बाद भी होता है। लव मैरिज भावनाओं से भरा रिश्ता होता है जिसके कई फायदे हैं,

प्रेम विवाह के फायदे

प्रेम विवाह में लोगों के पास पहले से एक दूसरे को समझने का मौका होता है।

इस तरह के विवाह में कपल के बीच इमोशनल कनेक्शन मजबूत होता है।

प्रेम विवाह में कपल की समान सोच होती है और वे एक दूसरे की पसंद-नापसंद को समझते हैं।

प्रेम विवाह की चुनौतियां

भारत में अधिकतर मामलों में प्रेम विवाह के लिए परिवार की असहमति का सामना कपल को करना पड़ सकता है।

इस तरह के विवाह में कपल रिश्ते और अपने पार्टनर से उम्मीद ज्यादा रखते हैं और एडजस्टमेंट कम करते हैं।

प्रेम विवाह में समय के साथ रोमांस की कमी आना भी संभव होता है।

प्रेम विवाह के फायदे और नुकसान, शादी से पहले जान लें जरूरी बातें

अरेंज मैरिज

अरेंज मैरिज एक पारंपरिक प्रथा है। यह एक ऐसा विवाह है जहां दूल्हा और दुल्हन का चयन उनके परिवार या करीबी रिश्तेदारों द्वारा किया जाता है। इस तरह के विवाह में लड़का और लड़की की सीधी भागीदारी नहीं होती है, बल्कि अरेंज मैरिज परिवारों का रिश्ता होता है। अरेंज मैरिज के भी कई फायदे होते हैं,जो कपल को पता होने चाहिए।

अरेंज मैरिज के फायदे

इस तरह के विवाह में परिवारों की सहमति और सपोर्ट होता है।

दूल्हा और दुल्हन एक दूसरे को पहले से नहीं जानते। शादी के बाद धीरे-धीरे उनके बीच प्यार पनपता है।

अरेंज मैरिज को सामाजिक रूप से स्थिर समझा जाता है।

अरेंज मैरिज की चुनौतियां

अरेंज मैरिज में कपल को एक दूसरे को समझने में समय लग जाता है। उनकी पसंद-नापंसद और सोच अलग हो सकती है।

शादी के शुरुआती महीनों में कपल एक दूसरे से झिझक और दूरी महसूस करते हैं।

कपल के लिए भावनात्मक करीबी और प्रेम आने में वक्त लग सकता है, कभी-कभी तो साथ रहने या आदत को लोग प्यार समझकर रहते हैं।

ये शादी परिवारों की रजामंदी पर टिकी होती हैं, इसलिए परिवारों के बीच टकराव का असर वैवाहिक जीवन पर भी हो सकता है।

लव मैरिज बनाम अरेंज मैरिज में कौन सी शादी ज्यादा टिकाऊ?

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 में 68 फीसदी शादियां अरेंज मैरिज थीं, लेकिन 2023 में यह आंकड़ा घटकर 44 फीसदी हो गया। जिससे पता चलता है कि प्रेम विवाह की संख्या बढ़ रही है। हालांकि कई स्टडीज में यह भी पाया गया कि अरेंज मैरिज में तलाक की दर कम और लव मैरिज में अधिक रहती है। दोनों तरह की शादी में तलाक की दर को प्रभावित करने वाले कई कारक हैं जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक कारक, व्यक्तिगत कारक और आर्थिक कारक।

लव मैरिज जहां प्यार से जुड़ा रिश्ता होता है तो वहीं अरेंज मैरिज समझ से तय हुआ बंधन है। रिसर्च बताते हैं कि अरेंज मैरिज में तलाक के मामले तुलनात्मक रूप से कम होते हैं, हालांकि लव मैरिज में अगर रिश्ता मजबूत हो तो वो ज्यादा समझ पर टिका होता है। सबसे जरूरी बात है, पारस्परिक समझ, सम्मान और संवाद, चाहे रिश्ता किसी भी तरीके से शुरू हुआ हो।

हो गई है सगाई? मंगेतर से फोन पर बात करते वक्त लड़के न करें गलतियां

शादी तय होने के बाद भावी कपल के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हो जाता है। यह वह दौर होता है, जब वे एक-दूसरे को समझने का प्रयास करते हैं और बातचीत से उन्हें आपस में सहज होने का मौका मिलता है। मंगेतर से होने वाली बातचीत सिर्फ एक दूसरे को समझने तक सीमित नहीं, यहीं से रिश्ते की नींव मजबूत होना शुरू हो जाती है। हालांकि कई बार लड़कों की कुछ आदतें इस नए रिश्ते को कमजोर कर सकती हैं।

अपनी होने वाली पत्नी से फोन पर बात करने की उत्सुकता में वह अक्सर कुछ ऐसी गलतियां कर जाते हैं जो उनके रिश्ते को बिगाड़ सकती है या शादी से पहले ही लड़की के सामने उनका इम्प्रेशन खराब कर सकती है। अगर आपका रिश्ता भी पक्का हो गया है और अभी शादी में दो-तीन महीने का वक्त है तो इस मौके का फायदा उठाएं। अपनी होने वाली जीवनसंगिनी के साथ एक मजबूत और खुशनुमा रिश्ता बनाना चाहते हैं तो शादी से पहले की बातचीत के दौरान कुछ बातें ध्यान में रखें।

बार-बार शक न करें

शादी से पहले कई लड़के छोटी-छोटी बातों पर शक करने लगते हैं, जैसे किससे बात कर रही थी?, इतनी देर से क्यों रिप्लाई किया?, फोन उठाने में इतना वक्त क्यों लगा?, बाहर कहां जा रही हो? ऐसा व्यवहार रिश्ते में असुरक्षा पैदा करता है। लड़कों को अपनी होने वाली जीवनसंगिनी पर भरोसा बनाना चाहिए। ज्यादा सवाल-जवाब के बजाय रिश्ते में विश्वास जरूरी है। उन्हें ये अहसास दिलाएं कि आप उनके सबसे बड़े सपोर्टर हैं, ना कि आप उनके लिए किसी कैद की तरह हैं।

बहुत ज्यादा निजी सवाल न पूछें

शादी से पहले अपने मंगेतर के बारे में जानने की उत्सुकता होना लाजमी है। बातचीत भी लोग एक दूसरे को समझने के लिए ही करते हैं लेकिन शादी से पहले पार्टनर को रिश्ते में स्पेस देना बहुत जरूरी है। बार-बार निजी सवाल पूछना रिश्ता बोझिल बना सकता है। खासकर बहुत ज्यादा निजी सवाल उन्हें असहज कर सकते हैं। आपको चाहिए कि धीमे-धीमे रिश्ते को समय के साथ आगे बढ़ने दें।

पहले बात कौन करेगा?

अगर आप चाहते हैं कि हर बार मंगेतर ही कॉल या मैसेज करे तो यह सोच बदलनी होगी। रिश्ता आपसी भागीदारी से चलता है। ये सोचने के बजाय कि वही आपको हमेशा कॉल या मैसेज करें, आप पहल करें। यह दर्शाता है कि आप भी इस रिश्ते में समान रूप से इच्छुक हैं।

पुराने रिश्तों पर बात न करें

अगर रिश्ता तय होने से पहले आप किसी से प्रेम करते थे, या किसी के साथ रिलेशनशिप में थे, तो इस बारे में अपनी भावी पार्टनर से अधिक बात न करें। कई बार लड़के अपनी एक्स की बात अनजाने में कर जाते हैं, जो होने वाली पत्नी को असहज कर सकती है। बीती बातों और रिश्ते को वहीं छोड़ दें। नए रिश्ते में नया नजरिया अपनाएं और आप दोनों के वर्तमान और भविष्य पर बात करें।

बात पर ध्यान दें

कई बार लोग कॉल पर बात करते-करते दूसरे कामों में भी व्यस्त रहते हैं। खासकर अगर ये काम गेम खेलने या सोशल मीडिया चलाने जैसा हो तो उसे तुरंत बंद कर दें। अगर आप कॉल पर हैं लेकिन गेम खेल रहे हैं या सोशल मीडिया चला रहे हैं, तो मंगेतर को ये महसूस होगा कि उसकी बातों की कोई अहमियत नहीं। फोकस के साथ बातचीत करें। इससे भावनात्मक कनेक्शन बनता है। अगर आप किसी जरूरी काम में व्यस्त हैं तो उनसे वक्त मांगें लेकिन जब भी उनसे बात करें तो आपका पूरा ध्यान आपके पार्टनर पर होना चाहिए।

बेटा-बहू के झगड़े में कैसे न टूटे घर की शांति? माता-पिता जरूर अपनाएं ये टिप्स

वो कहावत है न कि जहां चार बर्तन होते हैं, वो खटकते ही हैं। ऐसे ही जिस घर में चार लोग रहते हैं, वहां लड़ाई-झगड़ा होना भी बेहद आम बात है। खासतौर पर शादीशुदा कपल्स के बीच तो लड़ाई-बहस होना बेहद आम बात है। इस दौरान परिवार के बड़े-बुजुर्ग अक्सर हस्तक्षेप करने का सोचते हैं। पर, ऐसा नहीं करना चाहिए। खासतौर पर जब लड़ाई आपके बेटे-बहू में हो रही हो तो।

ऐसा हम इसलिए बता रहे हैं, क्योंकि जब आप अपने बेटे-बहू के झगड़े के बीच में बोलते हैं तो इससे उनका झगड़ा काफी बढ़ सकता है। ऐसे में जब आपके बेटे-बहू झगड़ रहे हैं तो आपको समझदारी से काम लेना चाहिए। यहां हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स आपको बताने जा रहे हैं, जिनको आप उस वक्त फॉलो कर सकते हैं, जब आपके घर में बेटे बहू झगड़ रहे हैं।

हस्तक्षेप करने से बचें

जब तक झगड़ा गंभीर न हो, तब तक अपने बेटे-बहू के झगड़े में हस्तक्षेप करने से बचें। अगर आप बीच में बोलेंगे तो हो सकता है कि ये बात आपके बच्चों को अच्छा न लगे। उन्हें अपना झगड़ा खुद से ही सुलझाने दें। क्योंकि झगड़ा क्यों हो रहा है, इस बारे में सिर्फ उन्हें पता होता है। इसीलिए उन्हें अपना झगड़ा खुद ही सुलझाने दें।

पक्षपाती वाक्य तो कतई न बोलें

कभी भी तुमने मेरी बहू से ऐसा क्यों कहा? या हमारे बेटे की गलती नहीं है₹ जैसे पक्षपाती वाक्य न बोलें। ऐसा बोलना आपके बच्चों के बीच के झगड़े को भी बढ़ा सकता सकता है। यदि आप ऐसा बोलेंगे तो इससे आपके प्रति भी आपके बेटे या बहू के मन में गलत भावना पैदा हो सकती है। इसलिए कभी भी एक व्यक्ति का पक्ष लेकर झगड़े के बीच में न बोलें।

समझदार मार्गदर्शक बनें

झगड़े के बाद किसी एक पर हावी तो कतई न हों। इसकी बजाय दोनों को शांत दिमाग से बैठकर न्यायप्रिय दृष्टिकोण से बात करें। उन्हें इस बात का एहसास दिलाएं कि आप किसी का पक्ष नहीं ले रहे, बल्कि पूरे परिवार की भलाई चाहते हैं। पूरी बात को सुनें और फिर उन्हें मार्गदर्शन दें।

संवाद को बढ़ावा दें

लड़ाई-झगड़े के बीच में ही तुरंत अपने बेटे-बहू को समझाने न लग जाएं। हमेशा झगड़े के बाद बहू और बेटे दोनों से अलग-अलग बात करें और दोनों की बातों को शांतिपूर्वक सुनें। जैसे कभी-कभी बहू को लगता है कि उसे सिर्फ बाहरी सदस्य समझा जाता है, ऐसे में उन्हें समझाएं। इसी तरह बेटे से भी समझदारी से ही बात करें।

पुराने अनुभवों को ज़बरदस्ती न थोपें

हमारे ज़माने में तो ऐसा नहीं होता था जैसे वाक्य दोनों को चिढ़ा सकते हैं। इसलिए अपने अनुभवों को अपने बेटे-बहू पर कतई न थोपें। इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि आज की पीढ़ी अलग सोचती है, इस अंतर को सम्मानपूर्वक स्वीकार करें।

अब लड़कियां शादी क्यों नहीं करना चाहतीं?

कभी शादी को हर लड़की का सपना माना जाता था, लेकिन आज की आधुनिक, आत्मनिर्भर और जागरूक महिलाएं इस सोच को चुनौती दे रही हैं। अब शादी उनकी जरूरत नहीं, एक चॉइस बन चुकी है।आज के दौर की लड़कियां शादी करने से कतराती हैं। उनके लिए शादी के रिश्ते आते हैं और वह तब तक इसे ठुकराती रहती हैं, जब तक उन पर पारिवारिक दबाव बढ़ नहीं जाता। अधिकतर मॉडर्न लड़कियों के मुंह से यह सुनने को मिल ही जाता है, मैं शादी क्यों करूं, क्या जरूरत है शादी की या मुझे नहीं करनी शादी...।

हालांकि शादी को लेकर महिलाओं के बदलते विचार के कई कारण हैं। कई लड़कियां अब शादी को लेकर संशय, डर या असहजता महसूस करती हैं और इसके पीछे सिर्फ एक नहीं, कई गहरे सामाजिक और मानसिक कारण हैं। चलिए जानते हैं आखिर क्यों आजकल की लड़कियां शादी से कतराने लगी हैं?

पांच मुख्य कारण जिनकी वजह से लड़कियां अब शादी से हिचकिचा रही हैं

स्वतंत्रता की चाह और आत्मनिर्भरता

जहां पहले के दौर में बेटियां पहले अपने पिता पर आर्थिक निर्भर रहती थीं और फिर पिता के कंधे बूढ़े होने से पहले पति पर निर्भर हो जाती थीं, वहीं आधुनिक युग की लड़कियां आर्थिक रूप से खुद पर निर्भर हैं। वह अच्छी कंपनी में नौकरी करती हैं या बिजनेसविमेन हैं। आय के मामले में भी वह किसी से कम नहीं। ऐसे में उन्हें किसी और पर टिके रहने की जरूरत महसूस नहीं होती। इनके साथ ही महिलाओं में भी स्वतंत्रता की चाह बढ़ रही है। आत्मनिर्भर महिलाओं को लगता है कि शादी से बाद उनकी आजादी का हनन होगा। इस कार वह विवाह से हिचकिचाती हैं।

करियर को लेकर प्राथमिकता

चूंकि महिलाएं पहले से कहीं अधिक शिक्षित हो रही हैं, ऐसे में वह करियर में भी सफलता चाहती हैं। कई लड़कियां पहले अपने करियर को संवारना चाहती हैं। वह शादी को ब्रेक या जिम्मेदारी के तौर पर देखती हैं। साथ ही शादी को करियर की सफलता में अड़चन मानती हैं। इस कारण करियर में सफलता हासिल करने तक शादी नहीं करना चाहती हैं। उनकी प्राथमिकता शादी नहीं, करियर होती है।

टॉक्सिक रिश्तों का डर और तलाक के आंकड़े

इस सदी में शादियां टूटने और तलाक के आंकड़े बढ़ने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। जब लड़कियां देखती हैं कि उनके आसपास कई शादियां टिक नहीं रहीं तो वह शादी और टॉक्सिक रिश्तों से डर जाती हैं। शादी के बाद लड़कियों की स्थिति, पति संग होने वाला गृह क्लेश आदि उन्हें ये सोचने पर मजबूर कर देता है कि कहीं उनका रिश्ता भी शादी के बाद बोझ न बन जाएं। ऐसे में वह शादी ना करना ही बेहतर समझती हैं।

घरेलू जिम्मेदारियों का एकतरफा दबाव

शादी के बाद महिलाओं की जिम्मेदारी अधिक बढ़ जाती है। वह नौकरी पेशा हों या गृहणी हो, घर के सारे काम, परिवार के सभी सदस्यों की पसंद नापसंद का ध्यान रखना एक बहू का ही कर्तव्य माना जाता है। इस परंपरा पर लड़कियां खुलकर सवाल करती हैं। वह घरेलू जिम्मेदारियों के एकतरफा दबाव से बचना चाहती हैं। उनका सवाल होता है कि शादी के बाद घर की सारी जिम्मेदारी बहू पर ही क्यों है? इस विचार का सही उत्तर न मिलने पर वह शादी से दूरी बना लेना ही सही समझ लेती हैं।

समाज की दखलअंदाजी

शादी के बाद , ये क्या पहना है?, कब बच्चे होंगे? जैसी बातें अक्सर महिलाओं की आजादी में खलल डालती हैं। शादी के बाद लड़की के जीवन में समाज की दखलअंदाजी बढ़ जाती है। लड़कियों को महसूस होता है कि शादी करने से उनके व्यक्तिगत स्पेस में कमी आ सकती है। ऐसे में वह शादी से कतराने लगती हैं और इस तरह की दखलअंदाजी से बचना चाहती हैं।

मट्ठा आलू बनाने का सबसे आसान तरीका

भारत देश अपनी विविधता की वजह से जाना जाता है। यहां हर राज्य का अपना अलग पहनावा और खान-पान है। बात करें उत्तर प्रदेश की तो यूपी में मट्ठा का आलू काफी फेमस है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तो शादी से लेकर भंडारे तक में ये खास मट्ठे के आलू तैयार किए जाते हैं।

इसे बनाना तो काफी आसान है, लेकिन अगर इसे तैयार करते समय कुछ बातों का ध्यान न रखा जाए तो मट्ठा फट जाता है, जिससे सब्जी का स्वाद खराब हो जाता है। तो अगर आपको भी मट्ठा का आलू पसंद है तो हमारी बताई गई विधि से आप मट्ठा के आलू तैयार करें।

मट्ठा के आलू बनाने का सामान

4-5 मध्यम आकार के उबले आलू
2 कप मट्ठा
2 हरी मिर्च
1 छोटा चम्मच कद्दूकस किया हुआ अदरक
1 छोटा चम्मच भुना हुआ जीरा पाउडर
1 चुटकी हींग
कुछ करी पत्ते
हरा धनिया
नमक
1 छोटा चम्मच तेल

विधि

मट्ठा के आलू बनाने के लिए आपको सबसे पहले आलुओं को उबालकर रख दें, क्योंकि सब्जी के लिए आपको ठंडे आलुओं की जरूरत पड़ेगी। आलू जब ठंडे हो जाएं तो उसे हाथ से फोड़ लें। इसे काटने से देसी वाला स्वाद नहीं आएगा। हाथ से आलू फोड़ते समय ध्यान रखें कि इसे मैश न करें। अब बारी आती है मट्ठा तैयार करने की तो इसके लिए अगर रेडीमेड मट्ठा लेगें तो सब्जी काफी स्वादिष्ट बनेगी। अब इस मट्ठे में भुना जीरा, थोड़ा सा सादा नमक मिक्स करें। इसके बार बारी आती है तड़का लगाने की तो उसके लिए एक छोटी कढ़ाई में तेल गर्म करें। इस कढ़ाई में उसमें हींग, करी पत्ता और कटी हरी मिर्च डालें। इसके बाद कढ़ाई में फिर अदरक डालकर 10–15 सेकंड भूनें। सभी चीजों को सभी से भुन जाने के बाद तड़के को आलू में डालें। अब मट्ठा भी आलू में डाल दें और अच्छे से मिलाएं।

इसके आपको लगातार चलाना है, अगर आप चलाएंगे नहीं तो मट्ठा फट जाएगा। जब ये थोड़ा पक जाए तो 10 मिनट के बाद गैस को बंद कर दें। आखिर में इसे सजाने के लिए ऊपर से हरा धनिया डालें और फिर इसे पूरी के साथ परोसें।

अमेरिका से जल्द ही व्यापारिक समझौते को अंतिम रूप दे सकता है भारत

जीटीआरआई का सुझाव– सावधानी से बढ़ें

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारत जल्द ही जल्द ही अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे सकता है। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों को औपचारिक टैरिफ पत्र जारी कर व्यापार समझौते से जुड़ा जवाब बढ़ा दिया है। हालांकि हमें इस समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया के दौरान सावधानी से कदम उठाना चाहिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव जीटीआरआई ने यह टिप्पणी की है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा, ट्रम्प का मॉडल कोई मुक्त व्यापार समझौता नहीं है, यह एक यात्रा यानी अमेरिकी टैरिफ प्रतिशोध समझौता है। अमेरिका ने अपने विभिन्न देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने की समय-सीमा 9 जुलाई से बढ़ाकर 1 अगस्त कर दी है। ऐसे में अब भारत समेत अन्य देशों को समझौते के लिए और तीन सप्ताह का समय मिल गया है। यह समय विस्तार 2 अप्रैल को शुरू किए गए व्यापक व्यापार अभियान का हिस्सा है। इस अभियान की शुरुआत में ट्रम्प ने विशेष टैरिफ के लिए लगभग 60 देशों को चुना था। अब तक केवल केवल ब्रिटेन और वियतनाम ने ही अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। चीन के साथ भी एक अस्थायी समझौता हुआ है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, अब ट्रम्प दबाव बढ़ा रहे हैं। 7 जुलाई को उन्होंने 14 देशों को औपचारिक पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसमें बताया गया कि अगर वे देश समझौता करने में विफल रहे तो 1 अगस्त से उन्हें कितनी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। सोमवार को ट्रम्प प्रशासन ने जापान, दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान, मलेशिया, ट्यूनीशिया पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की; दक्षिण अफ्रीका, बोस्निया और हर्जेगोविना पर 30 प्रतिशत; इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत; बांग्लादेश, सर्बिया पर 35 प्रतिशत; कंबोडिया, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत; और लाओस, म्यांमार पर 40 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की। श्रीवास्तव ने कहा कि व्हाइट हाउस द्वारा 'अंतिम नोटिस' बताई गई इन चेतावनियों के कारण देशों के पास दो विकल्प रह गए हैं कि वे अमेरिकी शर्तों पर समझौते पर हस्ताक्षर करें या दंडात्मक शुल्क का सामना करने के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि टैरिफ वृद्धि से व्यापार प्रवाह बाधित होने, अमेरिका में उपभोक्ता कीमतें बढ़ने तथा वैश्विक स्तर पर आपूर्ति शृंखला में व्यापक जटिलताएं उत्पन्न होने की आशंका है। मई 2025 में चीन से अमेरिका का आयात पिछली अवधि की तुलना में 35 प्रतिशत कम हो गया। उन्होंने कहा, समय बीतने के साथ भारत को आने वाले दिनों में समझौते की घोषणा के लिए शीर्ष उम्मीदवार के रूप में देखा जा रहा है... लेकिन नई दिल्ली को सावधानी से कदम उठाना होगा। जीटीआरआई ने आगाह किया कि अमेरिका की ओर से समझौतों को दरकिनार करने और ब्रिक्स सदस्यों पर एकतरफा शर्तें थोपने की इच्छा जाहिर करने के बाद भारत को असंतुलित समझौते के जोखिमों के मुकाबले भागीदारी के सामरिक मूल्य को परखना होगा।

घरेलू वेज थाली जून में 8% सस्ती हुई

आलू, प्याज और टमाटर के दाम घटने का असर, नॉन-वेज थाली की कीमत में भी 6% गिरावट

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में एक घरेलू वेजिटेरियन थाली की कीमत जून में (सालाना आधार पर) 8% घटकर 27.10 रुपए हो गई है। पिछले साल जून -2024 में वेज थाली की कीमत 29.40 रुपए थी। कैपिटल मार्केट कंपनी क्रिसिल ने अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी। क्रिसिल ने अपनी राइस रोटी रेट रिपोर्ट में बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत मई की तुलना में जून में 3% बढ़ी है। मई में वेज थाली की कीमत 26.20 रुपए थी।

नॉन-वेज थाली भी 6% सस्ती हुई

वहीं, नॉन-वेज थाली की कीमत जून में सालाना आधार पर 6% घटकर 54.80 रुपए हो गई है। पिछले साल जून-2024 में नॉन वेज थाली की कीमत 58 रुपए थी। मंथली बेसिस पर यानी मई की तुलना में जून में नॉन-वेज थाली की कीमत 4% बढ़ी है। मई में नॉन-वेज थाली की कीमत 52.60 रुपए थी। क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, आलू, प्याज और टमाटर के दाम घटने के चलते वेज थाली की कॉस्ट में कमी हुई है। टमाटर की कीमत सालाना आधार पर 24% घटकर 32 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। प्याज के दाम में 27% और आलू के भाव में 20% की गिरावट आई है। इस कारण वेज थाली की कीमत में गिरावट हुई है। वेज थाली की कॉस्ट में आलू और टमाटर की 24% हिस्सेदारी होती है।

चिकन के प्राइस गिरने से नॉन वेज थाली की कीमत घटी

नॉन वेज थाली की कीमत में ये कमी ब्रॉयलर्स यानी चिकन के प्राइस में सालाना आधार पर 3% की गिरावट के चलते आई है। नॉन-वेज थाली की लागत में ब्रॉयलर की 50% हिस्सेदारी होती है। वहीं, सालाना आधार पर वेजिटेबल ऑयल की कीमत 19% और एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 6% बढ़ी है, नहीं तो दोनों थाली और भी सस्ती हो सकती थी।

ऐसे कैलकुलेट होती है थाली की एवरेज कॉस्ट

क्रिसिल ने नॉर्थ, साउथ, ईस्ट और वेस्ट इंडिया में मौजूदा फूड कीमतों के आधार पर घर में थाली तैयार करने की एवरेज कॉस्ट कैलकुलेट की है।

हरे निशान पर बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 270 अंक चढ़ा, निफ्टी 25500 के पार

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बैंकिंग और चुनिंदा आईटी शेयरों में हुई खरीदारी के साथ-साथ एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख से मंगलवार को बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 270 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 270.01अंक या 0.32 प्रतिशत बढ़कर 83,712.51 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 491.36 अंकों की तेजी के साथ 83,812.31 का उच्चतम और 83,320.95 का न्यूनतम स्तर छुआ। इसमें 18 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 61.20 अंक या 0.24 प्रतिशत बढ़कर 25,522.50 अंक पर पहुंच गया। शेयर बाजार में अधिकांश समय सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन बंद होने से पहले के सत्र में खरीदारी का दौर शुरू हो गया। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक भारत-अमेरिका व्यापार पर निर्णायक प्रगति का इंतजार कर रहे हैं, जबकि अमेरिका ने रेसिप्रोकल टैरिफ के निलंबन को 1 अगस्त तक बढ़ा दिया है। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, इटरनल, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, अडानी पोर्ट्स, इन्फोसिस और भारतीय स्टेट बैंक प्रमुख लाभ में रहे।हालांकि, टाइटन में 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। ट्रेंट, एक्सिस बैंक, मारुति और हिंदुस्तान यूनिलीवर भी पिछड़ गए। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर निवेशकों की धारणा सतर्क रूप से आशावादी बनी हुई है। लेकिन औपचारिक पुष्टि के अभाव ने ताजा खरीद गतिविधि को रोक दिया है। इसके अलावा प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर अमेरिकी टैरिफ की समयसीमा बढ़ाने के फैसले ने निवेशकों को अधिक रक्षात्मक रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.59 प्रतिशत गिरकर 69.17 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 321.16 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सोना आज 600 महंगा होकर 97,195 पर पहुंचा

चांदी की कीमत 1,159 बढ़ी; इस साल सोना 28%, तो चांदी 25% महंगी हुई

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी मंगलवार (8 जुलाई) को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 599 रुपए बढ़कर 97,195 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। कल इसका दाम 96,596 रुपए पर था। वहीं चांदी की कीमत 1,159 रुपए बढ़कर 1,07,690 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। कल चांदी का दाम 1,06,531 रुपए किलो था। 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,990 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,840 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,600

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,840 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,600

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,840 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,600

इस साल 1 लाख 3 हजार तक जा सकता है सोना

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं।

ऑटो इंडस्ट्री के बाद अब बागवानी फसलों को मार रहा है चीन, जो तरीका चुना, जान कर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। चीन ने पहले भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर को झटका दिया था। उन्होंने रेअर अर्थ से बने चुंबकों के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अब चीन ने एक और कदम उठाया है। उन्होंने पानी में घुलने वाले उर्वरकों के निर्यात पर रोक लगा दी है। ये उर्वरक भारत के बागवानी सेक्टर में इस्तेमाल होते हैं।डब्ल्यूएसएफ एक तरह की खाद है।

ये खाद पौधों में आसानी से घुल जाती है। इसे ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर या पत्तियों पर स्प्रे करके इस्तेमाल किया जाता है। इससे खाद सीधे पौधों की पत्तियों या जड़ों तक पहुंचती है, मिट्टी के ज़रिये नहीं। यह कारगर तरीका है, खास कर बागवानी फसलों के लिए। इस रोक से भारत के बागवानी उद्योग को नुकसान हो सकता है। यह उद्योग भारत के अनाज के कारोबार से भी बड़ा है। यह देश की कृषि जीडीपी में लगभग एक तिहाई का योगदान देता है। इससे अंगूर, अनार, केला और पॉलीहाउस खेती पर असर पड़ेगा। पॉलीहाउस में विदेशी फल और सब्जियां उगाई जाती हैं, जिन्हें बाहर भेजा जाता है। आधुनिक ढंग से खेती करने वाले किसान गेहूं जैसी फसलों पर भी पत्तियों पर स्प्रे करके खाद डालते हैं, ताकि उन्हें त्वरित पोषण मिल सके।

पिछले दो महीनों में चीन ने चीन निरीक्षण संगरोध (सीआईक्यू) का इस्तेमाल किया है। यह एक तरह की जांच में देरी करने की रणनीति है। इससे मोनो अमोनियम फॉस्फेट , कैल्शियम नाइट्रेट और पोटेशियम नाइट्रेट जैसे जरूरी सामानों की सप्लाई कम हो गई है। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी जरूरत का लगभग 80% विशेष तरह के खाद चीन से खरीदता है। यह खरीदारी सबसे ज्यादा बुवाई के समय में होती है। लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि इन दिनों आयात बहुत कम हो गया है, जबकि इस समय खरीफ की बुवाई चल रही है। उदाहरण के लिए, एमएपी का आयात 2023 में 12,525 टन था और 2024 में 21,214 टन था। लेकिन 1 जून तक यह घटकर 2,842 टन हो गया। इसी तरह, सीएन का आयात 2023 में 223,941 टन था, जो जून 2025 तक घटकर 49,311 टन हो गया। पीएन का आयात 2024 में 27,913 टन था, जो घटकर 16,837 टन हो गया।सॉल्यूबल फर्टिलाइजर इंडस्ट्री एसोसिएशन के सचिव विनोद गोयल ने कहा, चीन ने सीआईक्यू के जरिए एक तरह की नाकाबंदी कर दी है। उन्होंने भारत को आधिकारिक तौर पर बैन कर दिया है, जबकि दूसरे देशों को सप्लाई जारी रखी है।

टाटा की कंपनी ने झुनझुनवाला परिवार को दिया नौ सौ करोड रुपये का झटका, शेयर में क्यों आई गिरावट?

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप की ज्वेलरी कंपनी टाइटन के शेयर में मंगलवार को करीब 5.5% की गिरावट आई। इससे झुनझुनवाला परिवार के पोर्टफोलियो से लगभग 900 करोड़ रुपये कम हो गए। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टाइटन का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का बिजनेस अपडेट उम्मीद से कम रहा। इस तिमाही में सोने की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। झुनझुनवाला परिवार की टाइटन में 5.15% हिस्सेदारी है। शेयरों की बिक्री तब हुई है जब एक और ऊंचे पी/ई वाले टाटा स्टॉक, ट्रेंट ने निवेशकों को निराश किया। ट्रेंट की रेवेन्यू में ग्रोथ उम्मीद से कम रही।

इससे कंज्यूमर स्पेस में प्रीमियम वैल्यूएशन को लेकर चिंता फिर से बढ़ गई है। टाइटन के ज्वेलरी बिजनेस में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। घरेलू राजस्व में सिर्फ 18% की वृद्धि हुई, जो कि 22-23% की उम्मीद से बहुत कम थी। कंपनी के मुख्य ब्रांड- तनिष्क, मिया और ज़ोया की वृद्धि और भी कम (सिर्फ 17%) रही। इसमें बुलियन की बिक्री शामिल नहीं है। झुनझुनवाला परिवार की टाइटन में 5.15% हिस्सेदारी है। शेयरों की बिक्री तब हुई है जब एक और ऊंचे पी/ई वाले टाटा स्टॉक, ट्रेंट ने निवेशकों को निराश किया। ट्रेंट की रेवेन्यू में ग्रोथ उम्मीद से कम रही। इससे कंज्यूमर स्पेस में प्रीमियम वैल्यूएशन को लेकर चिंता फिर से बढ़ गई है। टाइटन के ज्वेलरी बिजनेस में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। घरेलू राजस्व में सिर्फ 18% की वृद्धि हुई, जो कि 22-23% की उम्मीद से बहुत कम थी। कंपनी के मुख्य ब्रांड- तनिष्क, मिया और ज़ोया की वृद्धि और भी कम (सिर्फ 17%) रही। इसमें बुलियन की बिक्री शामिल नहीं है। सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव के अलावा टाइटन को प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। इंड्रिया जैसे नए प्लेयर्स कुछ बाजारों में आ रहे हैं। मौजूदा प्रतिद्वंद्वी भी अपना विस्तार कर रहे हैं। कंपनी सोने की कीमतों में अंतर को कम करके और प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले चार्ज करके इसका जवाब दे रही है। कंपनी गोल्ड एक्सचेंज प्रोग्राम और मंथली इंस्टॉलमेंट स्कीम भी चला रही है ताकि बिजनेस को बनाए रखा जा सके।

कैसा रहा कंपनी का प्रदर्शन?

मंगलवार को टाइटन के शेयर में बड़ी गिरावट रही। दोपहर 1 बजे यह शेयर 5.67% की गिरावट के साथ 3459.10 रुपये पर कारोबार कर रहा था। एक महीने में यह शेयर दो फीसदी से ज्यादा गिर गया है। बात अगर इस साल के रिटर्न की करें तो यह हरे निशान पर रहा है। 1 जनवरी 2025 से लेकर अब तक इसने निवेशकों को करीब 6.5 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं एक साल में इसका रिटर्न करीब 10 फीसदी रहा है।

भारत में कमाओ, विदेश में लगाओ... अमीरों की यह स्ट्रैटेजी कैसी? एक्सपर्ट ने गिराया बम

नई दिल्लीः विजडम हैच के संस्थापक और जाने-माने फिनफ्लुएंसर अक्षत श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया है। यह पोस्ट इंटरनेट पर खूब शेयर हो रहा है। इसमें उन्होंने बताया है कि भारत के अल्ट्रा-रिच लोग कमाने के लिए तो भारत में रह रहे हैं। लेकिन, निवेश और रिटायर होने के लिए विदेश जा रहे हैं। श्रीवास्तव ने एक तीन-चरण वाली वेल्थ स्ट्रैटेजी बताई है। इसके कारण भारत के करोड़पति और अरबपति विदेश में फैमिली ऑफिस बना रहे हैं। हाल ही में एक टॉप भारतीय अरबपति ने सिंगापुर में ऐसा ऑफिस बनाया है। श्रीवास्तव का कहना है कि भारत की टैक्स प्रणाली इस बात को प्रभावित करती है कि अमीर लोग कहां कमाते हैं, निवेश करते हैं और रिटायर होते हैं। इसलिए वे ऐसा कर रहे हैं। इस बदलाव पर बहस छिड़ गई है कि क्या भारत की टैक्स व्यवस्था पूंजी को बाहर भेज रही है। श्रीवास्तव ने लिखा है कि इसके पीछे खास रणनीति है। भारत में पोर्ट और माइंस जैसे व्यवसायों से होने वाली इनकम पर कॉर्पोरेट टैक्स लगता है। यह टैक्स व्यक्तिगत आयकर से कम होता है। इसलिए भारत में बिजनेस करना समझदारी भरा है।यह और बात है कि इन्वेस्टमेंट और डिविडेंड से होने वाली इनकम की कहानी अलग है। भारत में शेयरों पर कम से कम 12.5% कैपिटल गेन टैक्स लगता है। बॉन्ड पर यह टैक्स 33% तक है।

साइप्रस की कंपनियां भारतीय शिपिंग क्षेत्र में उतरेंगी

10000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। खाद्य तेल की आसमान छूती कीमतों को काबू करने और बाजार में इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब खाद्य तेल बनाने वाली कंपनियों के उत्पादन, बिक्री और स्टॉक पर सरकार की पैनी नजर रहेगी। इसके लिए सरकार ने वेजिटेबल ऑयल प्रोडक्शन एंड अवेलेबिलिटी ऑर्डर 2025 का ड्राफ्ट जारी किया है। इस ड्राफ्ट पर सभी हितधारकों से 11 जुलाई तक सुझाव मांगे गए हैं। सरकार का मकसद है कि इस ऑर्डर के जरिए बाजार में पारदर्शिता आए और जमाखोरी जैसी गतिविधियों पर रोक लगे। इसके साथ ही, सरकार जल्द ही खाद्य तेलों के लिए मानक पैक साइज को फिर से लागू करने की योजना बना रही है, ताकि ग्राहकों को ठगने की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।सरकार ने साफ कर दिया है कि अब खाद्य तेल बनाने वाली कंपनियों को अपने उत्पादन, बिक्री और स्टॉक का पूरा ब्योरा हर महीने देना होगा। पहले कंपनियां इस तरह का डाटा सरकार को नहीं दे रही थीं, जिसके चलते सरकार को बाजार में तेल की उपलब्धता और कीमतों का सही आकलन करने में दिक्कत हो रही थी। अब नया ऑर्डर लागू होने के बाद कंपनियों को आयात और निर्यात का डाटा भी देना होगा। अगर कोई कंपनी इस नियम का पालन नहीं करती, तो सरकार सख्त कार्रवाई कर सकती है। इतना ही नहीं, सरकार कंपनियों के प्लांट में जाकर उत्पादन की जांच भी कर सकती है। खाद्य तेल की कीमतों में हेरफेर और ग्राहकों को ठगने की शिकायतों के बाद सरकार पैकेजिंग नियमों को फिर से सख्त करने जा रही है। साल 2022 में कानूनी मापविज्ञान (पैकेज्ड वस्तुएं) नियमों में ढील दी गई थी, जिसके बाद व्यापारियों ने बाजार में 800 ग्राम, 810 ग्राम या 850 ग्राम जैसे अनियमित साइज के पैक बेचने शुरू कर दिए। इन पैक को एक किलो के पैक के रूप में बेचकर ग्राहकों से पूरी कीमत वसूली जा रही थी। इससे ग्राहकों में भ्रम की स्थिति बन गई और उनका भरोसा टूटने लगा। अब सरकार की योजना है कि 500 ग्राम, 1 किलो, 2 किलो और 5 किलो जैसे मानक पैक साइज को फिर से अनिवार्य किया जाए। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि अनियमित पैक साइज की वजह से ग्राहकों को समझने में दिक्कत हो रही है कि वे कितना तेल खरीद रहे हैं और उसकी कीमत कितनी होनी चाहिए। मानक पैक साइज लागू होने से कीमतों में हेरफेर पर रोक लगेगी और बाजार में पारदर्शिता आएगी।भारत में खाद्य तेल की खपत हर साल बढ़ रही है। 2020-21 में ये 24.6 मिलियन टन थी, जो 2022-23 में बढ़कर 28.9 मिलियन टन हो गई। इस बढ़ती मांग के साथ कीमतों में भी तेज उछाल देखने को मिला है। उदाहरण के लिए, सरसों तेल की कीमत पिछले साल 135.50 रुपये प्रति किलो थी, जो अब 170.66 रुपये हो गई है। इसी तरह, सोया तेल 123.61 रुपये से बढ़कर 147.04 रुपये, सूरजमुखी तेल 123.17 रुपये से 160.77 रुपये और पाम तेल 101 रुपये से 135।04 रुपये प्रति किलो हो गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 — सूर्योदय 05-50, सूर्यास्त 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन	04-08 बजे
चंद्र-	धनु में	कर्क	06-21 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह	08-32 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या	10-39 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला	12-46 बजे
शुक्र-	वृष में	वृश्चिक	14-54 बजे
शनि-	मीन में	धनु	17-08 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर	19-18 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ	21-05 बजे
		मीन	22-43 बजे
		मेष	00-19 बजे
		वृष	02-48 बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 01-37 तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - आषाढ़ शुक्ल , बुधवार 09 July
नक्षत्र - मूल 04-49 तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - ब्रह्म 22-08 तक उप ऐन्द्र
करण- गर 13-11 तक उप वणिज
विशेष- चौमासी अष्टांहिका पूर्ण
व्रत त्योहार - (जैन)

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:21 से 13:59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05:50 - 07:27	शुभ	उत्पात	18:50 - 20:16	अशुभ
अमृत	07:27 - 09:05	शुभ	शुभ	20:16 - 21:38	शुभ
काल	09:05 - 10:43	अशुभ	अमृत	21:38 - 22:59	शुभ
शुभ	10:43 - 12:21	शुभ	चंचल	22:59 - 00:22	शुभ
रोग	12:21 - 13:59	अशुभ	रोग	00:22 - 01:44	अशुभ
उत्पात	13:59 - 15:37	अशुभ	काल	01:44 - 27:06	अशुभ
चंचल	15:37 - 17:15	शुभ	लाभ	03:06 - 04:28	शुभ
लाभ	17:15 - 18:50	शुभ	उत्पात	04:28 - 05:50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप जो भी कार्य करेंगे , सफलता आपके कदम चूमेगी । अगर आप एक प्रतियोगी परीक्षा में बैठे थे तो आज आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज का दिन पदोन्नति या अधिक जिम्मेदारी लेने के बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विमर्श आरंभ करने के लिए उपयुक्त है।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज के दिन उधार दिए हुए पैसे आपको वापस मिल सकते है । आज के दिन आप एक ऐसे व्यक्ति से भी मिल सकते है जिसे आप पहले से जानते हो और वो आपकी काफी हद तक आपकी भविष्य में आय को बढाने में मदद कर सकता है और यहाँ तक की ये व्यक्ति आपको अच्छी आय वाली नौकरी दिलाने में भी मदद कर सकता है।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज जहा तक पैसे की बात है तो आप के लिए एक भाग्यशाली दिन है। अगर अतीत में आपने किसी को धन उधार दिया है तो आपको अपने पैसे वापस मिल सकते हैं।आपकी किस्मत चिट फंड या जुए के किसी अन्य रूप में आपको वितीय लाभ पंहुचा सकती है । छात्रों का करियर सही दिशा में आगे बढेगा या किसी भी परीक्षा में अगर वे बैठेंगे तो उन्हें अच्छा परिणाम मिलेगा ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज का दिन काम और कार्य क्षेत्र के हिसाब से काफी हद तक शांत रहेगा । आज का दिन घटनाओं रहित रहेगा जिससे की आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम में से थोड़ी राहत मिलेगी जिसके तलाश आपको काफी समय से थी । इस समय की आप सराहना करे और इसे मनोरंजन में बिताये और उन खुशनुमा पलो को भी याद करे जो अपने अपने कार्य क्षेत्र में महसूस किये है ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप अपने वित्त के संबंध में दुविधा की स्थिति में रहेंगे । विरोधाभासी ग्रहों के प्रभाव की वजह से अलग अलग दिशाओं में आपका अंतर्मन भागेगा । आप महंगी खरीदारी के बारे में सोचेंगे , लेकिन आखिरी समय में अंतिम निर्णय लेने में आपको मुश्किल हो सकती है। इस तरह की दुविधा आपके निवेश में भी प्रतिबिंबित होगी ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपको अत्यधिक खर्चो का सामना करना पड़ सकता है इसलिए नहीं की वो खर्चे दूर नहीं किये जा सकते थे बल्कि इसलिए की आप खुद उन खर्चों को करना चाहते थे । यह ठीक है की आप अपने मुश्किल समय के लिए पैसे बचाते है जो की बुद्धिमता वाला काम है लेकिन आज आप अपने या अपने किसी ख़ास व्यक्ति जो आपके बहुत निकट है।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन उनके लिए उपयुक्त है जो की रचनात्मक कार्य से जुड़े हुए है । आपके सुझाव आपको नये अनुबंध दिलाएंगे जिससे आपकी बैंक में जमा राशि में विस्तार होगा । कलाकार , संगीतज्ञ , फिल्म निर्माता , फोटोग्राफर एवं लेखक अपने अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और जो लोग अन्य क्षेत्रो में हैं अगर वह अपने काम में कुछ नवीनता या कुछ रचनात्मकता लाएं तो वो भी आगे बढ़ सकते है ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं , लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है । ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आपको अपने कार्यक्षेत्र से संभंधित कार्य में अपने मित्रो और सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है । आप उनको अपना आभार देना न भूले और बदले में आप भी समय पड़ने पर उनकी सहायता करे । धन एवं नकदी प्रवाह में सुधार आयेगा । इस दिन आपको अपने अनावश्यक खर्चो पर भी लगाम लगानी होगी क्योंकि आप अछा कमाएंगे पर साथ साथ आपके खर्चे घटाने आपके लिए मुश्किल होंगे ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो और आप ख्याति एवं धन प्राप्ति की तरफ अग्रसर हो ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है । यह आप के लिए जीत का युग है! आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे । आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप की भावना अदम्य है, इसलिए आप अपनी क्षमता को दुसरो को आगे बढ़ने में समर्पित करे और चीजों को व्यवस्थित एवं संगठित करे । इससे आप अपनी कठोर मेहनत के बल पर मान्यता और प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे । आपके व्यय में वृद्धि हो सकती है , इसलिए अपने खर्चे और निवेश को कम करे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

हाईकोर्ट: पुजारी का मंदिर पर स्वामित्व नहीं

मंदिर प्रबंध समिति में ट्रस्टी बनाने का किया था दावा हाईकोर्ट ने राजस्व मंडल के फैसले पर लगाई मुहर

बिलासपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने कहा कि, किसी पुजारी को मंदिर का स्वामित्व नहीं माना जा सकता। पुजारी केवल देवता की पूजा करने के लिए नियुक्त प्रबंधक होता है। इस टिप्पणी के साथ ही हाईकोर्ट ने पुजारी की अपील को खारिज करते हुए राजस्व मंडल के फैसले को सही ठहराया है। पुजारी ने मंदिर के प्रबंध समिति में ट्रस्टी बनने का दावा किया था।

मामला धमतरी स्थित श्री विंध्यवासिनी मां बिलाईमाता मंदिर का है। मंदिर के पुजारी मुरली मनोहर शर्मा ने समिति के प्रबंध समिति के सदस्य बनाने को लेकर चल रहे विवाद पर राजस्व मंडल बिलासपुर के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। तब वो पुजारी परिषद समिति के अध्यक्ष के अध्यक्ष थे। 3 अक्टूबर 2015 को राजस्व मंडल ने पुजारी शर्मा की पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी थी। दरअसल, विवाद की

शुरुआत तहसीलदार के समक्ष किए गए एक आवेदन से हुई थी। जिसमें याचिकाकर्ता ने खुद का नाम ट्रस्ट रिकॉर्ड में दर्ज करने की मांग की थी। तहसीलदार ने पक्ष में आदेश दिया था और पुजारी को समिति में ट्रस्टी बनाने कहा था।

लेकिन, एसडीएम ने उसे रद्द कर दिया। जिसके बाद रायपुर के अपर आयुक्त भी एसडीएम के आदेश को सही ठहराया और पुजारी की अपील खारिज कर दी। तब पुजारी ने राजस्व मंडल के समक्ष पुनरीक्षण याचिका दायर की, जिसे खारिज कर दिया गया।

राजस्व मंडल से पुनरीक्षण याचिका खारिज होने के बाद पुजारी शर्मा ने हाईकोर्ट में अपील की। इसमें बताया कि तहसीलदार का आदेश न्यायसंगत था। बाद के सभी राजस्व अधिकारियों ने तथ्यों का सही तरीके से परीक्षण नहीं किया। पुजारी ने दावा किया कि, मंदिर उनके पूर्वजों द्वारा बनाई गई है। बाद में मंदिर की व्यवस्था बनाने के लिए समिति का गठन किया गया था। पुजारी ने मंदिर समिति में ट्रस्टी बनाने के लिए आदेशित करने का आग्रह किया।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट को बताया गया कि विंध्यवासिनी मंदिर ट्रस्ट समिति 23 जनवरी 1974 से विधिवत रूप रूप से पंजीकृत संस्था है। वही मंदिर की संपत्ति का प्रबंधन करती है। उन्होंने 21 सितंबर 1989 को सिविल जज वर्ग-2, धमतरी द्वारा पारित एक निर्णय का उल्लेख किया जो अंतिम रूप से प्रभावी हो चुका है।

सिविल न्यायालय ने कहा था कि "विंध्यवासिनी ट्रस्ट समिति 23 जनवरी 1974 से विधिवत रूप से पंजीकृत संस्था है और मंदिर की संपत्ति का प्रबंधन करती है। ट्रस्टी बहुमत से एक प्रबंधक नियुक्त कर सकते हैं। लेकिन, यह नहीं कहा जा सकता कि मंदिर की संपत्ति किसी व्यक्ति विशेष की या पुजारियों के पूर्वजों की है। हाईकोर्ट ने कहा, पुजारी केवल देवता की संपत्ति का प्रबंधन करने के लिए नियुक्त होता है।

झारखंड एसीबी ने छत्तीसगढ़ के 2 शराब कारोबारियों को किया गिरफ्तार

अतुल सिंह और मुकेश मनचंदा से पूछताछ करेगी टीम, अब तक 10 लोगों की गिरफ्तारी

रायपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड शराब घोटाला मामले में एसीबी की कार्रवाई अब तेज हो गई है। सोमवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने छत्तीसगढ़ के श्री ओम साईं बेवरेजेस प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर अतुल कुमार सिंह और मुकेश मनचंदा को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं और इन्हें एसीबी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन जब उनके जवाब संतोषजनक नहीं मिले, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

जांच में सामने आया है कि झारखंड में भी छत्तीसगढ़ की तर्ज पर शराब घोटाला किया गया। विधु गुप्ता की एजेंसी के जरिए झारखंड स्टेट बेवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के टेंडर में फर्जी मैनपावर तैनात की गई। कर्मचारियों के सैलरी को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया और फर्जी दस्तावेजों के जरिए सरकारी

पैसे का गबन किया गया।

इस बहुचर्चित घोटाले में अब तक कुल 10 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इससे पहले 2 जुलाई को प्रिज्म होलोग्राफी कंपनी के एमडी विधु गुप्ता को 20 मई को उत्पाद विभाग के पूर्व सचिव विनय चौबे को गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि विधु गुप्ता छत्तीसगढ़ में शराब में लगने वाले होलोग्राम की सप्लाई करता था, लेकिन छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में शामिल होकर उसकी कंपनी ने नकली होलोग्राम की सप्लाई की और छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले को अंजाम दिया। जांच में खुलासा हुआ है कि झारखंड में छत्तीसगढ़ की तर्ज पर ही शराब घोटाला किया गया। विधु गुप्ता की एजेंसी ने झारखंड स्टेट बेवरेजेस कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के टेंडर में फर्जी मैनपावर दिखाया। वेतन दावों को फर्जी तरीके से बढ़ाकर पेश किया गया। फर्जी दस्तावेजों के जरिए सरकार को करोड़ों की चपत लगाई।

एसीबी के अनुसार, विधु गुप्ता का नेटवर्क कई राज्यों में फैला है, जो ठेकेदारों, अफसरों और सप्लायर्स को प्रभावित करता था। वहीं छत्तीसगढ़ के 2 शराब कारोबारी अतुल सिंह और मुकेश मनचंदा इस नेटवर्क की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। फिलहाल झारखंड एसीबी की टीम इन्हें रिमांड पर लेकर आगे की पूछताछ करने जा रही है। अतुल सिंह और मुकेश मनचंदा की गिरफ्तारी के बाद ये माना जा रहा है कि घोटाले में शामिल सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों के नए नाम सामने आने की आ सकते हैं। खासकर छत्तीसगढ़ से जुड़े कारोबारियों और एजेंसियों और अफसरों के इस मामले में मुश्किलें बढ़ सकती है।

वाटरफॉल में फंसे 5 युवक-युवतियों का रेस्क्यू

सेल्फी-पॉइंट पर मौजूद थे, अचानक बढ़ा जलस्तर बलौदाबाजार में खेत डूब गए, बिलासपुर में कॉलोनियां डूबी

रायपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पिछले चार दिनों से लगभग सभी जिलों में भारी बारिश हो रही है। रायपुर में मंगलवार सुबह से ही तेज पानी बरस रहा है। जिससे कई इलाकों में जलभराव हो गया है। सड़कों पर भी पानी भर गया है। बलौदाबाजार में खेत डूब गए हैं। वहीं कोरबा में देवप्रहरी वाटरफॉल में फंसे 5 युवक-युवतियों को रेस्क्यू कर निकाला गया। इसका वीडियो भी सामने आया है।

वहीं मौसम विभाग ने आज (मंगलवार) राजनांदगांव, दुर्ग, बालोद और कांकेर में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं रायपुर, धमतरी, कोरबा, महासमुंद, रायगढ़, मुंगेली सहित 15 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

बीजापुर, कोंडागांव और बस्तर में भी भारी बारिश का यलो अलर्ट है। सरगुजा संभाग के छह जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिर सकती है। इससे पहले सोमवार को लगातार बारिश से बिलासपुर में कई इलाके डूब गए। सड़कों पर नालियों का पानी आ गया।

कोरबा के देवप्रहरी वाटरफॉल में सोमवार शाम को तीन लड़की और 2 लड़के जलप्रपात घूमने गए थे। सेल्फी पाइंट के पास सभी मौजूद थे, तभी अचानक जलस्तर बढ़ गया। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने सभी रात तक बाहर निकाला।

छत्तीसगढ़ में 1 जून से 7 जुलाई शाम 5 बजे तक 291.9 मिलीमीटर औसत वर्षा हो चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 447.8 मिमी वर्षा हुई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 113.7 मिमी पानी बरसा है।

राजनांदगांव में सामान्य से 60% कम बारिश

राजनांदगांव जिले में इस मानसून सीजन में सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1 जून से अब तक जिले में मात्र 94 मिमी बारिश हुई है। यह औसत से 60% कम है। जबकि अब तक औसत 214 मिमी बारिश हो जानी थी।

खरीफ फसल की बुवाई इस कम बारिश से प्रभावित हुई है। जिले में अभी तक केवल 55% क्षेत्र में ही धान की बुवाई हो पाई है। हालांकि, रविवार रात से सोमवार तक हुई रिमझिम बारिश ने किसानों को कुछ राहत दी है। इससे बुवाई की गति में तेजी आई है। बलरामपुर में चार दिन पहले गेरांव स्थित बांस झर्रा में पुल बहने से बड़मार क्षेत्र का संपर्क कई गांव से कट गया । मार्ग पर आना जाना बंद हो गया है। इलाके में लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। छत्तीसगढ़ में बारिश की बात करें तो 1 जून से अब तक 243.4 मिमी औसत बारिश रिकॉर्ड की गई है।

कोलकाता से मायके आई महिला की कुएं में मिली लाश

गिरिडीह, 8 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के हीरोडीह थाना क्षेत्र के बैरिया गांव में 35 वर्षीय शहनाज खातून का शव मंगलवार सुबह घर के पास एक कुएं से मिला है। मृतका बैरिया निवासी अकबर अंसारी की बेटी थी, जो शनिवार को मुहर्रम के मौके पर कोलकाता से अपने पति मंजूर अंसारी के साथ मायके आई थी। घटना के बाद से मृतका का पति फरार है।

इधर, मृतका के परिजनों का आरोप है कि शहनवाज के पति मंजूर अंसारी ने किसी और लड़की से अफेयर में यह हत्या की है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गिरिडीह भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, शहनाज की शादी 5 साल पूर्व हुई थी और दंपती के दो जुड़वा बेटे हैं। सोमवार की रात अचानक शहनाज खातून के छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर परिजन नींद से जागे तो देखा कि शहनाज कमरे में नहीं है। परिवार वाले घबरा गए और इधर-उधर खोजबीन शुरू की।

जब काफी देर तक कुछ पता नहीं चला तो हीरोडीह थाना को सूचना दी गई। इसके बाद मंगलवार की सुबह गांव के ही एक कुएं में शहनाज का शव बरामद हुआ। वहीं, घटना के बाद से मृतका का पति मंजूर अंसारी फरार है।

मृतका के पिता अकबर अंसारी ने दामाद मंजूर अंसारी पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मंजूर अंसारी का किसी अन्य युवती से प्रेम प्रसंग था और वह अपनी कमाई उसी पर खर्च करता था।

पत्नी शहनाज को ठीक से कपड़े तक नहीं देता था और मायके से पैसे मंगवाता था। थाने में विवाद सुलझाने के बाद विदाई कराई गई थी, लेकिन अब मायके में ही शहनाज की लाश मिली।

मुहर्रम जुलूस में झड़प के बाद पाल्हे गांव सहमा

गलियों में तैनात पुलिस, 70 नामजद, 250 अज्ञात पर केस, गांव में निषेधाज्ञा लागू

पलामू, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के पाल्हे गांव में रविवार शाम मुहर्रम जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इसके बाद गांव में तनाव गहराया हुआ है। चारों तरफ सन्नाटा पसरा है। घरों के दरवाजे बंद हैं, लोग डरे-सहमे हैं। बाजार और स्कूल बंद हैं। गांव में पुलिस का पहरा है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात हैं।

घटना रविवार देर शाम की है। पाल्हे गांव में ताजिया जुलूस कर्बला पहुंच चुका था। तभी अचानक शोरगुल शुरू हुआ और दो पक्षों में मारपीट हो गई। धार्मिक नारे लगाते हुए लोग एक-दूसरे पर टूट पड़े। गांव की गलियों में भगदड़ मच गई।

एक महिला ने बताया कि मैं बच्चों को लेकर तुरंत घर के अंदर चली गई, बाहर क्या हुआ कुछ समझ नहीं आया। बस शोर था। अब गांव में डर का माहौल है, लोग खुलकर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

ग्रामीणों की माने तो जुलूस के दौरान कुछ बातों को लेकर

विवाद हुआ था, जो अचानक हिंसक हो गया। गांव की गलियों में अब हर 20-25 कदम पर पुलिस बल तैनात है।

मुख्य सड़क से गांव में जाने वाले रास्तों पर जांच हो रही है। आने-जाने वालों की तलाशी ली जा रही है और पहचान पत्र देखने के बाद ही गांव में प्रवेश दिया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी गांव में ऐसा माहौल नहीं देखा।

घटना में दोनों पक्षों के दो-दो लोग घायल हुए हैं। सभी का इलाज पुलिस और प्रशासन की निगरानी में कराया जा रहा है। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचकर हालात को काबू में किया।

एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। गांव में अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक और जिले के वरिष्ठ अधिकारी लगातार कैंप कर रहे हैं। गांव में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल की भारी तैनाती है।

सदर एसडीएम के आदेश पर गांव में 48 घंटे के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पुलिस ने अफवाहों का खंडन किया है जिनमें गोलीबारी और मौत की बात कही जा रही थी। पुलिस अफवाह फैलाने वालों की पहचान कर रही है और उन पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी में है।

बाल-संप्रेषण गृह में अधिकारी ने नाबालिग से अननेचुरल-सेक्स किया

दुर्ग-भिलाई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में बाल संप्रेषण गृह के अधिकारी ने नाबालिग अपचारी बालक से अननेचुरल सेक्स किया है। आरोपी परिवीक्षा अधिकारी रामकुमार सूर्यवंशी ने नाबालिग को उसके भाई से मिलाने के बहाने उसके साथ गलत काम किया। नाबालिग मर्डर केस में संप्रेषण गृह में बंद है। मामला पुलगांव थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक न्यायालय की परीक्षण टीम नियमित रूप से बाल संप्रेषण गृह की व्यवस्थाओं का जायजा लेने जाती है। 3 दिन पहले भी टीम बाल संप्रेषण गृह जांच के लिए गई थी। इस दौरान पीड़ित नाबालिग ने टीम के सदस्यों को अपनी आपबीती बताई।

नाबालिग ने बयान में बताया कि बाल संप्रेषण गृह के अधिकारी रामकुमार सूर्यवंशी ने उसे उसके भाई से मिलवाने की बात कही थी। इसी के बहाने आरोपी अधिकारी ने उससे अप्राकृतिक संबंध बनाए। परीक्षण टीम ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। दुर्ग पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया। सोमवार को उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक पीड़ित बालक हत्या के मामले में पिछले 35 महीने से बाल संप्रेषण गृह में बंद है। वह दूसरे जिले का रहने वाला है।

अलेक्जेंडर किरो, सीएसपी दुर्ग ने बताया कि करीब 3 दिन पहले यह मामला न्यायालय के संज्ञान में आया था। इसके बाद हमें जांच और कार्रवाई के लिए पत्र मिला था। इस शिकायत के आधार पर जांच की गई।

16 पिलरों को कूद-कूदकर नदी पार करते ग्रामीण

कांकेर का 4 गांव टापू बना, स्टॉप डेम पर चलकर जाते हैं स्कूल-अस्पताल

कांकेर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में चार गांवों के लिए बारिश मुसीबत बन जाती है। जिला मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर बांसकुंड, ऊपर तोनका, नीचे तोनका और चलाचूर गांव के 500 से अधिक लोग बारिश के मौसम में टापू में कैद हो जाते हैं।

आज तक यहां चिनार नदी पर पुल नहीं बना है। ग्रामीणों को आवागमन के लिए नदी पर बने स्टॉप डेम का सहारा लेना पड़ता है। वे 16 पिलरों पर कूद-कूदकर नदी पार करते हैं। स्कूली बच्चों को भी इसी खतरनाक रास्ते से गुजरना पड़ता है।

बारिश के दिनों में शिक्षक स्कूल नहीं पहुंच पाते। मरीजों को अस्पताल ले जाना मुश्किल हो जाता है। आपात स्थिति में

ग्रामीणों को गांव में ही इलाज कराना पड़ता है। नदी में पानी ज्यादा होने पर स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है।

ग्रामीण पिछले कई सालों से पुल की मांग कर रहे हैं। अब तक सिर्फ एक अधूरी कच्ची सड़क ही बन पाई है। प्रशासन की अनदेखी से परेशान ग्रामीणों ने सरकार से चिनार नदी पर जल्द पुल बनाने की मांग की है। इससे उनका जीवन सामान्य हो सकेगा।

जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी ने कहा कि पुल की मांग लंबे समय से की जा रही है। इसका प्रस्ताव हम लोगों ने बनाया है।

ग्रामीणों को इसका लाभ पहुंचे ऐसा पुल हम बनाकर देंगे।

मैनपाट में नड्डा ने ली मंत्री-सांसद-विधायकों की क्लास

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले- न आए भ्रष्टाचार की शिकायत, योग करते दिखे सीएम, शिवराज भी पहुंचे

रायपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मैनपाट में भारतीय जनता पार्टी का प्रशिक्षण शिविर चल रहा है। दूसरे दिन मंगलवार को प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत योग अभ्यास से हुई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव, सभी मंत्री और सांसद-विधायक योग करते दिखाई दिए।

फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए योग टीचर नेताओं को टिप्स देते रहे और उन्हें सुनकर सभी योग पॉश्चर्स को फॉलो करते दिखाई दिए। आज केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मैनपाट पहुंचे हैं। पहले दिन सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नेताओं की क्लास ली। इस प्रशिक्षण शिविर में विधायक और सांसदों को बुलाया गया है। चुने हुए जनप्रतिनिधियों को संगठन के नेता सरकार में रहकर कामकाज के तौर तरीकों पर अपने अनुभव बता रहे हैं। पहले दिन की नड्डा की क्लास में नेताओं को जनता से जुड़कर रहने और किसी भी सूरत में भ्रष्टाचार के मामलों में न पड़ने की नसीहत मिली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बंद कमरे में सभी नेताओं से बातचीत की। जहां नड्डा बोल रहे थे वहां मोबाइल फोन ले जाने की किसी को अनुमति नहीं थी। सभी सांसद, विधायक और मंत्रियों के मोबाइल फोन बाहर ही जमा करवा लिए गए। इसके बाद शुरू हुई क्लास, भीतर मौजूद सूत्रों ने बताया कि नड्डा ने सांसद विधायकों को कड़ी नसीहत दी।

जेपी नड्डा ने कहा कि- व्यवहार ऐसा हो की जब जनता के बीच जाए तो शर्मिंदगी महसूस न हो। जनता के बीच अपने आप को बड़ा महसूस न होने दें क्योंकि जनता बड़ी है। ग्राउंड पर रहें, साधारण बन कर रहें।

मीडिया में सोच समझ कर बयान दीजिए। कोई ऐसा बयान न दें जिससे पार्टी की छवि पर बुरा असर हो। किसी भी विषय पर अनावश्यक टिप्पणी करने से बचें, किसी तरह की भ्रष्टाचार की शिकायत नहीं हो ये ध्यान रखें।

नड्डा ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के कमलेश्वरपुर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत एक पेड़ लगाया।

नोट बरामद होने से दोषी नहीं ठहराया जा सकता

बिलासपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि केवल नोट बरामद होने के आधार पर किसी आरोपी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। बल्कि, यह साबित करना भी जरूरी है कि उसने रिश्वत अपनी मर्जी से ली थी।

इसके साथ ही हाईकोर्ट ने रिश्वतखोरी के आरोप में पकड़े गए आदिम जाति कल्याण विभाग में पदस्थ रहे कर्मचारी को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है। एसीबी ने उसके पास से रिश्वत के 8 हजार रुपए बरामद किया था, जिस पर उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया था। मामला गरियाबंद जिले का है।

मदनपुर के गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में पदस्थ टीचर बैजनाथ नेताम ने एसीबी से शिकायत की थी। जिसमें बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के आदिम जाति कल्याण शाखा के मंडल संयोजक लवन सिंह चुरेंद्र ने हॉस्टल के छात्रों की स्कॉलरशिप सैंक्शन करने के लिए 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी।

शिकायतकर्ता के अनुसार दो हजार रुपए तत्काल दे दिए थे। बाकी 8 हजार रुपए बाद में देने का वादा किया था। उसे रंगे हाथ पकड़वाने के लिए नेताम ने 22 जनवरी 2013 को एसीबी रायपुर में शिकायत की थी। जिस पर एसीबी ने ट्रैप टीम बनाई और 1 फरवरी को आरोपी के पास से 8 हजार रुपए बरामद किए।

एसीबी ने पैसे जब्त कर आरोपी के हाथ धुलवाए, तब गुलाबी रंग निकला था। नोट बरामद होने, बातचीत की रिकॉर्डिंग और शिकायतकर्ता की बातों को पंचनामा में दर्ज किया गया।

एसीबी ने जांच पूरी होने के बाद विशेष न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। फिर एसीबी की विशेष कोर्ट में ट्रायल हुआ। सुनवाई के बाद कोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत आरोपी को दो साल और धारा 13 (1)(डी) 13(2) के तहत दो साल की सजा सुनाई थी।

सड़क हादसे में फेरी वाले की मौत

एक साल पहले पत्नी का हुआ था निधन अब तीन बच्चे अनाथ, कार चालक फरार

पलामू, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पलामू के मेदिनीनगर-पांकी मुख्य मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सलगस झालखंडी पुल के पास एक कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार नीरज चन्द्रवंशी (38) की मौत हो गई। उसके साथ मौजूद श्रीकांत कुमार (22) घायल हो गए। नीरज तरहसी थाना क्षेत्र के कुम्हराडीह गांव का रहने वाला था। वे फेरी लगाकर साबुन-सर्फ बेचकर अपना परिवार का पालन-पोषण कर रहा था। एक साल पहले ही बीमारी से उसकी पत्नी का निधन हो गया था। अब उसके तीन बच्चे, एक बेटी और दो बेटे अनाथ हो गए हैं। हादसा सोमवार शाम 5:30 बजे हुआ। नीरज और श्रीकांत पांकी से लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद कार चालक वाहन को बांदूबार में छोड़कर फरार हो गया। पांकी पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। इधर, दोनों को जख्मी हालत में पहले एमएमसीएच में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद नीरज को रांची रिम्स रेफर किया गया।

जमीन विवाद, घर में फेंके सुतली बम

देवघर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। देवघर के सत्संग बिजली फीडर गली, बसमता मोहल्ले में जमीन विवाद ने गंभीर मोड़ ले लिया। देर रात एक घर में दो सुतली बम फेंके गए। प्रकाश यादव के घर को निशाना बनाया गया। प्रकाश यादव ने बताया कि पुराने जमीन विवाद के कारण कुछ लोगों ने यह कदम उठाया। उन्होंने कहा कि जमीन को लेकर पहले से विवाद चल रहा है। इसी रंजिश में यह घटना की गई है। सूचना मिलते ही देवघर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत बम निरोधक दस्ते को बुलाया। बम स्क्वॉड की टीम ने दोनों सुतली बम को सफलतापूर्वक डिफ्यूज कर दिया। घटना से मोहल्ले में दहशत का माहौल है।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने का वीडियो बनाना पड़ा महंगा

तीन युवक गिरफ्तार, स्थानीय दुकानदारों से रंगदारी मांगने का भी आरोप

जमशेदपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जमशेदपुर के उलीडीह थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर हथियार लहराने और रंगदारी मांगने के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान रितेश सिंह, अशोक गुप्ता और राजकुमार मुखिया उर्फ राज बच्चा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों से अवैध हथियार और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपी सोशल मीडिया पर हथियार दिखाते हुए अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर रहे थे। इससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया था।

पटमदा डीएसपी ने मंगलवार को बताया कि आरोपी स्थानीय व्यवसायियों और दुकानदारों से रंगदारी मांग रहे थे।

उलीडीह थाना पुलिस को सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक तस्वीरें और रंगदारी की शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस ने विशेष टीम बनाकर कार्रवाई की। तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

ईरान ने चीन से खरीदा इजरायली एफ-35 फाइटर जेट का काल

तेल के बदले किया सरफेस-टू-एयर मिसाइल का सौदा, टेंशन में नेतन्याहू

तेहरान, 8 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान और इजरायल के बीच बीते महीने भीषण सैन्य संघर्ष देखने को मिला था। ईरान ने 12 दिन के युद्ध में इजरायली शहरों पर मिसाइलें दागते हुए ताकत दिखाई थी लेकिन इजरायल और अमेरिका के हवाई हमलों को रोकने में ईरानी फौज कमजोर दिखी। हालांकि अब ईरान को चीन से एयर डिफेंस सिस्टम मिल गया है, जिससे इजरायल को तेहरान के खिलाफ आक्रामक होने से पहले सोचना पड़ सकता है। ईरान को अपने खास सहयोगी चीन से सरफेस-टू-एयर मिसाइल बैटरियां मिली हैं। सरफेस टू एयर मिसाइल यानी एसएएम को जमीन या समुद्र से लॉन्च किया जाता है। यह लड़ाकू विमान और मिसाइलों जैसे हवाई खतरों से बचाती है।

मिडिल ईस्ट आई की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने हाल ही में चीन से सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल बैटरी (सरफेस-टू-एयर मिसाइल बैटरीज) हासिल की हैं। इजरायल-अमेरिका के साथ हुए संघर्ष के बाद अपनी रक्षा क्षमताओं को बेहतर करने पर काम कर रही ईरानी सरकार और सेना ने यह सौदा तेल के बदले किया है। चीन ने इससे पहले पाकिस्तान को अपने एचक्यू-9 और एचक्यू-16 एयर डिफेंस सिस्टम दिए हैं। मिस्र के पास चीन की एचक्यू-9 प्रणाली है। ईरान को भी चीन की ओर से यही सिस्टम दिए जाने की बात सामने आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन से ईरान को सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों (एसएएम) की डिलीवरी 24 जून को हुई। ये सिस्टम ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम के ठीक बाद तेहरान पहुंचा। एक अरब अधिकारी ने दावा किया कि अमेरिका के उनको तेहरान की इस डील की जानकारी थी। हालांकि अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि ईरान को चीन से सतह से हवा में मार करने वाली कितनी मिसाइलें मिली हैं।

अरब अधिकारी ने यह दावा भी किया है कि ईरान एसएएम के लिए तेल शिपमेंट के साथ भुगतान कर रहा है। चीन ईरानी तेल का सबसे बड़ा आयातक है। ईरान के कच्चे तेल और कंडेनसेट निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत बीजिंग को जाता है। अभी तक ईरान के पास रूस का एस-300 एयर डिफेंस सिस्टम होने का दावा किया जाता है। हालांकि इजरायल के हमलों को यह सिस्टम नहीं रोक सका था।

एचक्यू-9बी एयर डिफेंस को चाइना प्रिसिजन मशीनरी इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन (सीपीएमआईईसी) ने विकसित किया है। चीन का दावा है कि एचक्यू-9बी का रडार बेहद मॉडर्न है और इसकी रेंज 125 किमी तक है। चीन ने रूसी एस-300 की तकनीक के आधार पर इसे तैयार किया है। पाकिस्तान और मिस्र पहले से ही इस सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं।

नेपाल-चीन बॉर्डर पर भोटेकोशी नदी में बाढ़

12 नेपाली, 6 चीनी लापता, दोनों देशों को जोड़ने वाला मिटेरी ब्रिज और कई गाड़ियां बहीं

काठमांडू, 8 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल-चीन बॉर्डर पर भोटेकोशी नदी में मंगलवार सुबह करीब 3 बजे अचानक बाढ़ आ गई। इसमें 18 लोग लापता हैं, जिसमें 12 नेपाली और 6 चीनी नागरिक हैं। 12 नेपालियों में 3 पुलिसकर्मी, 9 नागरिक हैं।

सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। घटना चीनी सीमा पर नेपाल के रसुवा जिले में रसुवागढ़ी बॉर्डर पॉइंट की है। बाढ़ में नेपाल को चीन से जोड़ने वाला मेन पुल 'मिटेरी ब्रिज' ढह गया। मिटेरी ब्रिज से चीन-नेपाल के बीच रोजाना लाखों रुपए का व्यापार होता था। रसुवा में कस्टम्स ऑफिस का यार्ड भी क्षतिग्रस्त हो गया। कस्टम यार्ड में खड़े कई कार्गो कंटेनर भी बह गए। सभी कंटेनर सामान से भरे हुए थे। कस्टम यार्ड के अंदर फंसे कुछ लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन सभी तरफ बाढ़ के पानी के कारण चल रहे ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है।

भोटेकोशी नदी में बाढ़ से नेपाल को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। पुल बहने से इस रूट से चीन और नेपाल के बीच होने वाला व्यापार रुक गया है। नेपाल को अब सामान मंगवाने के लिए भारत पर निर्भर होना पड़ेगा। सामान को चीन से भारत और फिर उसे जमीन के रास्ते नेपाल मंगाया जा सकता है। नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल ने बताया कि भोटेकोशी नदी के बढ़ते पानी ने तिमुरे में एक ईवी चार्जिंग स्टेशन से आठ इलेक्ट्रिक वाहनों को भी बहा दिया। पासंग ल्हामू हाईवे पर भी कई जगह लैंडस्लाइड हुआ। सड़क का बड़ा हिस्सा नदी के साथ बह गया है। जिससे परिवहन ठप हो गया है। बाढ़ में कई घर और चीन से मंगाए पांच इलेक्ट्रिक वाहन भी बह गए।

रसुवा के रासुवागढ़ी हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स को बुरी तरह नुकसान पहुंचा है, जिसके कारण 200 मेगावाट तक बिजली उत्पादन पूरी तरह रुक गया है।

चिलीम हाइड्रोपावर कंपनी के सीईओ बाबूराजा महाराजन ने बताया कि बाढ़ में भोटे कोशी और त्रिशूली कॉरिडोर प्रोजेक्ट्स भी बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। आने वाले दिनों में यहां बिजली उत्पादन फिर से शुरू होने की कोई संभावना नहीं है। रसुवागढ़ी में भी परिचालन फिर से शुरू करना संभव नहीं है।

सितंबर, 2024 में नेपाल में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ और लैंडस्लाइड के कारण 35 बच्चों सहित 215 से अधिक लोग मारे गए थे। दर्जनों लोग लापता हो गए। अधिकांश मौतें राजधानी काठमांडू में हुई, जहां 27 सितंबर से लगातार 3 दिन तक हुई बारिश ने 50 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इसमें सैकड़ों घर, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए। नेपाल के 77 में से 44 जिले प्रभावित हुए थे। कई पुल और सड़कें बह गईं। सुरक्षा बलों और स्वयंसेवकों ने लगभग 4,500 लोगों को बचाया था।

इजराइल ने ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट किया

नेतन्याहू बोले- आप इसके हकदार पाकिस्तान पहले नॉमिनेट कर चुका

वॉशिंगटन, 8 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया है। नेतन्याहू ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में ट्रम्प से मुलाकात के दौरान इसकी जानकारी दी। नेतन्याहू ने कहा, 'मैं आपको वह लेटर दिखाना चाहता हूं जो मैंने नोबेल पुरस्कार कमेटी को भेजा है। इसमें आपको शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है। आप इसके हकदार हैं। आपको यह मिलना चाहिए।'

नेतन्याहू ने बताया कि उन्होंने यह फैसला मिडिल ईस्ट में शांति के लिए ट्रम्प की तरफ से की जा रही कोशिशों के मद्देनजर किया है। इजराइल से पहले पाकिस्तान ने 20 जून को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रम्प के नाम की सिफारिश की थी।

इससे पहले ट्रम्प भी कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने कई देशों के बीच जंग रुकवाई और उन्हें नोबेल मिलना चाहिए। उन्होंने 22 जून को कहा था, 'मुझे नोबेल शांति पुरस्कार 4-5 बार मिलना चाहिए था। लेकिन वे मुझे ये पुरस्कार नहीं देंगे क्योंकि वे इसे केवल लिबरल्स को देते हैं।' राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार को फिर से दावा किया कि उनकी सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक बहुत बड़ी लड़ाई को रोक दिया।

पाकिस्तान बनाने जा रहा दक्षिण एशियाई क्वाड?

चीन और बांग्लादेश संग मिलकर नई धुरी बनाने की तैयारी, शहबाज का ख्वाब

इस्लामाबाद, 8 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण एशिया में पाकिस्तान एक नई रणनीतिक पटकथा लिखने का ख्वाब देख रहा है। पाकिस्तान की रणनीति भारत की घेराबंदी करने की है और एक 'सैन्य गठबंधन' बनाने की है। पाकिस्तान के अखबार डॉन में इस ख्वाब के बारे में बात की गई है। पाकिस्तानी एनालिस्ट खुर्रम अब्बास ने लिखा है कि 'जहां भारत अपनी क्षेत्रीय प्राथमिकताओं को बिम्सटेक और इंडो-पैसिफिक रणनीति के जरिये आकार दे रहा है, वहीं पाकिस्तान ने अब 'मिनिलैटरलिज़्म' का सहारा लेकर चीन की मदद से एक वैकल्पिक क्षेत्रीय ढांचा खड़ा करने की कोशिश शुरू की है, जिसे कुछ विश्लेषक 'दक्षिण एशियाई क्वाड' कह रहे हैं। असली क्वाड भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का गठबंधन है, जिसका मकसद इंडो-पैसिफिक में मरीन स्वतंत्रता बनाने के साथ साथ ग्लोबल साउथ की मदद करना है। हालांकि इसे एंटी-चायना माना जाता है।

पाकिस्तानी पत्रकार ने लिखा है कि हाल के हफ्तों में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान और बांग्लादेश के साथ चीन की मदद से त्रिपक्षीय वार्ताओं को नई ऊर्जा दी है। मई में आयोजित पाकिस्तान-चीन-अफगानिस्तान की त्रिपक्षीय वार्ता के बाद जून में पाकिस्तान-चीन-बांग्लादेश के बीच भी इसी तरह की बैठक की गई। पाकिस्तान की ये कोशिश भारत को 'रणनीतिक रूप से अलग-थलग करने' और चीन को दक्षिण एशिया में एक स्थायी शक्ति केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

पाकिस्तान के 'क्वाड' बनाने के पीछे की कूटनीतिक और रणनीतिक कारण कई हैं। उन्होंने लिखा है कि सबसे पहली वजह ये है कि सार्क अब निष्क्रिय हो चुका है। पिछले एक दशक में सार्क कोई शिखर बैठक नहीं कर पाया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि भारत के सार्क को लेकर उदासीन रवैये और बिम्सटेक को बढ़ावा देने की नीति ने पाकिस्तान को मजबूर कर दिया है कि वह सार्क के विकल्प तलाशे। पाकिस्तान की इच्छा है कि एक ऐसा मंच बने जहां भारत का प्रभाव कम हो और चीन की भूमिका ज्यादा हो। उन्होंने लिखा है कि दूसरी बड़ी वजह यह है कि मिनिलैटरल मंच मुद्दा-आधारित होते हैं और तत्काल परिणाम देते हैं। उदाहरण के तौर पर, अफगानिस्तान-चीन-पाकिस्तान मंच के जरिये पाकिस्तान को न सिर्फ अफगान तालिबान के साथ संबंध सुधारने में मदद मिली, बल्कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान-उज़्बेकिस्तान रेल प्रोजेक्ट जैसी रणनीतिक पहल को भी मंजूरी मिली, जो चीन का प्रोजेक्ट है। यही मॉडल अब पाकिस्तान, बांग्लादेश के साथ दोहराना चाहता है।

खुर्रम अब्बास ने लिखा है कि तीसरी और सबसे निर्णायक भूमिका चीन की है। पाकिस्तान चीन को दक्षिण एशिया में स्थायित्व लाने वाली शक्ति के रूप में देखता है, खासकर भारत के प्रभाव को संतुलित करने के लिए। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के जरिये चीन ने नेपाल, श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश सहित पूरे क्षेत्र में अपना आर्थिक दायरा बढ़ाया है। पाकिस्तान पहले सार्क में चीन को 'डायलॉग पार्टनर' बनाना चाहता था, लेकिन भारत के विरोध के कारण ऐसा नहीं हो सका। अब सार्क की निर्षक्रियता पाकिस्तान को स्वतंत्र रूप से चीन को शामिल करने का मौका दे रही है।

पाकिस्तान सौ ख्वाब भले ही देख ले लेकिन हकीकात ये है कि बिना चीन की कृपा के वो अपना पेट भी नहीं भर सकता है, भारत को संतुलित करने की बात तो बहुत दूर की है।

ट्रम्प भारतीय मूल के ममदानी से बोले- तमीज से पेश आइए

मेयर उम्मीदवार ने कहा था- नेतन्याहू न्यूयॉर्क आए तो गिरफ्तार होंगे

वाशिंगटन, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट और न्यूयॉर्क मेयर उम्मीदवार जोहरान ममदानी को तमीज से पेश आने की हिदायत दी है। ट्रम्प ने सोमवार को व्हाइट हाउस में कहा कि वह (ममदानी) सोशलिस्ट नहीं हैं, वह कम्युनिस्ट हैं। उन्होंने यहूदी लोगों के बारे में कुछ बहुत बुरी बातें कही हैं। मुझे लगता है कि वह इस समय हनीमून पीरियड पर हैं।'

अमेरिकी राष्ट्रपति ने न्यूयॉर्क सिटी से ममदानी की मेयर पद की उम्मीदवार को लेकर कहा, 'वह जीत नहीं पाएंगे। अगर जीत भी गए तो उन्हें फंड की जरूरत पड़ेगी। लेकिन यह सब व्हाइट हाउस के जरिए आता है। उन्हें व्हाइट हाउस के जरिए पैसे की जरूरत है। उन्होंने अपना व्यवहार ठीक नहीं किया को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।'

दरअसल, ममदानी ने यहूदी विरोधी विचारधारा को लेकर कहा था कि, 'अगर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू न्यूयॉर्क आए, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।' बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ है। नेतन्याहू इस साल सितंबर तक न्यूयॉर्क का दौरा कर सकते हैं। वे वहां विश्व नेताओं की संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करेंगे।

इजराइल का यमन में हूती लड़ाकों के पोर्ट पर हमला

कहा- हम पर जो हाथ उठेगा, काट देंगे इजराइल-हमास कतर में सीजफायर वार्ता करेंगे

तेल अवीव, 8 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच कतर में सोमवार को शांति वार्ता से पहले इजराइली सेना ने यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को निशाना बनाया।

सोमवार तड़के इजराइली सेना के लड़ाकू विमानों ने यमन में हुदैदा, रास ईसा और सलीफ में हूतियों के कंट्रोल वाले बंदरगाहों के अलावा रास कनेटिब स्थित एक पावर प्लांट को निशाना बनाया।

इजराइली रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि इन ठिकानों का इस्तेमाल हूती ईरान से हथियारों की तस्करी और इजराइल व उसके सहयोगी देशों पर हमलों के लिए करते हैं। इजराइली अधिकारियों ने यह भी दावा किया कि यमन में इस हमले का एक मकसद हूती सैन्य प्रमुख मुहम्मद अल-गमारी भी था। इजराइली हमले के जवाब में हूतियों ने भी मिसाइलें और ड्रोन दागे।

इन हमलों के बाद हूती सैन्य प्रवक्ता यह्या सरी ने कहा कि उनके बलों ने इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट, अश्दोद और एलात पोर्ट तथा अश्केलोन के पावर स्टेशन पर मिसाइल हमले किए गए। इसी बीच, इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने इस कार्रवाई को जायज ठहराते हुए कहा- 'ईरान के लिए जो सही है, वही यमन के लिए भी लागू होगा। जो कोई इजराइल पर हाथ उठाएगा, उसका हाथ काट दिया जाएगा। हूती अपनी हरकतों की कीमत चुकाते रहेंगे।'

दूसरी तरफ इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू हमास के साथ सीजफायर प्रस्ताव पर चर्चा के लिए अमेरिका पहुंचे। यहां उन्होंने ट्रम्प के साथ वार्ता की। कतर ने इजराइल और हमास के बीच सीजफायर का प्रस्ताव दिया है। ट्रम्प जल्द से जल्द सीजफायर समझौते की घोषणा करना चाहते हैं, लेकिन आखिरी फैसला नेतन्याहू के हाथ में है।

हमास ने सीजफायर को लेकर स्थायी युद्धविराम और यूएन की निगरानी में सहायता वितरण की मांग की है। हालांकि इजराइल ने शर्तों को ठुकरा दी है, पर बातचीत के लिए अपना डेलिगेशन कतर भेज दिया है। सीजफायर वार्ता और नेतन्याहू की अमेरिका यात्रा के बीच गाजा में भी इजराइली सेना के ताबड़तोड़ हमले जारी है। पिछले 24 घंटे में कुल 80 लोग मारे गए और 304 घायल हुए।

हमास-इजराइल के बीच 21 महीने से संघर्ष जारी है। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमला कर दिया था। इजराइली आंकड़ों के अनुसार, इस हमले में 1,200 लोग मारे गए और 251 बंधक बनाए गए थे।

रूस के पूर्व परिवहन मंत्री ने गोली मारकर आत्महत्या की

पुतिन ने कुछ घंटे पहले ही मंत्रिमंडल से हटाया था, भ्रष्टाचार का आरोप था

मॉस्को, 8 जुलाई (एजेंसियां)। रूस के पूर्व परिवहन मंत्री रोमन स्टारोवोइट ने सोमवार को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। रूस की ताश न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें कुछ घंटे पहले ही बिना कारण बताए पद से बर्खास्त कर दिया था। उन पर भ्रष्टाचार का आरोप था।

अधिकारियों ने बताया कि स्टारोवोइट को मॉस्को के पास ओडिंटसोवो में मृत पाया गया। फिलहाल घटना की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। रूस की जांच समिति ने बताया कि स्टारोवोइट का शव उनकी कार में मिला।

स्टारोवोइट की जगह एक पूर्व गवर्नर आंद्रेई निकितिन को अस्थायी परिवहन मंत्री नियुक्त किया गया है। स्टारोवोइट परिवहन मंत्री बनने से पहले पांच साल तक यूक्रेन की सीमा से सटे कुर्स्क क्षेत्र के गवर्नर थे।

रूसी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार स्टारोवोइट की बर्खास्तगी का कारण 5-6 जुलाई को हुए यूक्रेनी ड्रोन हमलों को माना जा रहा है। यूक्रेनी ड्रोन हमलों की वजह से देशभर में लगभग 300 उड़ानें रद्द कर दी गई थीं।

यूक्रेनी हमलों में रूस के उस्त-लुगा बंदरगाह पर एक टैंकर में भी विस्फोट हुआ था। विस्फोट के कारण 6 जुलाई को अमोनिया का रिसाव हुआ, जिससे दिक्कतें और ज्यादा बढ़ गईं। वहीं, स्टारोवोइट की बर्खास्तगी को कुर्स्क में भ्रष्टाचार के मामलों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। कुर्स्क में स्टारोवोइट के गवर्नर पद छोड़ने के कुछ महीनों बाद यूक्रेनी सैनिकों ने वहां हमला किया था, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस में सबसे बड़ा विदेशी हमला था।

इसी समय स्टारोवोइट पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। स्टारोवोइट के बाद कुर्स्क के नए गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव पर अप्रैल में पैसों की हेराफेरी का आरोप लगा। रूस ने यूक्रेन पर 4 जुलाई की सुबह 500 मिसाइलों और ड्रोन्स से हमला किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि इनमें से 270 मिसाइलों को हवा में मार गिराया गया। इनके अलावा 330 शाहेद ड्रोन भी थे। इनमें से 208 ड्रोन को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के जरिए जाम कर दिया गया। ये ड्रोन ईरान में बने हैं।

इस हमले का सबसे बड़ा निशाना राजधानी कीव ही थी। कीव के अलावा दिनप्रो, सुमी, खार्किव, चेर्निहिव और आसपास के इलाकों को भी नुकसान पहुंचा।

70 से ज्यादा देशों के नागरिक अब बिना वीजा जा सकेंगे चीन

पर्यटन को बढ़ावा देने की तैयारी

शंघाई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। चीन की सरकार ने अपने देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 70 से ज्यादा देशों के नागरिकों को बिना वीजा चीन में एंट्री देने का एलान किया है। चीन ने अपनी वीजा नीति में अभूतपूर्व बदलाव किया है और अब 74 देशों के नागरिक 30 दिनों तक चीन में बिना वीजा के रह सकते हैं। यह चीन के पूर्व के नियमों की तुलना में बड़ा बदलाव है। चीन की सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने, अर्थव्यवस्था को गति देने और अपनी सॉफ्ट पावर बढ़ाने के लिए लोगों को वीजा फ्री एंट्री की सुविधा दे रही है।

साल 2024 में चीन में करीब दो करोड़ पर्यटक बिना वीजा दाखिल हुए। यह पूर्व की तुलना में चीन पहुंचे कुल पर्यटकों की आधे से भी ज्यादा संख्या है। बिना वीजा एंट्री पर पर्यटकों का कहना है कि इससे उन्हें वीजा के लिए आवदेन करने की तनावपूर्ण प्रक्रिया से राहत मिल जाती है। साल 2023 की शुरुआत में कोरोना महामारी के बाद चीन ने अपनी सीमाएं फिर से लोगों के लिए खोलीं थी, लेकिन उस साल सिर्फ 1.3 करोड़ पर्यटक ही चीन पहुंचे। साल 2019 में चीन में तीन करोड़ से ज्यादा पर्यटक पहुंचे थे। इससे साफ है कि कोरोना प्रतिबंधों से चीन में पर्यटन पर विपरीत असर पड़ा। यही वजह है कि चीन ने फिर से पर्यटन क्षेत्र को पटरी पर लाने के लिए यूरोप, एशिया, लैटिन अमेरिका और पश्चिम एशिया के कई देशों के लोगों को बिना वीजा चीन में एंट्री की सुविधा दी है।

दिसंबर 2023 में चीन ने फ्रांस, जर्मनी, इटली और नीदरलैंड्स, स्पेन, मलेशिया के नागरिकों को चीन में बिना वीजा एंट्री की सुविधा देने का एलान किया था। अब सभी यूरोपीय देशों के नागरिकों को यह सुविधा दे दी गई है। पांच लैटिन अमेरिकी देशों और उज्बेकिस्तान के नागरिकों को बीते महीने ही चीन में बिना वीजा एंट्री की सुविधा मिली।

इसके बाद पश्चिम एशिया के चार देशों को भी जोड़ा गया। अब 16 जुलाई से अजरबैजान के नागरिकों को भी चीन में वीजा फ्री एंट्री मिलेगी, जिससे कुल देशों की संख्या 75 हो जाएगी।

हमास ने लाशों के साथ रेप किया, प्राइवेट पार्ट में गोली मारी

तेलअवीव, 8 जुलाई (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच भीषण युद्ध का दौर जारी है। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के खूनी हमले के बाद शुरू हुई यह लड़ाई ईरान तक पहुंच गई। अब तक दोनों ही पक्षों से हजारों की तादाद में लोग और सैनिक मारे गए हैं। 7 अक्टूबर के हमले के बारे में अब इजरायल के प्रत्यक्षदर्शियों ने खुलकर हमास की दरिंदगी की कहानी को बताया है।

इजरायली प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमास के आतंकियों ने इजरायली महिलाओं के साथ अत्याचार की सारी हदें पार कर दी थीं। हमास के आतंकियों ने 7 अक्टूबर को इजरायली महिलाओं की लाशों के साथ रेप किया था। युवा लड़कियों के कपड़े उतारकर उन्हें पेड़ और खंभे से बांध दिया गया। इसके हमास के दरिंदों ने उनके प्राइवेट पार्ट और सिर में गोली मार दी।

लंदन के अखबार द टाइम्स ने अपनी एक जांच रिपोर्ट में 7 अक्टूबर के हमले को लेकर कई खुलासे किए हैं। इस हमले में हमास ने 1200 इजरायली लोगों की हत्या कर दी थी। ताजा गवाही में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमास ने कम से कम 6 अलग अलग जगहों पर रेप और गैंगरेप किया था। यह पूरा विवरण रिहा किए गए 15 इजरायली बंधकों, रेप से बचने वाली एक महिला और 17 प्रत्यक्षदर्शियों ने दिया है।

मोहम्मद यूनुस का खतरनाक प्लान

बांग्लादेश की सैन्य खुफिया एजेंसी के खिलाफ फैलाया जाल, अपनाएंगे तानाशाही का रास्ता

ढाका, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में एक साल से लगातार राजनीतिक उथल पुथल देखने को मिल रही है। बीते साल मई-जून में ढाका में भारी विरोध प्रदर्शन शुरू हुए और आखिरकार 5 अगस्त को शेख हसीना की सरकार गिर गई। शेख हसीना के ढाका छोड़ने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन किया गया। अंतरिम सरकार को निष्पक्ष चुनाव कराकर विजेता दल को सत्ता सौंपने का काम सौंपा गया। हालांकि यूनुस सरकार पर लगातार कई आरोप लगते रहे हैं और उसके मंसूबों पर गंभीर सवाल हैं।

शेख हसीना ने यूनुस पर कट्टरपंथियों के हाथों में खेलने का आरोप लगाया है तो उनका समर्थन करने वाली सेना और बीएनपी जैसे दलों ने भी चुनाव में देरी पर सवाल उठाए। इन आरापों को ताकत देने वाला एक नया दावा सामने आया है, जो कहता है कि यूनुस का प्लान बांग्लादेश की सत्ता पर काबिज होने का है। इस दावे को यूनुस के हालिया कदम ने इसे हवा दी है, जिसे सेना को कमजोर करने की कोशिश की तरह देखा गया है।

बांग्लादेश के पत्रकार और देश राजनीति के एक्सपर्ट सलाहुद्दीन शोएब चौधरी ने अपने एक लेख में दावा किया है कि यूनुस सरकार ने डीजीएफई के पूर्व डीजी हमीदुल हक पर कई आरोप लगाते हु उनके खाते के 40 करोड़ टका ब्लॉक कर दिए गए। अब सामने आया है कि यह हमीदुल हक का नहीं बल्कि आधिकारिक डीजीएफई खाता है। इसे खुफिया एजेंसी के मौजूदा महानिदेशक संचालित करते हैं।

इस कदम ने ढाका और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों को चौंकाया है। वह इसे यूनुस की सेना को कमजोर करने की कोशिश की तरह देख रहे हैं। चौधरी कहना है कि यूनुस बांग्लादेश को कट्टरपंथी इस्लामिक देश बनाते हुए सत्ता के सर्वेसर्वा बनना चाहते हैं।

‘आप हमें सूट करते हो, 5 साल राज करो’

अशोक गहलोत ने सीएम भजनलाल का क्यों किया समर्थन?

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की सियासत में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। इस बार उन्होंने भजनलाल सरकार को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। जयपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार पर निशाना साधने के बजाय उन्हें सूटेबल करार दिया।

उन्होंने कहा कि अभी डेढ़ साल हुआ है, पूरे पांच साल राज करो। आपको कौन रोक रहा है? पंडित भजनलाल हमें सूट करते हैं। हम चाहते हैं कि आप अच्छा शासन करें। गहलोत ने खुलासा किया कि उनकी भजनलाल से दो बार मुलाकात हुई है। उन्होंने बताया कि वो मेरे पास आए थे, बोले कि मैं 20 साल से राजस्थान में घूम रहा हूं और अच्छा काम करूंगा।

कानून-व्यवस्था पर क्या बोले?

अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है। उन्होंने दौसा के एक विधायक का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके घर में चोरियां हो रही हैं, जो अखबारों की सुर्खियां बन रही हैं। गहलोत ने पूछा कि जब एक विधायक की यह हालत है, तो आम जनता का क्या हाल होगा?

इसके अलावा, उन्होंने बजरी खनन में माफिया के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जताई।

गहलोत ने कहा कि हमारे कार्यकाल में भी बजरी खनन की समस्या थी, लेकिन हमने इसे रोकने की कोशिश की। अब तो ऊपर से नीचे तक नेक्सस बन गया है। पुलिस पर हमले हो रहे हैं, जो गैंग का हिस्सा नहीं, उन्हें कुचल दिया जाता है। उन्होंने मध्यमवर्गीय परिवारों को बजरी की महंगी कीमतों से होने वाली परेशानी का भी जिक्र किया।

गहलोत ने मुख्यमंत्री को सलाह दी कि वे दौरे करने के साथ-साथ कानून-व्यवस्था, बजरी माफिया और प्रशासनिक समस्याओं पर ध्यान दें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पास बड़ी शक्ति है, उसका उपयोग करें। अगर गवर्नेंस कमजोर रही, तो नुकसान सरकार को ही होगा।

योजनाओं को लेकर कसा तंज

गहलोत ने सरकार की योजनाओं पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की 'प्रशासन गांव के संग' योजना को बंद कर इसका नाम बदल दिया गया। आरजीएचएस जैसी कर्मचारी हितैषी योजना को भी कमजोर कर दिया गया है।

उन्होंने कहाकि 25 लाख का बीमा अब भी है, लेकिन जनता के दिमाग में यह बैठ गया कि यह खत्म हो गया। प्राइवेट अस्पतालों में इलाज प्रभावित हो रहा है, क्योंकि भुगतान नहीं हो रहा। गहलोत ने सरकार को चेताया कि ऐसी गवर्नेंस का नुकसान उसे ही भुगतना पड़ेगा।

नरेश मीणा को थप्पड़ कांड में राहत

हाईकोर्ट ने निचली कोर्ट की कार्रवाई पर लगाई अंतरिम रोक

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। देवली-उनियारा विधानसभा उपचुनाव में एसडीएम को थप्पड़ मारने वाले नरेश मीणा के खिलाफ निचली अदालत की कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है।

जस्टिस उमाशंकर व्यास की अदालत ने नरेश मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह रोक लगाई है।

याचिका में सुनवाई के दौरान एडवोकेट फतेहराम मीणा और रजनीश गुप्ता ने अदालत को बताया कि यह प्रकरण साधारण मारपीट का है, जबकि इसे हत्या के प्रयास के रूप में दिखाकर रिपोर्ट दर्ज की गई है। याचिकाकर्ता की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि बूथ पर निर्वाचन आयोग की ओर से लगाए गए सीसीटीवी कैमरे और मौके पर मौजूद तहसीलदार के मोबाइल से की गई रिकॉर्डिंग में एसडीएम का गला घोंटने जैसा कुछ भी नहीं है। वहीं एसडीएम की मेडिकल रिपोर्ट में भी गले या शरीर पर किसी तरह की जानलेवा चोट की पुष्टि नहीं हुई है।

यह अचानक हुआ घटनाक्रम था लेकिन पुलिस ने इसे जानलेवा हमले का मामला बनाया है, जो सही नहीं है।

याचिकाकर्ता के वकीलों ने बताया कि पुलिस ने बीएनएस की धारा 109 (1) के तहत हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया और उसी धारा में आरोप पत्र भी पेश कर दिया। अदालत ने भी इसी धारा में नरेश मीणा पर चार्ज फ्रेम कर दिए।

जबकि यह मामला अधिकतम साधारण मारपीट का बनता है, इसलिए याचिकाकर्ता के खिलाफ किए गए चार्ज फ्रेम आदेश को रद्द किया जाए। इस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की एकल पीठ ने निचली अदालत की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगाते हुए राज्य सरकार से जवाब मांगा है।

दिनदहाड़े एसडीएम के घर चोरी 7 मिनट की रेकी की

फिर 5 मिनट में 8 लाख की ज्वेलरी और कैश चुराया

जोधपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर शहर में एसडीएम के घर पर दिनदहाड़े चोरी हुई। चोर ने पहले रेकी की, फिर गेट खोलकर भीतर घुसा और महज 5 मिनट में 8 लाख रुपए कीमत के स्वर्णाभूषण और कैश चुराकर फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। घटना भगत की कोठी थाना क्षेत्र स्थित विजयनगर बासनी प्रथम फेज में रहने वाले सलूंबर के एसडीएम परमजीत सिंह के घर पर आज दोपहर करीब 12 बजे हुई। एसडीएम के बड़े भाई विजय नगर निवासी भरत सिंह ने पुलिस में रिपोर्ट दी है। मामले की जांच एएसआई गिरधारीलाल को सौंपी गई है। रिपोर्ट में भरत सिंह ने बताया कि उनके छोटे भाई परमजीत सिंह सलूंबर में एसडीएम है और भाभी कामाश्री एमडीएम नर्सिंग कॉलेज में पदस्थापित है। उनका परिवार ग्राउंड फ्लोर पर रहता हैं। घटना के समय भरत सिंह घर की ऊपरी फ्लोर पर मौजूद थे, जबकि नीचे के फ्लोर पर रह रही उनके छोटे भाई की पत्नी कामाश्री कॉलेज गई हुई थी। इसके चलते ग्राउंड फ्लोर पर ताला लगा था।

रिपोर्ट के अनुसार- चोर ग्राउंड फ्लोर पर घर के ताले तोड़कर घुसा। फिर महज 5 मिनट में अंदर रखी अलमारी से लगभग 7 तोला (करीब 81.65 ग्राम) सोने के गहने ले गया। इनमें 5 गले के नेकलेस और 3 जोड़ी कान की बालियां भी शामिल हैं। इन जेवरात की अनुमानित कीमत लगभग 8 लाख 8 हजार रुपए है। सूचना पर भगत की कोठी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में सामने आया कि चोर ने करीब 7 मिनट तक घर की रेकी की। इसके बाद ग्राउंड फ्लोर पर घर में घुसा। सीढ़ियों पर चढ़ते हुए फर्स्ट फ्लोर के दरवाजे तक जाकर गेट के बंद होने की पुष्टि की। इसके बाद एक बार वो वापस घर से बाहर निकला, लेकिन फिर दोबारा घर में घुसा और 5 मिनट में ही वारदात को अंजाम देकर स्वर्णाभूषण ले भागा।

करंट लगने से चार साल के मासूम की मौत

बिजली विभाग की लापरवाही पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

झुंझुनू, 8 जुलाई (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले के धनुरी थाना क्षेत्र के लादूसर गांव में मंगलवार को बिजली विभाग की घोर लापरवाही के चलते एक चार वर्षीय मासूम की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान अजीत के रूप में हुई है, जो अपने घर की छत पर खेल रहा था। इसी दौरान छत के ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आकर वह बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही उसकी जान चली गई।

‘कॉल करते रहे, पर नहीं कटी बिजली’

हादसे के तुरंत बाद परिजनों और ग्रामीणों ने बिजली विभाग को कई बार फोन कर बिजली लाइन काटने की गुहार लगाई, लेकिन विभाग को बिजली बंद करने में करीब 30 मिनट का समय लग गया। इस बीच कोई भी व्यक्ति छत पर जाकर मासूम को बचाने की हिम्मत नहीं जुटा सका और अजीत की मौत तड़पते हुए हो गई। बताया जा रहा है कि परिजन 10 से ज्यादा बार विभाग को फोन करते रहे, लेकिन कोई त्वरित कार्रवाई नहीं हुई।

मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन

घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल फैल गया। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने बच्चे के शव को करीब दो घंटे तक छत से नीचे नहीं उतारा और बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों ने उचित मुआवजा, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और लाइन शिफ्ट करने की मांग करते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

छह महीने पहले भी लग चुका था करंट

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि छह महीने पहले भी अजीत को इसी लाइन से करंट लगा था, लेकिन वह तब बच गया था। बावजूद इसके बिजली विभाग ने लाइन को शिफ्ट करने की कोई पहल नहीं की और न ही सुरक्षा उपाय किए। यह लापरवाही अब मासूम अजीत की जान ले गई।

सरपंच से की मारपीट, पुलिस ने संभाला मोर्चा

जब गांव के सरपंच बलबीर ग्रामीणों को समझाने पहुंचे तो उग्र भीड़ ने उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात को नियंत्रित किया और सरपंच को ग्रामीणों के कब्जे से छुड़ाया। अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत कर शव को नीचे उतरवाया और सही जांच व कार्रवाई का आश्वासन दिया।

खनन में अग्रणी बनेगा राजस्थान, लोहे से सोने तक खनिजों की भरमार

जयपुर8 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित स्टार रेटिंग ऑफ माइन्स पुरस्कार समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान खनन क्षेत्र के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और जल्द ही देश का प्रमुख खनन हब बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में लोहे से लेकर सोने तक खनिजों की प्रचुरता है और राज्य सरकार पारदर्शिता, निवेश सहयोग और आधारभूत ढांचे के साथ खनन क्षेत्र को मजबूती से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने उद्यमियों से प्रदेश में निवेश करने का आह्वान किया और भरोसा दिलाया कि सरकार हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने स्टार रेटिंग प्रणाली को खनन क्षेत्र में गुणवत्ता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि अब खदानों का मूल्यांकन वैज्ञानिक मापदंडों जैसे जल प्रबंधन, पौधारोपण और सामाजिक उत्तरदायित्व के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने राजस्थान में भी इसी प्रणाली के तहत खदानों को रेटिंग देने की योजना की घोषणा की।

राज्य में अब तक 100 से अधिक प्रमुख खनिज ब्लॉक्स की नीलामी हो चुकी है, जो देश के कुल 500 ब्लॉक्स का 20 % है। इसके अतिरिक्त, 960 अप्रधान खनिज और 137 क्वारी प्लाट भी सफलतापूर्वक नीलाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान को खनिज संग्रहालय कहना अनुचित नहीं होगा क्योंकि यहां 57 प्रकार के खनिजों का दोहन हो रहा है।

रॉयल्टी में ऐतिहासिक बढ़ोतरी, अवैध खनन पर सख्ती

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2024-25 में माइनिंग रॉयल्टी राजस्व 9,228 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 24 % अधिक है। यह एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। उन्होंने बताया कि अवैध खनन के खिलाफ राज्य सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है और अब तक तीन विशेष अभियान चलाए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने एम-सैंड नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में रेत के विकल्प के रूप में एम-सैंड को बढ़ावा दिया जा रहा है और इसके लिए नई नीति के तहत उद्यमियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। साथ ही, उन्होंने “मिशन हरियालो राजस्थान” के तहत 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा, जिसमें अब तक 7.5 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।

डबल इंजन सरकार से मिल रहा राज्य को अभूतपूर्व लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार राजस्थान को हर क्षेत्र में आगे बढ़ा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को देश के समग्र विकास और आतंकवाद-नक्सलवाद के खात्मे के लिए सराहा। साथ ही, कहा कि शिक्षा, उद्योग, पर्यटन और खनन के क्षेत्र में राजस्थान निवेश के नए द्वार खोल रहा है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शर्मा और केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने 7 एवं 5 स्टार रेटिंग प्राप्त खदानों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय खान मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव संजय लोहिया, भारतीय खान ब्यूरो के मुख्य खान नियंत्रक पीयूष नारायण शर्मा और राज्य के खान विभाग के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

बालोतरा में दिनदहाड़े फिल्मी अंदाज में लूट

पेट्रोल पंप मैनेजर से 4.81 लाख रुपये उड़ाकर फरार हुए बदमाश

जैसलमेर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बालोतरा शहर के जसोल रोड पर एक बड़ी और सनसनीखेज लूट की वारदात सामने आई है। देवी कृपा पेट्रोल पंप के मैनेजर मफतलाल से दिनदहाड़े नकाबपोश बदमाशों ने करीब चार लाख 81 हजार रुपये लूट लिए और फरार हो गए। यह पूरी वारदात फिल्मी अंदाज में कुछ ही सेकंड में अंजाम दी गई, जिसने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है।

बैंक जमा के रास्ते में हमला

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मफतलाल रोजाना की तरह पेट्रोल पंप की दो दिन की कुल कलेक्शन राशि लेकर बैंक में जमा करवाने जा रहे थे। जब वे जसोल रोड स्थित अर्श पर्श बालाजी मंदिर के पास पहुंचे, तभी पीछे से तेज गति से आती बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर से मफतलाल सड़क पर गिर पड़े और इससे पहले कि वे कुछ समझ पाते, बदमाशों ने उनका नकदी से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए।

गंभीर रूप से घायल हुए मैनेजर

घटना में मफतलाल को सिर में गंभीर चोट आई है। लहूलुहान हालत में सड़क पर पड़े मैनेजर को देख आस-पास के लोग इकट्ठा हो गए और तुरंत पेट्रोल पंप के मालिक व अन्य कर्मचारियों को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस और पंप कर्मचारी मौके पर पहुंचे और घायल मफतलाल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

लूट की पूरी प्लानिंग

पुलिस के मुताबिक, यह वारदात पूरी योजना के तहत अंजाम दी गई। बदमाशों को पहले से इस बात की जानकारी थी कि पेट्रोल पंप का मैनेजर बैंक जा रहा है और उसके पास बड़ी रकम है। यही वजह है कि उन्होंने पंप से महज 100 मीटर की दूरी पर उन्हें निशाना बनाया।

घटना के बाद पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस को उम्मीद है कि बाइक की पहचान और बदमाशों के भागने के रूट से उन्हें जल्द सुराग मिल सकता है।

इस मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और क्षेत्र में नाकाबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता का निधन, लंबे समय से चल रहे थे अस्वस्थ

जोधपुर 8 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता ने मंगलवार को जोधपुर एम्स में अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। रेलमंत्री के पिता दाऊलाल वैष्णव का जोधपुर के एम्स अस्पताल में इलाज चल रहा था। जोधपुर एम्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि दाऊलाल वैष्णव का आज एआईआईएसएस जोधपुर में निधन हो गया है।

अश्विनी वैष्णव हवाई मार्ग से 10.30 बजे दिल्ली से जोधपुर पहुंचे। रेलमंत्री एयरपोर्ट से सीधे अपने घर गए, जहां उनके परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। दाऊलाल वैष्णव राजस्थान के पाली जिले के जीवंद कलां गांव के मूल निवासी हैं। पूर्व में सरपंच रह चुके हैं।

बिजनेसमैन से 30 हजार मांग रहा था जयपुर-डिस्कॉम का एक्सईएन

एसीबी के कार्रवाई में मुंह छिपाए बैठा रहा

भरतपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर डिस्कॉम के एक्सईएन ने सिविल वर्क पास कराने की एवज में बिजनेसमैन से 15 हजार रुपए की घूस मांगी। परिवादी ने इसकी शिकायत हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से जयपुर एसीबी को कर दी। एसीबी ने एक्सईएन को रडार पर लिया और जब सत्यापन की कार्रवाई कर ही रही थी कि इसी दौरान एक्सईएन ने रिश्वत की राशि 15 हजार से बढ़ा कर 36 हजार कर दी। आखिर में बिजनेसमैन और एक्सईएन के बीच 30 हजार रुपए में सहमति बनी। जैसे ही बिजनेसमैन ने एक्सईएन को उसके ऑफिस में 5 हजार के असली और 25 हजार के डमी नोट पकड़ाए, एसीबी ने आकर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। ट्रैप की कार्रवाई भरतपुर के रीको इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम में मंगलवार दोपहर की गई। कार्रवाई के दौरान एक्सईएन मुंह छिपाए बैठा रहा। एसीबी एडिशनल एसपी अमित सिंह ने बताया- मामले में राज्य विद्युत प्रसारण निगम का एक्सईएन अवनीश सोनी को गिरफ्तार किया है। मामले में परिवादी ने जयपुर मुख्यालय से हेल्पलाइन के जरिए संपर्क किया। जिसके बाद मुख्यालय से शिकायत मेरे पास आई। परिवादी ने शिकायत की थी कि राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम का एक्सईएन सिविल वर्क का बिल पास करने के एवज में रिश्वत मांग रहा है। परिवादी की भरतपुर में फर्म है, इसी के जरिए परिवादी ने बिजली विभाग के सिविल वर्क किए थे। 20 दिन पहले शिकायत में परिवादी ने बताया था कि एक्सईएन 15 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। परिवादी की शिकायत के मुख्यालय के निर्देशन में सत्यापन करवाया गया। एसीबी एडिशनल एसपी ने बताया कि सत्यापन के दौरान एक्सईएन ने रिश्वत की राशि 36 हजार रुपए कर दी। परिवादी ने आपत्ति जताई तो आखिर में एक्सईएन 30 हजार रुपए मान गया। मंगलवार को जब परिवादी पैसे देने के लिए पहुंचा। इस दौरान जैसे ही एक्सईएन ने रुपए लिए, एसीबी की टीम ने उसे रेंज हाथों पकड़ लिया।

महिला की संदिग्ध मौत के मामले में पति और महिला साथी गिरफ्तार

कोर्ट ने दोनों को जेल भेजा

बाड़मेर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के रीको थाना क्षेत्र के बलदेवनगर गांव में 3 जुलाई को एक महिला का संदिग्ध परिस्थितियों में घर के बाथरूम में लटकता शव मिलने के मामले में पुलिस ने आरोपी पति मुकनाराम और एक महिला शांति बाई को गिरफ्तार किया है।

बाड़मेर पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत एक विशेष जांच टीम गठित की थी। गुड़ामालाणी उपाधीक्षक सुखराम विश्नोई की निगरानी में चल रही जांच के दौरान एएसपी जस्साराम बॉस के नेतृत्व में एसआईटी ने शुरुआती पूछताछ के बाद इन दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। हत्या के सिलसिले में 4 जुलाई को भारतीय दंड संहिता की धाराओं 103(1), 115(2), और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था और पुलिस को आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश जारी किए गए थे।

34 वर्षीय मृतका कमला का शव 3 जुलाई की रात उसके घर के बाथरूम में पाया गया था। इस घटना के बाद मृतका के परिवार वालों ने पति सहित अन्य लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए धरना शुरू कर दिया था।

जिला अस्पताल की मोर्चरी के बाहर शनिवार को धरने के दूसरे दिन विधायक डॉ. प्रियंका चौधरी और पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा की समझाइश के बाद सहमति बनी।

एसपी ने एसआईटी गठित कर दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। इस मामले में पुलिस मृतका के पति और एक महिला को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने दोनों को जेल भेज दिया है।

कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मारी, दंपति की मौत

बूंदी, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बूंदी के राष्ट्रीय राजमार्ग 148D पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दंपती की जान चली गई। हादसा दबलाना थाना क्षेत्र के कुम्हराला बालाजी के पास हुआ। जहां सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक दूर तक घिसटती चली गई और डॉक्टर से इलाज करवाकर घर लौट रहे पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए।

पत्नी को दिखवाकर लौट रहे थे घर

नैनवां थाना क्षेत्र के रजलावता गांव निवासी दिनेश वर्मा (33) अपनी पत्नी गीता वर्मा (31) को तबीयत खराब होने पर कोटा के MBS हॉस्पिटल में डॉक्टर को दिखाने लेकर गए थे। इलाज करवाकर दोनों अपने गांव लौट रहे थे कि रास्ते में कुम्हराला बालाजी के पास उनकी बाइक को कार ने टक्कर मार दी।

इलाज के दौरान दोनों ने तोड़ा दम

हादसे के बाद राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को पहले हिण्डोली हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां से उन्हें गंभीर हालत में बूंदी और कोटा रेफर कर दिया गया। बूंदी में इलाज के दौरान दिनेश ने दम तोड़ दिया जबकि गीता को कोटा के MBS हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां देर रात उसकी भी मौत हो गई।

मृतक दंपति के 3 छोटे-छोटे बच्चे हैं जो अब अनाथ हो गए। इस हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मासूम बच्चों के सिर से मां-बाप का साया उठ जाने से परिवार गहरे दुख में डूबा हुआ है।

एएसआई महेन्द्र वर्मा ने बताया कि हादसे के संबंध में अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज व चश्मदीदों के आधार पर आरोपी चालक की पहचान कर रही है।

पहाड़ी से फिसलकर एमबीसी जवान की मौत

साथी को बचाने में दूसरा जवान गंभीर रूप से घायल

बांसवाड़ा, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के भूंगड़ा थाना क्षेत्र स्थित जगमेरू पहाड़ी पर हुए दर्दनाक हादसे में एमबीसी के एक जवान कल्पेंद्र सिंह (27) की गहरी खाई में गिरने से मौत गई। वहीं उसे बचाने की कोशिश में एक अन्य जवान जीवन सिंह (32) गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए एमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि एमबीसी के चार जवान कल्पेंद्र सिंह, सत्तू सिंह, देवराज और देवेंद्र सिंह जगमेरू पहाड़ी पर घूमने गए थे। इस दौरान पहाड़ी के किनारे खड़े कल्पेंद्र सिंह का अचानक पैर फिसल गया और वह गहरी खाई में जा गिरा। उसे बचाने के लिए नीचे उतरे कांस्टेबल जीवन सिंह भी गिरकर घायल हो गए।

सूचना मिलने पर भूंगड़ा थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद कल्पेंद्र सिंह का शव बरामद किया गया। शव को मोर्चरी में रखवाया गया है। वहीं घायल जवान का इलाज चल रहा है।

कुछ दिन पहले हुई थी सगाई

मृतक जवान कल्पेंद्र सिंह मूलतः डूंगरपुर जिले के वरदा गांव का निवासी था और एमबीसी में ट्रेनर के रूप में सेवाएं दे रहा था। कुछ दिन पहले ही उसकी सगाई हुई थी। इकलौते पुत्र की असमय मौत से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। घर में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जर्मन टीम ने नर्सिंग प्लेसमेंट को आगे बढ़ाने के लिए विवेक वेंकटस्वामी से मुलाकात की

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को सचिवालय में ट्रिपल विन परियोजना के तहत नर्सिंग प्लेसमेंट को आगे बढ़ाने के लिए, श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कारखानों के मंत्री डॉ. विवेक वेंकटस्वामी से मुलाकात की, तेलंगाना के युवाओं के लिए भविष्य के सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। जर्मनी सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले प्लेसमेंट अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. विवेक वेंकटस्वामी के साथ शिष्टाचार बैठक की। श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कारखानों विभाग के प्रमुख सचिव, आईएएस एम. दाना किशोर और तेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनी लिमिटेड (टॉमकॉम) के उपाध्यक्ष भी मौजूद थे। आने वाली टीम में बियांका मारिया कुंज, डेजना हर्टिक और अब्दुलरहमान अल्ताहलेह शामिल थे, जिनके साथ जीआईजेड इंडिया के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी थे। प्रतिनिधिमंडल चल रहे ट्रिपल विन प्रोजेक्ट (टीडब्ल्यूपी) के हिस्से के रूप में हैदराबाद में है (जो जर्मनी के संघीय गणराज्य और तेलंगाना सरकार के बीच एक संयुक्त पहल है) जिसे टॉमकॉम के माध्यम से लागू किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तेलंगाना की योग्य नर्सों को जर्मनी भर के प्रतिष्ठित स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में निःशुल्क जर्मन भाषा प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करना है। चर्चा के दौरान, मंत्री ने अन्य क्षेत्रों, विशेष रूप से जर्मनी के ऑसबिल्डुंग कार्यक्रम के तहत आईटीआई छात्रों को लाभ पहुंचाने के लिए ऐसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों का विस्तार करने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने सहयोग के नए रास्ते शुरू करने में गहरी रुचि व्यक्त की और आश्वासन दिया कि टॉमकॉम निकट भविष्य में ऐसी परियोजनाओं को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाएगा और लागू करेगा। प्रतिनिधिमंडल वर्तमान में चल रही भर्ती प्रक्रिया के हिस्से के रूप में 9 से 17 जुलाई, 2025 तक बेगमपेट के पर्यटक भवन में नामांकित तेलंगाना नर्सों के साक्षात्कार आयोजित कर रहा है। टीडब्ल्यूपी 2024 बैच के तहत चयनित नर्सों का जुलाई 2024 में साक्षात्कार हुआ और उन्होंने बी1-स्तरीय जर्मन भाषा प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और उनके वीजा और तैनाती की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद अक्टूबर-नवंबर 2025 तक जर्मनी की यात्रा करने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में, प्रतिनिधिमंडल ने टीजीआरटीसी नर्सिंग कॉलेज, तारनाका में नर्सिंग छात्रों के साथ भी बातचीत की, जहां उन्होंने जर्मनी में भारतीय नर्सों के लिए व्यापक कैरियर की संभावनाओं पर विस्तार से बताया, जिसमें प्रतिस्पर्धी वेतन पैकेज, पारिवारिक वीजा प्रायोजन और दीर्घकालिक निपटान विकल्प शामिल हैं। इंटरैक्टिव सत्र को छात्रों और संकाय से उत्साही प्रतिक्रिया मिली। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. वसुंधरा ने छात्रों को सरकार द्वारा सुगम बनाए जा रहे ऐसे अंतर्राष्ट्रीय अवसरों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। तेलंगाना सरकार के मार्गदर्शन में टामकाम, निरंतर अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी और नैतिक भर्ती कार्यक्रमों के माध्यम से विदेश में करियर की गतिशीलता को बढ़ावा देने और राज्य के कुशल युवाओं के लिए वैश्विक रोजगार के अवसर खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

हरीश राव ने एपीओ की मौत के लिए कांग्रेस को ठहराया जिम्मेदार

वेतन जारी करने की मांग की

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट विधायक टी हरीश राव ने के श्रीनिवास की मौत के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया, जो देवरुप्पुला मंडल में एमजीएनआरईजीएस के सहायक कार्यक्रम अधिकारी (एपीओ) के रूप में काम कर रहे थे और कथित तौर पर बढ़ते वित्तीय और काम के दबाव के कारण दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में एपीओ को तीन महीने से अधिक समय से वेतन नहीं दिया गया था।

उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी सभी मनरेगा एपीओ और सफाई कर्मचारियों के लंबित वेतन तुरंत जारी करें। हरीश राव ने कर्मचारियों को वित्तीय संकट में धकेलने और उन्हें बिना वेतन के अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि श्रीनिवास की दुखद मौत सरकार की उदासीनता का सीधा नतीजा है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि क्रूरता है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सेवा के लिए कड़ी मेहनत करने वाले लोग दबाव में मर रहे हैं, जबकि यह सरकार बेपरवाह बनी हुई है।

किसी भी चुनाव में बीआरएस जमानत भी नही बचा पाएगी : भट्टी

डिप्टी सीएम ने महबूबाबाद में जनसभा को संबोधित किया

महबूबाबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि बीआरएस न केवल आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में, बल्कि अगले विधानसभा चुनावों में भी अपनी जमानत नहीं बचा पाएगी। महबूबाबाद जिले के सोमाला टांडा में मंगलवार को जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों के दौरान बीआरएस सरकार ने सिंचाई पर 1 से 2 लाख करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन 10 एकड़ तक भी पानी नहीं पहुंचा सकी।

अब जब कालेश्वरम के बारे में सच्चाई सामने आ रही है, तो वे इसे झूठ से ढकने की कोशिश कर रहे हैं। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार कृष्णा और गोदावरी नदी के पानी पर विधानसभा में चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष के नेता के चंद्रशेखर राव को बहस के लिए आगे आना चाहिए। वे सीएम रेवंत रेड्डी के बारे में जो चाहें कह रहे हैं, दावा कर रहे हैं कि उन्हें नदी घाटियों की समझ नहीं है। लेकिन क्या उन्होंने प्रजा भवन में पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कृष्णा और गोदावरी बेसिन के पानी का उपयोग करने की आवश्यकता को स्पष्ट रूप से नहीं समझाया? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पानी के मुद्दों पर बीआरएस शासन के दौरान तेलंगाना के साथ हुए अन्याय को सबूतों के साथ उजागर किया है। भट्टी विक्रमार्क ने याद दिलाया कि केसीआर ने आंध्र प्रदेश में सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि राज्य कृष्णा-गोदावरी के पानी का उपयोग कर सकता है, बेसिन प्राथमिकताओं को अनदेखा करते हुए, और सीएम रेवंत रेड्डी ने हाल ही में उन वीडियो क्लिप को दिखाया। रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि कल्याणकारी योजनाओं पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए, लेकिन बीआरएस नेता इस सच्चाई को पचा नहीं पा रहे हैं।

अगर उन्हें वाकई लोगों की परवाह है, तो उन्हें विधानसभा में आना चाहिए, अपने आंकड़े लेकर आना चाहिए और बहस करनी चाहिए। देखते हैं कौन सही है, कौन गलत। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केसीआर बहस से बच रहे हैं, अपनी जगह किसी और को भेज रहे हैं। भट्टी ने कहा, अगर आप वाकई चुनौती का जवाब देना चाहते हैं, तो विधानसभा में आएं, प्रेस क्लब में नहीं। उपमुख्यमंत्री ने बिजली कटौती और ट्रांसफॉर्मर फेल होने का आरोप लगाने वाले बीआरएस नेताओं को भी चुनौती दी : क्या आप अपने शासन और हमारे शासन के दौरान बिजली की मांग की तुलना करने के लिए तैयार हैं? उन्होंने बताया कि पिछली सरकार के दौरान अधिकतम मांग 17,162 मेगावाट थी, जबकि इस साल मार्च में यह 2,000 मेगावाट बढ़ गई। वृद्धि के बावजूद, कोई ब्लैकआउट नहीं हुआ- किसानों को 24x7 मुफ्त बिजली दी जा रही है।

भारी बारिश के मद्देनजर नियंत्रण कक्ष स्थापित : वेंकटेश धोत्रे

कुमरमभीम आसिफाबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में मौजूदा बारिश की स्थिति को देखते हुए जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने एक बयान में कहा कि जिले के निचले इलाकों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। लोगों को बाढ़ की स्थिति के बारे में पहले से सूचित करने और उन्हें सुरक्षित क्षेत्रों में ले जाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लोगों की जान-माल की सुरक्षा के लिए अधिकारी सतर्क हैं, वे सुरक्षात्मक उपायों के साथ हमेशा उपलब्ध और तैयार हैं। पुनर्वास केंद्र स्थापित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इस संदर्भ में उन्होंने लोगों की सुविधा के लिए बताया कि जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में कंट्रोल रूम नंबर 8500844365 स्थापित किया गया है, तथा लोग मदद व अन्य सुविधाओं के लिए इस पर संपर्क कर सकते हैं, यह 24 घंटे उपलब्ध रहेगा, तथा लोगों को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है।

नेचर क्लब स्टूडियो का उद्घाटन

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नेचर क्लब स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड ने गांधीनगर में तीसरे स्टूडियो का उद्घाटन किया। उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि गोपाल बलदेव मौजूद थे, उनके साथ नेचर क्लब स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ डॉ. सोमनाथ मजूमदार और आद्या आई केयर की डॉ. पल्लवी गुप्ता रेड्डी भी मौजूद थे। गांधीनगर में नेचर क्लब योग, एचआईआईटी और जुम्बा से शुरूआत कर रहा है। यह केंद्र विश्व स्तरीय योग और फिटनेस स्टूडियो के लिए बेहतरीन फिटनेस अनुभव प्रदान करेगा।

कांग्रेस नेताओं ने वाईएसआर की जयंती मनायी

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस नेताओं ने मंगलवार को हैदराबाद में तत्कालीन आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि दी। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, मंत्री पोन्नम प्रभाकर और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़, विधायक, एमएलसी, के.वी.पी. रामचंद्र राव सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने पंजागुट्टा में वाईएसआर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की, वाईएसआर को लोगों के कल्याण के लिए समर्पित नेता के रूप में मनाया और उनके साथ अपने जुड़ाव और समाज में उनके योगदान की यादें साझा कीं। गांधी भवन में पांडिचेरी के पूर्व मुख्यमंत्री वी. नारायण स्वामी ने एआईसीसी सचिव विश्वनाथन, विधायक दानम नागेंद्र और श्री गणेश, एमएलसी अद्दांकी दयाकर और बालमुरी वेंकट, पूर्व सांसद अंजन कुमार यादव और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के साथ वाईएसआर के चित्र पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के उपलक्ष्य में टीपीसीसी अध्यक्ष के सहयोग से लोगों को कपड़े और मिठाइयां बांटी गईं।

श्री बालाजी राजस्थानी मंडल के चुनाव संपन्न

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री बालाजी राजस्थानी मंडल की आम सभा श्री बालाजी भवन मे संपन्न हुई। जिसमें मंत्री अशोक सिंह राजपुरोहित ने वर्ष 2024, 25 मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम सावन की सेल, जन्माष्टमी,गणेश उत्सव, रावण दहन, शरद पूर्णिमा, दिवाली मिठाई मेला, दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट, महा शिवरात्रि,होली का दहन एवं श्री बालाजी भजन मंडली का स्थापना दिवस, सभी कार्यक्रमों के मुख्य संयोजक एवं सह संयोजको को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया गया। सोहन सिंह राजपुरोहित ने स्वागत भाषण दिया। चुनाव अधिकारी आनंद सोनी एवं वासुदेव काबरा ने निर्विरोध कार्यकारिणी गठित की। अध्यक्ष अशोक सिंह राजपुरोहित (ढालोप), उपाध्यक्ष श्याम सुंदर तोषनीवाल एवं महावीर जैन, सचिव नन्दकिशोर काबरा, सह सचिव हिम्मत सिंह राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष रोमित रानधर बनाए गए। कार्यकारीणी सदस्य विजय राठी, राजेन्द्र चंडक, विनोद बंग, जब्बर सिंह राजपुरोहित, श्रीराम मंत्री, गजेन्द्र सिंह राजपुरोहित, राजेश बजाज चुने गए। श्री बालाजी राजस्थानी मंडल ट्रस्ट के चेयरमेन राजेश काबरा मेनेजिंग ट्रस्टी महेन्द्रसिंह राजपुरोहित ने लेखा जोखा प्रस्तुत किया एवं नए ट्रस्टियों वासुदेव काबरा, महेश लोया, राजेश काबरा, नवल लड्ढा, आदित्य मानधना की नियुक्ति की गई। सभा में राम गोयल, राजेन्द्र स्वरूप माहेश्वरी, हंसराज कोठारी, अशोक सिंह राजपुरोहित, लक्ष्मीकांत कोठारी, ललित अग्रवाल, सतीश सारडा, दिनदयाल मूंदड़ा, नथमल डागा, भूराराम सहित बडी संख्या में लोग उपस्थित थे।

एकीकृत कलेक्ट्रेट में प्रतिदिन जनसुनवाई : वेंकटेश धोत्रे

कुमरमभीम आसिफाबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि लोगों की सुविधा के लिए जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन में प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाला जनसुनवाई कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा। मंगलवार को जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के भूतल पर जी-3 में स्थापित शिकायत नियंत्रण कक्ष का उद्घाटन जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड और आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव के साथ किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि लोग प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत करने के बजाय, नव स्थापित शिकायत प्रकोष्ठ में प्रतिदिन विभिन्न मुद्दों पर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय करके समाधान की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

आंध्र प्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्री वाईएसआर रेड्डी की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ए. गौतम जैन, पी. राजेंद्र यादव. नरसिंग राव, प्रेमचंद मुणोत, गजानन चौधरी आदि।

बीआईएस ने जब्ती अभियान चलाया

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा कार्यालय ने मंगलवार को सुल्तान बाजार, कोटी में मोबाइल एक्सेसरीज और इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान पर बीआईएस अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए जब्ती अभियान चलाया।

इस प्रवर्तन अभियान का निर्देशन पी.वी. श्रीकांत, निदेशक ने किया। नेतृत्व श्रीमती टी सुजाता, निदेशक, राकेश टण्णीरु, सयुक्त निदेशक, और एसएसए शिवाजी ने किया। छापे के दौरान, बीआईएस अधिकारियों ने नकली बीआईएस पंजीकरण चिह्न वाले मोबाइल चार्जर का स्टॉक जब्त किया, जिन पर कोई वैध बीआईएस पंजीकरण संख्या नहीं थी। ये उत्पाद अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन के बिना बिक्री के लिए प्रस्तुत किए गए थे और गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के तहत आते हैं।

बीआईएस अधिनियम, 2016 की धारा 17 के तहत, क्यूसीओ के तहत आने वाले उत्पादों को उचित बीआईएस प्रमाणन के बिना बेचना, संग्रहीत करना या वितरित करना प्रतिबंधित है। इसके उल्लंघन पर दो साल तक की जेल या पहली बार के उल्लंघन के लिए कम से कम 2 लाख रुपये का जुर्माना और बाद के उल्लंघनों के लिए कम से कम 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है, जो उत्पादों के मूल्य के दस गुना तक बढ़ सकता है।

बीआईएस अधिनियम, 2016 के तहत, केंद्र सरकार किसी भी भारतीय मानक को गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के माध्यम से अनिवार्य बना सकती है। अब तक 769 उत्पादों के लिए मानक अनिवार्य किए गए हैं। क्यूसीओ के तहत आने वाले उत्पादों के लिए, कोई भी उत्पाद बिना बीआईएस लाइसेंस के निर्माण, आयात, बिक्री या प्रदर्शन नहीं कर सकता है।

कॉवड़ यात्रा हेतु गंगाजल नगर लाया गया

1151 कावड़धारियों ने अपना पंजीकरण कराया

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर कॉवड़ सेवा संघ, हैदराबाद सिकंदराबाद के तत्वावधान में आगामी 27 जुलाई को 28वीं कॉवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा प्रबंधक अभिनव अग्रवाल ने संघ के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष मांगेराम तायल ने की। प्रचार सह संयोजक पंकज वर्मा ने बताया कि कॉवड़ यात्रा हेतु कावड़ पंजीकरण पूर्ण हो चुका है।

पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि कॉवड़ यात्रा चारमीनार स्थित महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई अपने पहले पड़ाव: द्रोपती गार्डन सीताराम बाग पहुंचेगी, जहां पर अल्पाहार रहेगा। पुनः यात्रा प्रारंभ होकर अपने दूसरे पड़ाव सुगना गार्डन लंगर हाउस पहुंचेगी।

यात्रा पुन : प्रारंभ होकर अपनी तृतीय पड़ाव नरसिंगी चौराहा के समीप स्थित ओम कन्वेंशन में रुकेगी। जहां रात्रि में शिव भंडारा एवं शिव महा जागरण का आयोजन किया जाएगा। बैठक में कोषाध्यक्ष चंपालाल बैद ने बताया कि कावड़ यात्रा हेतु गंगाजल हरिद्वार हर की पौड़ी से नगर लाया गया है।

1151 भाग्यशाली कावड़धारियों ने अपना पंजीकरण कर लिया है। जो भक्त कॉवड़ उठाने के इच्छुक है जिनका पंजीकरण इस वर्ष नहीं हो पाया उनसे भी संघ का आग्रह है कि वह कॉवड़ यात्रा में भगवा ड्रेस पहनकर सम्मिलित हों और हर की पौड़ी हरिद्वार से लाए गए गंगाजल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक अपने परिवार के सहित करें। कॉवड़ यात्रा के प्रचार हेतु पोस्ट का विमोचन भी संघ के पदाधिकारी द्वारा किया गया इस पोस्टर में यात्रा संबंधित जानकारी दी गई है।

बैठक में संस्था के अध्यक्ष मांगीराम तायल, उपाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल एवं सुनील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष चंपालाल बैद, सह मंत्री ललित कड़ेल, यात्रा प्रधान संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल, पंकज वर्मा, ओमप्रकाश अग्रवाल, भरत अग्रवाल, अभिनव अग्रवाल, पूर्वा अग्रवाल, सोनाली वर्मा, आरव अग्रवाल, झलक अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित थे। महिला अध्यक्ष रूबी मिश्रा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

महिला को ठगने के आरोप में 2 सरकारी कर्मचारी गिरफ्तार

आदिलाबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद में एक मकान के फर्जी दस्तावेज बनाकर एक महिला को धोखा देने के आरोप में सोमवार शाम दो सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया। आदिलाबाद के डीएसपी एल जीवन रेड्डी ने कहा कि जिला परिषद कार्यालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कोंडुरी गंगाधर और नगर रोजगार कार्यालय के वरिष्ठ सहायक देवल्ला गोवर्धन को ठाकुर स्वरूपा रानी को धोखा देने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। दोनों ने कथित तौर पर एक मकान के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए, जो 2006 में अमीरुद्दीन नामक व्यक्ति को आवंटित किया जा चुका था। उन्होंने उसी वर्ष यह मकान स्वरूपा रानी को बेच दिया और उससे 65,000 रुपये वसूल लिए। पूछताछ के दौरान गंगाधर और गोवर्धन ने जल्दी पैसे कमाने के लिए जाली दस्तावेज बनाने की बात कबूल की। उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने स्वरूपा रानी से उसके पति रविंदर सिंह के ज़रिए संपर्क किया था, जब वह आदिलाबाद में काम करता था।

पीरजादीगुडा स्थित आर.के.एम. फंक्शन हॉल में श्री श्री 1008 परम् पूज्य गुरुदेव श्री माधवरावजी महाराज के आशीर्वाद एवं श्री सोहनरामजी महाराज के पावन सानिध्य में तेलंगाना की पावन धरा पर आयोजित प्रथम गुरु पूर्णिमा महोत्सव में भजन प्रस्तुत करते हुए श्री हुक्मीचन्द पिपाड़ा, आनन्दरामजी महाराज एवं ओमप्रकाश मानणीया। अवसर पर कलश-यात्रा, बधावा, गुरुवाणी पाठ, प्रवचन, गुरु पूजन एवं भोजन-प्रसादी कार्यक्रम का लाभ लेते हुए समस्त गुरुभक्त मंडल।

सिटी सिविल कोर्ट में बम की धमकी से फैली दहशत

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के सिविल न्यायालय परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र में उस समय दहशत फैल गई जब अधिकारियों को बम की धमकी वाला एक मेल प्राप्त हुआ। जानकारी के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश के आधिकारिक आईडी पर एक मेल प्राप्त हुआ था जिसमें बताया गया था कि परिसर में विस्फोटक रखे गए हैं। न्यायालय प्रशासन से सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने परिसर में पहुंचकर विस्फोटक पदार्थ की मौजूदगी की जांच शुरू कर दी है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

लॉर्ड्स टेस्ट में बुमराह की वापसी तय

सुंदर की जगह शार्दूल को मौका संभव; इंग्लैंड से आर्चर-एटकिंसन खेल सकते हैं

लंदन, 8 जुलाई (एजेंसियां)। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 1-1 की बराबरी पर है। भारत ने बर्मिंघम टेस्ट को 336 रन से जीतकर वापसी की। इससे पहले भारत को लीड्स टेस्ट में इंग्लैंड ने 5 विकेट से हराया था। 5 मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स में 10 से 14 जुलाई तक खेला जाएगा।

क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले इस मैदान की पिच आमतौर पर तेज गेंदबाजों के लिए मददगार होती है, लेकिन पिछले महीने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के आखिरी तीन दिन बैटर्स को भी मदद मिली थी।

लॉर्ड्स की पिच का बिहेवियर पिछले मैच से समझिए...

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलियन बॉलर्स के खिलाफ 3 सेशन में 282 रन का टारगेट चेज करके वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का टाइटल जीता। 11 से 14 जून के बीच खेले गए इस मुकाबले के शुरुआती ढाई दिनों में तीन पारियां खत्म हो गईं। इसके बाद पिच बल्लेबाजी के लिए आसान होती गई। भारत-इंग्लैंड तीसरे टेस्ट के लिए भी इसी तरह के कंडीशंस देखने को मिल सकती हैं।

बैटिंग में बदलाव की गुंजाइश नहीं, 4 बैटर्स 200+ रन बना चुके

भारतीय बैटिंग ऑर्डर में बदलाव की गुंजाइश न के बराबर है। सीरीज में चार भारतीय बैटर्स 200 से ज्यादा रन बना चुके हैं। ओपनर्स अच्छी शुरुआत दे रहे हैं। पिछले दो मैचों में भारत की ओपनिंग जोड़ी 456 रन बना चुकी हैं। यशस्वी जायसवाल ने एक शतक और एक फिफ्टी के सहारे 220 रन बनाए हैं, जबकि केएल राहुल ने 236 रन बनाए हैं। उनके नाम भी एक शतक और एक अर्धशतक है।

इन दोनों के अलावा, कप्तान शुभमन गिल 3 शतक के सहारे 585 रन बनाकर सीरीज के टॉप स्कोरर हैं। उप कप्तान ऋषभ पंत ने दो शतक सहित 342 रन बनाए हैं।

ऑलराउंडर्स में एक बदलाव संभव, सुंदर की जगह शार्दूल को मौका

रवींद्र जडेजा ने बर्मिंघम टेस्ट की पहली पारी में 89 और नाबाद 69 रन बनाए थे। वॉशिंगटन सुंदर ने 42 रन बनाए थे। उन्होंने दूसरी पारी में अहम मौके पर बेन स्टोक्स का विकेट दिलाया था। WTC फाइनल में लॉर्ड्स की पिच का बिहेवियर देखते हुए स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर की जगह शार्दूल ठाकुर को मौका दिया जा सकता है।

बुमराह का खेलना तय, प्रसिद्ध ड्रॉप होंगे

पिछला मैच जीतने के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने लॉर्ड्स टेस्ट में जसप्रीत बुमराह के खेलने की पुष्टि की है। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा की जगह लाया जा सकता है। प्रसिद्ध पिछले मैच में 111 रन देकर एक भी विकेट ही ले सके थे। मोहम्मद सिराज दूसरे और आकाश दीप तीसरे पेसर होंगे। शार्दूल ठाकुर 5वें पेसर होंगे।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारतः यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर/शार्दूल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप।

तीसरा टेस्ट

पॉसिबल प्लेइंग-11

बॉलर्स

जसप्रीत बुमराह

मैच	विकेट	Econ	5 विकेट
46	210	2.77	14 बार

मोहम्मद सिराज

मैच	विकेट	Econ	5 विकेट
38	109	3.52	4 बार

आकाश दीप

मैच	विकेट	Econ	5 विकेट
8	25	3.80	1 बार

इंग्लैंड में गरज रहे मुशीर खान

लगातार तीन मैच में तीन शतक ठोके

गेंदबाजी में भी कर रहे कमाल

लंदन, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सीनियर पुरुष टीम इंग्लैंड के दौरे पर है। महिला टीम भी इंग्लैंड में सीरीज खेल रही हैं। भारत की अंडर-19 टीम भी इस समय इंग्लैंड में ही है। इसके साथ ही मुंबई इमर्जिंग टीम भी इंग्लैंड में जाकर खेल रही है। इस टीम में युवा ऑलराउंडर मुशीर खान भी शामिल हैं। वहां वह गेंद के साथ ही बल्ले से धमाकेदार प्रदर्शन कर रहे हैं। मुशीर ने अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में लगातार तीन शतक लगाकर सभी का ध्यान खींचा है।

लोबॉरो यूसीसीई टीम के खिलाफ तीसरे मुकाबले में मुशीर ने 116 गेंदों में 102 रन बनाए, जिसमें 14 चौके और 1 छक्का शामिल था। उन्होंने 87.93 के स्ट्राइक रेट से यह शानदार पारी खेली। इससे पहले 3 जुलाई को खेले गए मुकाबले में चैलेंजर्स के खिलाफ मुशीर ने दूसरी पारी में 127 गेंदों में 125 रन बनाए। इसमें 11 चौके और 1 छक्का शामिल था। मुशीर ने इस दौरे की शुरुआत भी धमाकेदार तरीके से की थी। 30 जून को नॉटिंघमशायर सेकंड 11 के खिलाफ खेले गए पहले मैच में उन्होंने 127 गेंदों में 123 रन बनाए।

बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी मुशीर खान का जलवा देखने को मिल रहा है। दूसरे मैच में उन्होंने गेंदबाजी में 10 बल्लेबाजों को आउट किया था। मुशीर बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाज हैं। उन्होंने पहली पारी में 38 रन देकर 6 बल्लेबाजों को आउट किया था। दूसरी पारी में 4 विकेट लेकर उन्होंने अपने 10 विकेट पूरे किए। हालांकि वह मुकाबला ड्रॉ रहा था।

पिछले साल हुआ का एक्सीडेंट

मुशीर खान का पिछले साल ईरानी कप से पहले एक्सीडेंट हो गया था। वह मैच के लिए कार से जा रहे थे, तभी लखनऊ के पास यह घटना घटी थी। इस दौरान उनके गर्दन में चोट आई थी। मुशीर इस वजह से काफी समय तक मैदान से दूर रहे। आईपीएल 2025 में वह पंजाब किंग्स का हिस्सा थे। जहां इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में उन्हें एक ही मैच खेलने का मौका मिला। इस मैच में मुशीर का खाता नहीं खुला जबकि गेंदबाजी में मयंक अग्रवाल का विकेट लिया।

जोकोविच 16वीं बार विम्बलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

लंदन, 8 जुलाई (एजेंसियां)। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच विम्बलडन-2025 के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने राउंड ऑफ 16 मैच में ऑस्ट्रेलिया के 11वीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनॉर को 1-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराया।

38 साल के जोकोविच ने 16वीं बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। अब उनका मुकाबला इटैलियन स्टार फ्लावियो कोबोली से होगा।

जोकोविच के अलावा, अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज, रूस के कारेन खचानोव, ब्रिटेन के कैमरून नोरी और स्पेन के कार्लोस अल्काराज भी टॉप-8 में पहुंच गए हैं। विमेंस कैटेगरी में वर्ल्ड नंबर-1 एरिना सबालेंका, जर्मनी की लौरा सीजमंद, अमेरिका की अमांडा एनिसीमोव, स्विटजरलैंड की बेलिंडा बेनसिच, रूस की लुडमिला सैमसोनोवा भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं।

साथ ही भारत के युकी भांबरी को उनके अमेरिकी जोड़ीदार रॉबर्ट गैलोवे के साथ मेंस डबल्स कैटेगरी में स्पेन के मार्सेल ग्रानोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। मेंस सिंगल्स के में वर्ल्ड नंबर-5 अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को ऑस्ट्रेलिया को जॉर्डन थॉम्पसन के खिलाफ वॉकओवर मिल गया। वॉकओवर के वक्त फ्रिट्ज 6-1, 3-0 से आगे थे। वहीं दूसरे मुकाबले में रूस के कैरेन खाचनोव ने पोलैंड के कामिल माजरेक को 6-4, 6-2, 6-3 से हरा दिया। ब्रिटेन के कैमरून नोरी ने चिली के निकोलस जैरी 6-3, 7-6, 6-7, 6-7, 6-3 से और स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने आंद्रे रुबलेव को 6-7, 6-3, 6-4, 6-4 से हराते हुए टॉप-8 में प्रवेश किया।

भारत की स्टील सिटी जमशेदपुर 134वें डूरंड कप की मेजबानी के लिए तैयार

खेले जाएंगे सात मैच

जमशेदपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की स्टील सिटी के नाम से विख्यात जमशेदपुर 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के लिए पूरी तरह से तैयार है। शहर लगातार दूसरे वर्ष एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी करने जा रहा है। डूरंड कप की तीनों ट्रॉफियां एक्सएलआरआई ऑडिटोरियम में प्रदर्शित की गईं, जहां झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर झारखंड सरकार के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विकास मंत्री रामदास सोरेन, लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा, एवीएसएम, एसएम, चीफ ऑफ स्टाफ, मुख्यालय ईस्टर्न कमांड तथा डुरंड कप आयोजन समिति के चेयरमैन और टाटा स्टील लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट कॉरपोरेट सर्विसेज डीबी सुंदरारामम भी मौजूद थे।

वियान मुल्डर ने क्यों नहीं तोड़ा लारा का रिकॉर्ड

बोले- वे एक लेजेंड प्लेयर, इस रिकॉर्ड को बनाए रखने के हकदार

बुलावायो, 8 जुलाई (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के कप्तान वियान मुल्डर के पास जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में ब्रायन लारा के 400* के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका था। दूसरे दिन जब लंच हुआ तब मुल्डर 367 के स्कोर पर नाबाद पवेलियन लौटे थे, लेकिन ब्रेक के दौरान उन्होंने पारी डिक्लेयर कर दी।

वे लारा का रिकॉर्ड इसलिए तोड़ने नहीं गए, क्योंकि उन्हें लगा कि यह रिकॉर्ड लारा के ही नाम रहना चाहिए।

दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद सुपरस्पोर्ट पर शॉन पोलक को दिए इंटरव्यू में मुल्डर ने कहा, 'सबसे पहले मैंने सोचा कि हमने पर्याप्त रन बना लिए हैं और अब हमें बॉलिंग करनी चाहिए। और दूसरी बात यह कि ब्रायन लारा एक लेजेंड प्लेयर हैं। उनके कद का व्यक्ति यह रिकॉर्ड बनाए रखने का हकदार है। मैंने शुक्स (साउथ अफ्रीका हेड कोच शुकरी कॉनराड) से बात की और उन्हें भी ऐसा ही लगा। मुझे लगता है कि अगर मुझे दोबारा यह मौका मिला तब भी मैं लारा का रिकॉर्ड नहीं तोड़ूंगा।' लारा टेस्ट पारी में 400 रन बनाने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं। उन्होंने यह स्कोर 2004 में एंटीगुआ में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था।

मार्क टेलर 16 अक्टूबर 1998 को टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गए थे। वे पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन 334 रन बनाकर नाबाद रहे, जो कि सर डोनाल्ड ब्रैडमैन के बेस्ट टेस्ट स्कोर की बराबरी थी, जिसके बाद कप्तान मार्क टेलर ने ऑस्ट्रेलिया की पारी घोषित कर दी थी जिससे वो ब्रैडमैन के बेस्ट टेस्ट स्कोर से आगे न निकल सकें। बतौर कप्तान अपना पहला टेस्ट खेल रहे मुल्डर ने वीरेंद्र सहवाग के बाद सबसे तेज ट्रिपल सेंचुरी लगाई। सहवाग ने 2008 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 278 गेंदों में यह कारनामा किया था। मुल्डर ने अपनी पारी में 49 चौके और 4 सिक्स भी लगाए। मुल्डर, हाशिम अमला के बाद ट्रिपल सेंचुरी लगाने वाले दूसरे साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज बने। उन्होंने अमला के 311 रन के रिकॉर्ड को भी तोड़ा। मुल्डर ने ब्लेसिंग मुजारबानी की गेंद को कवर के जरिए बाउंड्री मारकर अमला का रिकॉर्ड पार किया।

अविनाश जम्वाल ने विश्व मुक्केबाजी कप में देश को दिलाया रजत

शिमला, 8 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के अविनाश जम्वाल ने विश्व मुक्केबाजी कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता है। इससे पहले उन्होंने ब्राजील में भी इसी प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया था। अब कजाकिस्तान के अस्ताना में भी ताकत का लोहा मनवाया। कजाकिस्तान के अस्ताना में 30 जून से 7 जुलाई तक विश्व मुक्केबाजी कप हुआ। विभिन्न मुकाबलों में अविनाश ने पूर्व ओलंपियन और मेजबान खिलाड़ियों को मात दी। फाइनल मुकाबले में अविनाश का सामना ब्राजील के यूरी फाल्काओ से हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल और ताकत का प्रदर्शन किया। मुकाबला रोमांचक मोड़ तक पहुंचा।

आखिरकार 2-3 के करीबी बाउट में अविनाश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हालांकि इससे पहले अविनाश ने प्री-क्वार्टर फाइनल में अजरबैजान के पूर्व ओलंपियन मलिक हसनओव को हराया।

हिमाचल प्रदेश बॉक्सिंग संघ के महासचिव एसके शांडिल ने कहा कि लगातार दूसरी बार विश्व स्तर पर सिल्वर मेडल जीतकर यह साबित कर दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी में भारत की मजबूत उम्मीद बन चुके हैं।

कोहली बोले- वर्ल्डकप जैसे दबाव में खेलते हैं टेनिस खिलाड़ी

प्लेयर्स की मानसिक मजबूती काबिल-ए-तारीफ

पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने टेनिस खिलाड़ियों की मानसिक ताकत की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि टेनिस खिलाड़ी जिस तरह हर हफ्ते दबाव में खेलते हैं, वह भारत के वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले या नॉकआउट मैचों के दबाव जैसा होता है।

विंबलडन देखने लंदन पहुंचे कोहली अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ थे और उन्होंने पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज से बातचीत में ये बातें कहीं।

विराट कोहली ने मैच के बाद इंटरव्यू में कहा, जब हम वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हैं या सेमीफाइनल-फाइनल जैसे बड़े मैच होते हैं, तो पैरों में कांप महसूस होती है। लेकिन टेनिस खिलाड़ी शायद क्वार्टरफाइनल से लेकर फाइनल तक हर मैच में ऐसा दबाव झेलते हैं। उन्होंने कहा कि टेनिस खिलाड़ियों की फिटनेस और मानसिक मजबूती काबिल-ए-तारीफ है।

कोहली ने बताया कि क्रिकेट और टेनिस दोनों के अपने-अपने चैलेंज होते हैं। क्रिकेट में कभी-कभी बहुत देर तक इंतजार करना पड़ता है कि आपकी बल्लेबाजी कब आएगी। वहीं टेनिस में आपको पता होता है कि किस समय मैच है और कब कोर्ट में उतरना है।

उन्होंने कहा कि टेनिस में खिलाड़ी के पास वापसी का मौका होता है, लेकिन क्रिकेट में एक गलती पूरे मैच से बाहर कर सकती है। अगर बल्लेबाजी में एक गलती हो गई, तो आपको पूरे दिन दर्शकों की तरह ताली बजानी पड़ती है। लेकिन टेनिस खिलाड़ी दो सेट हारने के बाद भी मैच जीत सकते हैं।

कोहली ने कहा कि सेंटर कोर्ट का माहौल क्रिकेट स्टेडियम से ज्यादा दबाव वाला लगता है, क्योंकि वहां दर्शक बहुत पास बैठे होते हैं। क्रिकेट में जब हम बल्लेबाजी करते हैं तो दर्शक बहुत दूर होते हैं, इसलिए हम अपनी दुनिया में रहते हैं। लेकिन सेंटर कोर्ट में दर्शकों की नजदीकी से दबाव ज्यादा लगता है।

कोहली ने कहा कि वो नोवाक जोकोविच के संपर्क में रहते हैं और चाहते हैं कि वह इस बार विंबलडन जीतकर 25वां ग्रैंड स्लैम हासिल करें। उन्होंने कहा, मेरा सपना है कि फाइनल में जोकोविच और कार्लोस अल्काराज आमने-सामने हों और जोकोविच खिताब जीतें। वो इसे डिजर्व करते हैं और ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) बहस में सबसे ऊपर हैं।

यूथ वनडे- इंग्लैंड से सात विकेट से हारी भारतीय टीम

5 मैचों की सीरीज 3-2 से अपने नाम की; वैभव सूर्यवंशी 33 रन ही बना सके

वॉर्सेस्ट, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अंडर-19 टीम इंग्लैंड के खिलाफ यूथ वनडे सीरीज का 5वां मैच 7 विकेट से हार गई है। हालांकि, इस हार के बावजूद टीम इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली है।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 210 रन बनाए। 211 रन का टारगेट इंग्लैंड ने 113 गेंदें शेष रहते हुए आसानी से हासिल कर लिया।

भारत की खराब शुरुआत, कप्तान आयुष एक रन बना सके

भारत की शुरुआत खराब रही। टीम ने 9 रन के स्कोर पर कप्तान आयुष म्हात्रे (1) और विहान मल्होत्रा (1) के विकेट गंवा दिए। वैभव सूर्यवंशी (42 गेंदों में 33 रन) भी ज्यादा देर टिक नहीं सके। वैभव राहुल कुमार (21) के साथ मिलकर 51 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर पारी को संभाला।

यह साझेदारी खतरनाक होती उससे पहले ही सूर्यवंशी तीन चौके और दो छक्के लगाने के बाद सेबस्टियन मॉर्गन की गेंद पर एलेक्स ग्रीन को कैच देकर आउट हो गए। राहुल कुमार भी ज्यादा देर टिक नहीं पाए और ग्रीन की गेंद पर बीजे डॉकिन्स को कैच थमा बैठे। विकेटकीपर हरवंश पंगालिया (24), कनिष्क चौहान (24) और दीपेश देवेंद्रन (0) लगातार अंतराल विकेट गंवाते रहे

अंबरीश की संघर्षपूर्ण पारी ने 200 पार पहुंचाया

आरएस अंबरीश ने 81 गेंदों में छह चौकों की मदद से जुझारू 66 रन बनाकर एक छोर संभाले रखा और टीम के स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। इंग्लैंड की ओर से एलेक्स फ्रैंच और राल्फी एलबर्ट ने 2-2 विकेट झटके। मैथ्यू फिरबैंक, सेबस्टियान मॉर्गन, एलेक्स ग्रीन और एकांश सिंह को एक-एक विकेट मिला।

बेन मेयर ने नाबाद 82 रन बनाए

इंग्लैंड ने बेन मेयस के नाबाद 82, बीजे डॉकिन्स के 66 और कप्तान थॉमस रेव के 37 गेंदों में नाबाद 49 रनों की मदद से लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। मेयस ने अपनी 76 गेंदों की पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया, जबकि डॉकिन्स ने अपनी 53 गेंदों की पारी में नौ चौके और तीन छक्के जड़े। भारत के लिए लेग-स्पिनर नमन पुष्पक ने 65 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि दीपेश देवेंद्रन ने अपने सात ओवरों में 34 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

साउथ अफ्रीका पारी और 236 रन से जीता: *जिम्बाब्वे को 2-0 से सीरीज हराई*

वियान मुल्डर प्लेयर ऑफ द मैच, 367 रन बनाए

बुलवायो, 8 जुलाई (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को दूसरे टेस्ट में पारी और 236 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। मुकाबले के तीसरे दिन फॉलो ऑन खेल रही जिम्बाब्वे 220 रन ही बना सकी। टीम पहली पारी में 170 पर ऑलआउट हुई थी। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में कप्तान वियान मुल्डर के 367 रन की मदद से 626 रन बनाए थे।

साउथ अफ्रीका ने पहला टेस्ट 328 रन से जीता था। इसी के साथ प्रोटियाज टीम ने सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। साउथ अफ्रीका के कप्तान मुल्डर को प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला। मुल्डर ने 2 मुकाबलों में 531 रन बनाने के साथ 7 विकेट भी अपने नाम किए।

साउथ अफ्रीका से 2 और प्लेयर्स ने फिफ्टी लगाई

रविवार को बुलवायो में जिम्बाब्वे ने बॉलिंग चुनी। साउथ अफ्रीका के ओपनर टोनी डी जॉर्जी 10 और लीसेगो सेनोक्वाने 3 ही रन बनाकर आउट हो गए। यहां से मुल्डर ने डेविड बेडिंघम के साथ टीम को 200 रन के पार पहुंचा दिया। बेडिंघम 82 रन बनाकर आउट हुए।

नंबर-5 पर बैटिंग करने उतरे लुहान डी प्रिटोरियस ने फिर मुल्डर के साथ डबल सेंचुरी पार्टनरशिप की। प्रिटोरियस 78 रन बनाकर आउट हुए। यहां से डेवाल्ड ब्रेविस ने 30 रन बनाकर टीम को 500 के पार भी पहुंचा दिया।

मुल्डर ने 400 बनाने से पहले पारी डिक्लेयर की

मुकाबले के दूसरे दिन मुल्डर ने ट्रिपल सेंचुरी लगा दी। वे काइल वेरियन के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर चुके थे, तभी लंच ब्रेक हो गया। मुल्डर 367 रन बनाकर नॉटआउट थे और टीम ने 626 रन बना लिए थे। इसी पोजिशन पर साउथ अफ्रीका ने अपनी पहली पारी डिक्लेयर कर दी और मुल्डर ने 400 रन बनाने का मौका अपने हाथ से गंवा दिया।

जिम्बाब्वे के लिए तनाका चिवांगा और कुंडाई मातिगिमु ने 2-2 विकेट लिए। वेलिंगटन मसाकाद्जा को 1 विकेट मिला। ब्लेसिंग मुजरबानी, डायन मायर्स और वेसले मधेवेरे को कोई विकेट नहीं मिला।

शॉन विलियम्स ने फिफ्टी लगाई

जिम्बाब्वे की टीम पहली पारी में महज 43 ओवर खेल सकी और 170 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम से शॉन विलियम्स 83 रन बनाकर नॉटआउट रहे, बाकी बैटर्स कुछ खास नहीं कर सके। वेसले मधेवेरे ने 25, कप्तान क्रैग इरविन ने 17, तनाका चिवांगा ने 10, तफदज्वा सिगा ने 12 और निक वेल्श ने 10 रन बनाए। बाकी बैटर्स 10 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सके।

साउथ अफ्रीका के लिए पहली पारी में प्रनेलन सुब्रायन ने 4 विकेट लिए। वियान मुल्डर और कोडी युसूफ को 2-2 विकेट मिले। वहीं कॉर्बिन बॉश और सेनुरन मुथुसामी ने 1-1 विकेट मिला।

फॉलो ऑन में भी ज्यादा रन नहीं बने

साउथ अफ्रीका ने 456 रन की बढ़त के बाद जिम्बाब्वे को फॉलो ऑन दे दिया। टीम अपनी दूसरी पारी में भी 220 रन ही बना सकी। निक वेल्श ने 55, कप्तान क्रैग इरविन ने 49 और ताकुदज्वानाशे काईतानो ने 40 रन बनाए। लोअर ऑर्डर में तनाका चिवांगा ने 22 और वेलिंगटन मसाकाद्जा ने 17 रन बनाए। बाकी बैटर्स 15 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके।

साउथ अफ्रीका के लिए दूसरी पारी में कॉर्बिन बॉश ने 4 विकेट लिए। सेनुरन मुथुसामी को 3 और कोडी युसूफ को 2-2 विकेट मिले। वियान मुल्डर को दूसरी पारी में भी 1 सफलता मिली।

अब ट्राई सीरीज में हिस्सा लेंगी दोनों टीमें

टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद 14 जुलाई से दोनों टीमें जिम्बाब्वे में ही टी-20 ट्राई सीरीज खेलेंगी। सीरीज की तीसरी टीम न्यूजीलैंड होगी। जिसके खिलाफ भी जिम्बाब्वे ट्राई सीरीज के बाद 2 टेस्ट की सीरीज खेलेगी।

शमशाबाद में ताड़ी कंपाउंड से बच्ची का अपहरण

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके शमशाबाद में ताड़ी बनाने वाले एक परिसर में छह साल की एक बच्ची को उसकी मां के पास से एक अज्ञात महिला ने कथित तौर पर अगवा कर लिया। हालांकि यह घटना 1 जुलाई को हुई थी, लेकिन पुलिस को इसकी सूचना सोमवार रात को दी गई। इसके बाद आरजीआईए पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, महबूबनगर की एक निर्माण मजदूर लक्ष्मम्मा (30), जो काम के लिए शमशाबाद इलाके में आई थी, अपने दो बच्चों- के कीर्तना (6) और के अर्चना (3) के साथ स्थानीय ताड़ी परिसर में गई थी।

तभी एक अज्ञात अधेड़ महिला ताड़ी के परिसर में आई और लक्ष्मम्मा के पास बैठ गई और बातें करने लगी। वह दोनों बच्चों के करीब आ गई। जब लक्ष्मम्मा कथित तौर पर नशे की हालत में होने लगी, तो संदिग्ध महिला कीर्तन के साथ मौके से भाग गई।

लगभग एक सप्ताह तक बच्ची की हर संभव जगह तलाश करने और उसके लौटने का इंतजार करने के बाद, लक्ष्मम्मा ने शुक्रवार रात पुलिस से संपर्क किया। आरजीआईए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज एकत्र की और महिला को ताड़ी परिसर से बाहर निकलते हुए पाया। अधिकारी घटनास्थल के पास तथा उसकी ओर जाने वाली सड़कों पर लगे अन्य निगरानी कैमरों की जांच कर रहे हैं, ताकि उसे पकड़ा जा सके तथा बच्चे को जल्द से जल्द बचाया जा सके।

स्वस्थ तेलंगाना सरकार का लक्ष्य : पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद को सुंदर बनाए रखने में जीएचएमसी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका : मंत्री

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि स्वस्थ तेलंगाना सरकार का लक्ष्य है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मंगलवार को बंजारा हिल्स स्थित भीम भवन में जीएचएमसी सफाई कर्मचारियों के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री ने एक विशेष स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य जांच की। मंत्री ने शिविर में स्वास्थ्य जांच के लिए इस्तेमाल की जाने वाली उन्नत मशीनों, कर्मचारियों को दी जाने वाली दवाओं आदि का निरीक्षण किया।

बाद में, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन और हैदराबाद कलेक्टर दसारी हरिचंदना ने जीएचएमसी स्वच्छता कर्मचारियों को व्यक्तिगत उपकरण किट वितरित किए।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि जीएचएमसी कार्यकर्ता हैदराबाद महानगर को साफ रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी में काम करने वाले हर सफाई कर्मचारी के लिए स्वास्थ्य जांच करने और उन्हें मासिक दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया गया है।

उन्होंने कहा कि आपके स्वास्थ्य की रक्षा के लिए गए निर्णय के तहत, सरकार आप सभी के वेतन में वृद्धि करने की योजना बना रही है। यह मामला मुख्यमंत्री के ध्यान में लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे उन लोगों के प्रति सकारात्मक हैं जो वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि अगर वित्तीय स्थिति में सुधार होता है, तो वे इसे मुख्यमंत्री के ध्यान में लाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी गांवों में इंदिराम्मा घर आ गए हैं और हैदराबाद में जमीन रखने वालों को इंदिराम्मा घर मंजूर किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि कुछ झुग्गियों को विकसित करने और वहां निर्माण करने और आपको देने की योजना बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर हैदराबाद में निवेश आ रहा है, तो सफाई कर्मचारी दुनिया को हैदराबाद दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपके बच्चों की पढ़ाई के लिए गुरुकुलों में मेस का शुल्क बढ़ा दिया गया है, हम राज्य में पात्र बच्चों को छोटे चावल वितरित कर रहे हैं, 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि आप अधिकारियों के ध्यान में लाएं, जिससे आपके बच्चों की पढ़ाई में दिक्कत आ रही है। मंत्री ने सफाई कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि गुरुकुलों में सीटें उपलब्ध कराना और शिक्षा प्रदान करना हमारी जिम्मेदारी है।

जीएचएमसी श्रमिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही है : विजयलक्ष्मी

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने सफाई कर्मचारियों को बार-बार होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बचने के लिए सावधानी बरतने और सरकार द्वारा प्रदान की गई किटों का अच्छा उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने उन्हें सलाह दी कि वे बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए पहले से ही सावधानी बरतें क्योंकि यह बारिश का मौसम है और शिविरों का अच्छा उपयोग करें। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी श्रमिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही है। मेयर ने कहा कि श्रमिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के अलावा, जीएचएमसी ने उन श्रमिकों के परिवार के सदस्यों को फिर से रोजगार देने का भी निर्णय लिया है, जिनकी बुढ़ापे के कारण असामयिक मृत्यु हो गई है और वे काम करने में असमर्थ हैं। महापौर ने कहा कि शहर की आबादी बढ़ने के कारण श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के लिए कदम उठाए गए हैं। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि सफाई कर्मचारियों के साथ-साथ तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर पशु चिकित्सा और कीट विज्ञान विभागों में काम करने वाले श्रमिकों को भी वितरण किया गया। आयुक्त ने कहा कि मानसून का मौसम नजदीक आ रहा है, इसलिए सफाई कर्मचारियों को नियमित स्वास्थ्य जांच करवाकर अपने स्वास्थ्य को बनाए रखना चाहिए। पहली बार सरकार के निर्देशानुसार, जीएचएमसी के बंजारा हिल्स क्षेत्र के 450 सफाई कर्मचारियों को जीएचएमसी के फ्रंटलाइन वर्कर के रूप में माना जा रहा है और वे अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए लागत पर बिना किसी हिचकिचाहट के स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने सलाह दी कि सरकार द्वारा प्रदान की गई किट का सही तरीके से उपयोग किया जाना चाहिए। आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि कर्मचारियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से ज्यादातर जीएचएमसी क्षेत्र के भीतर ही शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला कलक्टर हरि चंदना ने बताया कि जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में लगाए गए मेडिकल स्टॉलों पर चिकित्सकों ने नेत्र, दंत, आर्थो, टी.बी, कुष्ठ, बीपी, शुगर, स्त्री रोग, कैंसर आदि की जांच कर सफाई कर्मचारियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की। कार्यक्रम में जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती, जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त रघु प्रसाद, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पद्मजा, जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वेंकट, टीबी निवारण अधिकारी चल्ला देवी, अतिरिक्त डीएम एवं एचओ डॉ. विजयनिर्मला, डॉ. मुरलीधर, कुष्ठ रोग अधिकारी डॉ. राधा किशन, तहसीलदार अनिता रेड्डी, जीएचएमसी, अधिकारी, कर्मचारी और अन्य विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

केंद्रीय गृह सचिव का तेलंगाना दौरा

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने नए आपराधिक कानूनों (एनसीएल) के कार्यान्वयन की समीक्षा करने के लिए तेलंगाना का दौरा किया। उनके साथ एनसीआरबी, बीपीआरएंडडी, एनआईसी के अधिकारियों की एक टीम भी थी जिसमें गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव भी शामिल थे। समीक्षा बैठक में के. रामकृष्ण राव, तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव, रवि गुप्ता, तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव (गृह) और अन्य वरिष्ठ आईएएस/आईपीएस अधिकारी शामिल हुए। डीजीपी, तेलंगाना, डॉ. जितेंद्र ने गृह मंत्रालय की टीम को समग्र कैडर प्रबंधन और तेलंगाना पुलिस द्वारा विभिन्न कानून व्यवस्था स्थितियों और अन्य सुरक्षा चुनौतियों से कुशलतापूर्वक निपटने के बारे में जानकारी दी। राज्यस्तरीय समिति ने केंद्रीय गृह सचिव को बताया कि संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) ने नए आपराधिक कानूनों को लागू करने के मामले में राज्य पुलिस के संक्रमण प्रबंधन को कैसे अंजाम दिया। उन्होंने इस संबंध में उठाए गए विभिन्न कदमों जैसे प्रशिक्षण, नियमों की अधिसूचना, प्रौद्योगिकी उन्नयन, क्षमता निर्माण आदि के बारे में बात की। गृह मंत्रालय की टीम ने नए आपराधिक कानूनों को सुचारू रूप से लागू करने और नारकोटिक्स आदि पर अंकुश लगाने के लिए राज्य पुलिस के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यह भी बताया कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नए आपराधिक कानूनों को तेजी से पूर्ण रूप से लागू किया जाए।

हाइकिंग ट्रेल पार्क के सौंदर्यीकरण का काम तत्काल शुरू करें : आयुक्त

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर आरवी कर्णन ने अधिकारियों को जुबली हिल्स रोड नंबर 36 पर हाइकिंग ट्रेल पार्क के सौंदर्यीकरण का काम जल्द से जल्द शुरू करने का निर्देश दिया है। मंगलवार को कमिश्नर ने खैरताबाद के जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती के साथ पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने पार्क के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए योजना में बदलाव और परिवर्धन के सुझाव दिए। वे रोड नंबर 36 से चलकर रोड नंबर 25 तक के पार्कों का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आगंतुकों को सुखद माहौल प्रदान करने के लिए पार्क में सभी सौंदर्यीकरण और जरूरी कामों को शुरू करें और उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करें। आयुक्त के साथ खैरताबाद जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती, सर्कल 18 ईई विजयकुमार, बागवानी अधिकारी बलय्या और अन्य लोग थे।

हैदराबाद पुलिस ने 4 विदेशी नागरिकों को किया निर्वासित

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के साथ मिलकर देश में अवैध रूप से रहने के आरोप में 4 विदेशी नागरिकों को पकड़ लिया और उन्हें निर्वासित कर दिया। चार विदेशी नाइजीरिया के मैक्सवेल एंथोनी इज़ुचुकु (20), नाइजीरिया के चिनजा नन्ना विवियन (38), तंजानिया के मवाजुमा अलमासी मासीसिला (30) और सूडान के अहमद हामिद अबुजाबर हामिद (27) हैं। डीसीपी टास्क फोर्स वाईवीएस सुधींद्र के अनुसार, चारों व्यक्ति छात्र और मेडिकल वीजा पर देश में दाखिल हुए थे और वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से यहां रह रहे थे। विशेष जानकारी के आधार पर पुलिस ने उनके दस्तावेजों की जांच की और उन्हें हिरासत में ले लिया। एफआरआरओ को इसकी जानकारी दे दी गई है। वाईवीएस सुधींद्र ने कहा, आवश्यक दस्तावेज तैयार करने के बाद उन्हें निर्वासित किया जा रहा है। निर्वासन के बाद उन्हें ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जाएगा ताकि वे देश में दोबारा प्रवेश न कर सकें।

एक भी ट्रेन नहीं चलेगी : कविता ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक पर केंद्र को दी धमकी

नई दिल्ली, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष और बीआरएस एमएलसी के कविता ने मंगलवार को केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी दी कि अगर केंद्र पिछड़ा वर्ग (बीसी) को 42 प्रतिशत आरक्षण देने वाले विधेयक को मंजूरी देने में विफल रहता है तो एक भी ट्रेन नहीं चलने दी जाएगी। उन्होंने तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी की मांग करते हुए 17 जुलाई को रेल रोको विरोध प्रदर्शन की घोषणा की। एक अंतरिम उपाय के रूप में, उन्होंने मांग की कि तेलंगाना में रेवंत रेड्डी सरकार संविधान के अनुच्छेद 243 (डी) के तहत प्रावधानों के अनुसार बढ़े हुए आरक्षण को लागू करने वाला एक सरकारी आदेश (जीओ) जारी करे। कविता ने सवाल किया कि संविधान की प्रति लेकर देश भर में घूमने वाले राहुल गांधी तेलंगाना के मुख्यमंत्री को ऐसा जीओ जारी करने की सलाह क्यों नहीं दे रहे हैं। नई दिल्ली में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में तेलंगाना जागृति द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए कविता ने कहा, हम एक भी ट्रेन को चलने नहीं देंगे। डेक्कन से दिल्ली जाने वाली ट्रेनें रोक दी जाएंगी। यह तो बस एक ट्रेलर है। अगर बिल को मंजूरी नहीं मिली तो हम अनिश्चितकालीन रेल रोको आंदोलन करेंगे। तेलंगाना में 2.5 करोड़ पिछड़ी जातियां भाजपा को सबक सिखाएंगी। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस दोनों पर पिछड़ी जातियों को धोखा देने का आरोप लगाया और कहा कि वह पिछड़ी जातियों के आरक्षण को लागू करने के लिए सभी राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर समर्थन मांगेंगी कविता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य विधानसभा में पिछड़ी जाति आरक्षण विधेयक पारित किया और इसे राष्ट्रपति के पास भेज दिया, लेकिन मामले से अपना पल्ला झाड़ लिया। उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और दावा किया कि पिछड़ी जातियों के लिए उनकी चिंता 2014 में कांग्रेस के सत्ता से बाहर होने के बाद ही शुरू हुई। कविता ने बताया कि कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश जैसे कांग्रेस शासित राज्यों ने भी अभी तक जाति जनगणना नहीं कराई है। कविता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो खुद को ओबीसी मानते हैं, से आग्रह किया कि वे तेलंगाना बीसी आरक्षण विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी दिलाने के लिए कदम उठाकर बीसी के लिए न्याय सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि तेलंगाना बीसी विधेयक को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाना चाहिए, तमिलनाडु की 69 प्रतिशत आरक्षण नीति के समान। कविता ने बताया कि ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) कोटा के कार्यान्वयन ने पहले ही आरक्षण सीमा को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ा दिया है, और 16 राज्यों ने इस सीमा से ऊपर आरक्षण लागू किया है। इसलिए, तेलंगाना में 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण को लागू करने में कानूनी बाधाएं नहीं हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार द्वारा आयोजित जाति जनगणना में खामियों को भी उजागर किया।

गच्चीबावली में सुरक्षा गार्ड की हत्या

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को गच्चीबावली में एक निर्माणाधीन इमारत में एक सुरक्षा गार्ड की हत्या कर दी गई। पीड़ित की पहचान जगदगिरिगुट्टा निवासी दसारी राजू (58) के रूप में हुई है, जो गच्चीबावली फ्लाईओवर के पास निर्माण स्थल पर सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करता था। जानकारी के अनुसार, राजू, जो पिछले एक साल से श्री गरुड़ एजेंसी के माध्यम से साइट पर सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रहा था, पर सोमवार आधी रात को ड्यूटी के दौरान अज्ञात हमलावरों ने उसके सिर पर लोहे की रॉड से हमला किया। मंगलवार को काम करने आए श्रमिकों ने निर्माण स्थल के बेसमेंट (बी3 लेवल) में उन्हें मृत पाया, उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटें थीं। सूचना मिलने पर गच्चीबावली पुलिस, क्लूज टीम और डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंची। आस-पास के इलाकों में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

रायलसीमा के विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास : चंद्रबाबू

सीएम ने श्रीशैलम बांध का दौरा किया, चार गेटों से पानी छोड़ा

कर्नूल, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू ने आज श्रीशैलम परियोजना का निरीक्षण किया। सबसे पहले सीएम ने परियोजना स्थल पर फोटो प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। बाद में उन्होंने कृष्णा नदी की पूजा की और बांध के गेट नंबर 6, 7, 8 और 11 से पानी छोड़ा। इससे पहले सीएम ने श्रीशैलम महाक्षेत्र का दौरा किया और विशेष पूजा की। सीएम के साथ मंत्री निम्माला रामानायुडू, बीसी जनार्दन रेड्डी, सांसद बायरेड्डी सबरी, विधायक भूमा अखिलप्रिया, बुद्ध राजशेखर रेड्डी और अन्य लोग मौजूद थे। इस अवसर पर बोलते हुए नायुडू ने मंगलवार को कहा कि जुलाई के पहले सप्ताह में श्रीशैलम जलाशय का भर जाना आंध्र प्रदेश के लिए शुभ संकेत है। मैंने श्रीशैलम मल्लान्ना की विशेष पूजा की। मैंने रायलसीमा के लिए रत्नों से समृद्ध क्षेत्र बनने की प्रार्थना की। मल्लान्ना के आशीर्वाद से रायलसीमा समृद्ध होगी। पानी हमारा धन है। इससे किसानों की मुश्किलें दूर होंगी। सिंचाई परियोजनाएं आधुनिक मंदिर हैं। ऊपर से आने वाले पानी से श्रीशैलम जलाशय में 200 टीएमसी पानी है। कई लोगों ने पहले कहा था कि रायलसीमा को कोई नहीं बचा सकता। एनटीआर ने क्षेत्र की स्थिति बदलने के लिए कमर कस ली है। मैं रायलसीमा के विकास के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं और मैंने सिंचाई परियोजनाओं पर 68,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। जब वाईएसआरसीपी सरकार सत्ता में थी, तो उसने रायलसीमा क्षेत्र की परवाह नहीं की। जीडिपल्ली में पानी लाने की जिम्मेदारी हमारी सरकार की है। मैंने अधिकारियों को इस महीने की 15 तारीख तक उस क्षेत्र में पानी लाने का लक्ष्य दिया है। हम इस महीने की 30 तारीख तक कुप्पम और मदनपल्ले में पानी लाएंगे। पोतिरेड्डीपाडु। गैलेरू-नागरी, गंडिकोटा। हमने सब कुछ खुद लाया। उन्होंने कहा

कि उनका लक्ष्य तेलुगु समुदाय को दुनिया में नंबर एक बनाना था और उन्होंने कहा कि उन्होंने जो विकास किया वह हैदराबाद में जारी है। नायुडू ने कहा कि यह अच्छा होगा यदि दोनों तेलुगु राज्य समुद्र में बहने वाले पानी का उपयोग करें क्योंकि इससे दोनों राज्यों के किसानों को फायदा होगा। अगर रायलसीमा में पानी आ रहा है, तो यह पोलावरम की वजह से है, मेरे पास सीमा के साथ क्या करना है, इसका खाका है। इस क्षेत्र में एक ऐसी सड़क प्रणाली है जो देश में कहीं भी बेजोड़ है। पहले लोग रागी, साजा, ज्वार और कोरा खाते थे। पॉलिश किए हुए चावल खाने से कई लोगों को मधुमेह हो रहा है। अब हर कोई स्वास्थ्य पर ध्यान दे रहा है। वे छोटे अनाज खा रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा पर विशेष पूजा

श्री सखी बाबा मठ (400 वर्ष प्राचीन)

श्री सखी बाबा मठ, पुराना पुल, भाग्यनगर में इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा

श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर भाग्यनगर हैदराबाद के सखी बाबा मठ में भगवान का रुद्राभिषेक व पूजा अर्चना

महन्त ठाकुर दास जी महाराज

भाग्यनगर हैदराबाद के सखी बाबा मठ में श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर तत्संबंधित पावन कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस संदर्भ में, भाग्यनगर हैदराबाद के सखी बाबा मठ के महन्त ठाकुर दास ने बताया कि, श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव के शुभावसर पर सखी बाबा मठ में प्रातः 8.30 बजे गुरु चरणों की वंदना होगी तथा मध्याह्न साढे बारह बजे भगवान का रुद्राभिषेक तथा ढाई बजे भगवान की आरती होगी। अतः सभी भक्तगण इस धार्मिक भगवान का रुद्राभिषेक व आरती कार्यक्रम में पधारकर कृतकृत्य होंवे।

इस अवसर पर महन्त ठाकुरदास जी के सानिध्य में सभी भक्तों को आशीष दिया जायेगा।

इस शुभावसर पर पंडित प्रमोदजी त्रिपाठी द्वारा महादेव का रुद्राभिषेक किया जायेगा।

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

ब्रिगेट रोड नें 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

सरकारी आवासीय बंगला बना असामाजिक तत्वों का अड्डा

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बीचों-बीच एसआर नगर में स्थित सरकारी बंगला नंबर 2, जो पिछले 30 सालों से अखिल भारतीय सेवा के रैंक वाले नौकरशाहों के रहने के लिए निर्धारित था, अब अधिकारियों की उदासीनता के कारण वीरान पड़ा है। यह एक डंप यार्ड में बदल गया है और गैरकानूनी गतिविधियों का अड्डा बन गया है। जरूरतमंद अधिकारियों को आवंटित करने में उदासीनता के कारण यह बंगला पिछले आठ सालों से खाली पड़ा था। एसआर नगर में कुल छह विशाल बंगले हैं, जिनका संरक्षक सड़क एवं भवन (आरएंडबी) केंद्रीय भवन प्रभाग है। वर्तमान में, बंगला नंबर 1, 3, 4 और 5 पर लोग रहते हैं, जबकि शेष 2 और 6 बंगले खाली पड़े हैं।

बंगले के प्रवेश और निकास द्वारों पर जंग के निशान हैं, जबकि इसके दरवाजे और खिड़कियां भी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। दरवाजे और खिड़कियां क्षतिग्रस्त हैं और परिसर सूखे पत्तों से भरे कूड़े के ढेर में तब्दील हो गया है। ऐसा माना जाता है कि संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार के दौरान इस बंगले पर कब्जा करने के लिए वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी और यहां तक कि मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के माध्यम से सिफारिशें भी की गई थीं। राज्य विभाजन के दौरान, बंगले संख्या 1, 2 और 4 तेलंगाना को आवंटित किए गए थे और शेष बंगले संख्या 3, 5 और 6 आंध्र प्रदेश को आवंटित किए गए थे।

मूल रूप से, सभी छह बंगलों में प्रवेश द्वार एसआर नगर मेट्रो स्टेशन के समीप था। हालांकि, रहने वाले लोग बंगलों के पिछले हिस्से का उपयोग कर रहे हैं क्योंकि चौबीसों घंटे भारी यातायात के कारण होने वाले भारी ध्वनि प्रदूषण के कारण मुख्य प्रवेश द्वार बंद है। शैक्षणिक संस्थानों, छात्रावासों और वाणिज्यिक इकाइयों के कारण यह क्षेत्र घनी आबादी वाला है, जो प्रवेश में बदलाव का एक और कारण हो सकता है। सड़क एवं भवन विभाग (केंद्रीय भवन प्रभाग) के कार्यकारी अभियंता टीए रवींद्र मोहन ने बताया, बंगला जीएडी द्वारा आवंटित किए जाने के बाद बंगले के परिसर की सफाई और रंगाई-पुताई की जाएगी।

माली समाज सेवा संस्थान
हैदराबाद (तेलंगाना)
के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा महोत्सव-2025 के उपलक्ष्य में
आज बुधवार दि. 9 जुलाई 2025 रात्रि 8:30 बजे से
एक शाम संत श्री लिखमीदासजी महाराज के नाम
भजन जागरण
शुभस्थल : श्रृंग ऋषि भवन दालमंडी, फीलखाना, हैदराबाद
भजन प्रस्तुतकर्ता : राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन गायक
श्री सुनीलजी माली एण्ड पार्टी सूरत
सभी समाज बन्धुओं से निवेदन है कि जागरण में पधारकर गुरु महाराज का आशीर्वाद एवं भजनों का आनन्द प्राप्त करें
निवेदक : माली समाज सेवा संस्थान - समस्त पदाधिकारीगण, कार्यकारिणी एवं सदस्यगण
© 9000287471, 9440891922, 9440371240, 8885303442
शुभकामनाओं सहित
रामदेव होम अप्लायंसेस जामबाग, हैदराबाद © 9121554465
कुमकुम फैन्सी पठानवाड़ी, हैदराबाद © 8619224766
सुन्धा हार्डवेयर आगापुरा, हैदराबाद © 7021232452
GTS मार्केटिंग तुरुप बाजार, हैदराबाद © 9581969395

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.